राष्ट्रीय दैनिक

# प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 अफगानिस्तान-इंग्लैंड सीरीज के लिए हो सकता है...

जेल में बंद संजय सिंह को फिर राज्य सभा सासंद ... 12

वर्ष : 14 | अंक : 234 | नई दिल्ली, शनिवार, 06 जनवरी, 2024 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

अधिकतम तापमान 17°C
न्यूनतम तापमान 10°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

| | |
|---|---|
| हां | 40% |
| नहीं | 45% |
| कह नहीं सकते | 15% |

**बाजार**

| | |
|---|---|
| सोना | 64,685 |
| चांदी | 78,700 |
| सेंसेक्स | 71,847 |
| निफ्टी | 21,658 |

## संक्षिप्त खबरें

6 जनवरी को नडडा का रोड शो चंडीगढ़। हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी ने पंचकूला में नवनियुक्त प्रदेश महामंत्रियों की बैठक ली। प्रदेश कार्यालय पंचकमल में हुई बैठक में आगामी कार्य योजनाओं पर मंथन हुआ। बैठक में 6 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के रोड शो को लेकर भी रणनीति तैयार की गई। प्रदेश महामंत्री नियुक्त करने के दूसरे दिन प्रदेश अध्यक्ष सैनी की प्रदेश महामंत्री मोहन लाल बड़ौली, सुरेंद्र पुनिया के साथ यह पहली बैठक थी। इसमें संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा भी उपस्थित रहे। बैठक में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सैनी ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों की रणनीति पर विस्तार से विचार विमर्श किया। बैठक में विकसित भारत संकल्प यात्राओं को और सफल बनाने के लिए काम करने के लिए कहा और जरूरी दिशा निर्देश दिए गए।

उत्तर कोरिया ने द.कोरिया की ओर 200 बम के गोले दागे प्योंगयोंग। उत्तर कोरिया ने फिर से दक्षिण कोरिया पर हमला कर दिया। उत्तर कोरिया ने द.कोरिया की ओर 200 बम के गोले दागे। सियोल के रक्षा मंत्रालय ने चेतावनी दी कि इन कार्रवाइयों से शांति को खतरा है और वह इसका कड़ा जवाब देगा। दक्षिण कोरिया के एक गांव को हमले के बीच खाली कराया जा रहा है। दक्षिण कोरिया ने कदम की निंदा कर उकसाने वाली कार्रवाई करार दिया है। बता दें कि दोनों द्वीपों के निवासियों को खाली करने का आदेश दिया गया था, जो कि 2010 में उत्तर द्वारा द्वीपों में से एक पर गोले दागने के बाद से दोनों कोरिया के बीच सबसे गंभीर सैन्य तनाव में से एक था। शुक्रवार की लाइव फायरिंग प्योंगयांग में किम जोंग उन के शासन की ओर से बार-बार दी गई चेतावनी के बाद हुई कि वह दक्षिण कोरिया और उसके अमेरिकी सहयोगी के खिलाफ युद्ध को तैयार है। उत्तर कोरियाई सेना ने शुक्रवार सुबह लगभग बेंगनीओंग द्वीप के उत्तरी भाग में जांगसन-गोट और येओनपयोंग के उत्तरी क्षेत्रों में 200 से अधिक राउंड गोलीबारी की।

पश्चिम बंगाल में ईडी की टीम पर हमला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में ईडी के अधिकारियों पर हमला हुआ है। वह टीएमसी नेता शाहजहां शेख के ठिकानों पर छापा मारने गई थी। तभी भीड़ ने हमला कर दिया। शाहजहां लंबे समय से एक राशन डीलर हैं। वह पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक के करीबी माने जाते हैं। राशन घोटाले के सिलसिले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता शाहजहां के आवास पर छापा मारने की कोशिश के दौरान पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में स्थानीय लोगों ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों और उनके साथ आए सीआरपीएफ के जवानों को खदेड़ दिया। भीड़ के गुस्से को देखकर ईडी की टीम को मौके से पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। वहीं, ईडी की टीम पर हुए हमले में एक युवक को चोट भी पहुंची है।

# खड़गे से मुलाकात के बाद शर्मिला ने कहा, कोई भी जिम्मेदारी लेने को तैयार हूं

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी के कांग्रेस में विलय के एक दिन बाद, वाई.एस. शर्मिला ने शुक्रवार को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से उनके आवास पर मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने कहा कि कांग्रेस उन्हें जो भी जिम्मेदारी देगी, वह लेने को तैयार हैं। शर्मिला ने पत्रकारों से कहा कि कांग्रेस पार्टी उन्हें जिम्मेदारी देने पर विचार कर रही है, जिस पर उन्होंने मल्लिकार्जुन खड़गे से चर्चा की है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी की बहन और पूर्व मुख्यमंत्री वाई. एस. राजशेखर रेड्डी की बेटी शर्मिला ने कहा, जैसा कि मैंने पहले भी कहा है कि मुझे जो कोई भी जिम्मेदारी दी जाएगी, मैं उसे लेने के लिए तैयार हूं। बाद में उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट करते हुए लिखा, "कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलकर खुशी हुई। आगे बढ़ने और विभिन्न मोर्चों पर पार्टी को मजबूत करने के बारे में उनका मार्गदर्शन लिया। आगे और नया क्या होगा, इसके लिए उत्साहित हूं।

शर्मिला ने उन्हें दी जाने वाली जिम्मेदारी पर चर्चा के लिए एआईसीसी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल से भी मुलाकात की। उन्हें उम्मीद है कि उनकी जिम्मेदारी पर एक या दो दिन में स्थिति साफ हो जाएगी।

गुरुवार को राहुल गांधी और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में मल्लिकार्जुन खड़गे ने शर्मिला को पार्टी में शामिल किया था।

शर्मिला ने बाद में मीडियाकर्मियों से कहा था कि वह वाईएसआर तेलंगाना पार्टी का कांग्रेस में विलय कर खुश हैं। उन्होंने कहा कि उनके पिता वाईएसआर ने न केवल अपना पूरा जीवन कांग्रेस पार्टी की सेवा की, बल्कि कांग्रेस पार्टी की सेवा में अपना जीवन भी दे दिया। कांग्रेस को देश की एकमात्र सच्ची और सबसे बड़ी धर्मनिरपेक्ष पार्टी करार देते हुए उन्होंने कहा कि इसने हमेशा सभी वर्गों की सेवा करने और भारत के लोगों को एकजुट करने की भारत की संस्कृति को बरकरार रखा है। राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना मेरे पिता का सपना था। मुझे खुशी है कि मैं इसे साकार करने में हिस्सा लेने जा रही हूं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह आंध्र प्रदेश में जिम्मेदारी स्वीकार करने के लिए तैयार हैं, तो उन्होंने पत्रकारों से कहा, ₹मैं पार्टी द्वारा दी गई कोई भी जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हूं। न केवल आंध्र प्रदेश, अंडमान निकोबार में भी।

# हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में सहयोग पर भारत व गुयाना के बीच समझौते को दी मंजूरी

- पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुयी केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कई ऐजेंडों पर मुहर

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने भारत और गुयाना के बीच हाइड्रोकार्बन के क्षेत्र में सहयोग पर समझौते को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुयी केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया। समझौते में गुयाना से कच्चे तेल की सोर्सिंग, गुयाना के अन्वेषण और उत्पादन क्षेत्र में भारतीय कंपनियों की भागीदारी, कच्चे तेल के शोधन, क्षमता निर्माण, द्विपक्षीय व्यापार को सुदृढ़ करने, प्राकृतिक गैस क्षेत्र में सहयोग, गुयाना में तेल और गैस क्षेत्र में नियामक नीति ढांचे के विकास में सहयोग; जैव ईंधन सहित स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र के साथ-साथ सौर ऊर्जा आदि सहित नवीकरणीय क्षेत्र में सहयोग और हाइड्रोकार्बन क्षेत्र की पूरी मूल्य श्रृंखला शामिल है। गुयाना के साथ हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में सहयोग के बारे में समझौता ज्ञापन से द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि, एक-दूसरे देशों में निवेश को बढ़ावा और कच्चे तेल के स्रोत में विविधता लाने में मदद मिलेगी, जिससे देश की ऊर्जा और आपूर्ति सुरक्षा में वृद्धि होगी। यह भारतीय कंपनियों को गुयाना के अन्वेषण और उत्पादन क्षेत्र में भाग लेने का अवसर भी प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त अपस्ट्रीम परियोजनाओं में वैश्विक तेल और गैस कंपनियों के साथ काम करके अनुभव प्राप्त करेगा, जिससे आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलेगा। यह समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर की तिथि से लागू होगा और पांच साल की अवधि तक मान्य होगा।

### मंत्रिमंडल ने 4797 करोड़ रुपए की पृथ्वी योजना को मंजूरी दी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की 4797 करोड़ रुपए की व्यापक योजना पृथ्वी विज्ञान को शुक्रवार को मंजरी दे दी। पृथ्वी विज्ञान योजना को 2021-26 की अवधि के के लिए मंजूरी दी गई है। इस योजना में पांच उप-योजनाएँ, वायुमंडल और जलवायु अनुसंधान-मॉडलिंग अवलोकन प्रणाली और सेवाएँ, महासागर सेवाएँ, मॉडलिंग अनुप्रयोग, संसाधन और प्रौद्योगिकी, ध्रुवीय विज्ञान और क्रायोस्फीयर अनुसंधान, भूकंप विज्ञान तथा भूविज्ञान और अनुसंधान, शिक्षा, प्रशिक्षण और आउटरीच शामिल हैं।

### अयोध्या के हवाई अड्डे के नाम को कैबिनेट की मंजूरी

केंद्रीय कैबिनेट ने अयोध्या हवाई अड्डे का नाम महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा रखने के प्रस्ताव को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा घोषित करने का भी निर्णय लिया गया। पीएम मोदी ने 30 दिसंबर को हवाई अड्डे का उद्घाटन किया था।

# अरब सागर में लाइबेरियाई जहाज के अपहरण का प्रयास, नौसेना ने दिया जवाब

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। अरब सागर में सोमालिया के पास लाइबेरिया ध्वज वाले व्यापारिक जहाज एमवी लीला को अपहृत करने का प्रयास किया गया है। यह जहाज पोर्ट डु एको (ब्राजील) से बहरीन में खलीफा बिन सलमान के लिए जा रहा था, लेकिन भारतीय नौसेना के माकूल जवाब के बाद यह घटना होने से बच गई है। नौसेना ने जहाज की सहायता के लिए आईएनएस चेन्नई को मौके पर भेजा है। दरअसल, लाइबेरिया ध्वज वाले व्यापारिक जहाज एमवी लीला ने 04 जनवरी की शाम को लगभग पांच से छह समुद्री डाकुओं के सवार होने का संकेत दिया था। सोमालिया से 300 समुद्री मील पूर्व में जहाज के चालक दल की ओर से यूनाइटेड किंगडम समुद्री व्यापार संचालन पोर्टल पर संदेश मिलने के बाद भारतीय नौसेना सक्रिय हुई। यूकेएमटीओ व्यापारिक जहाजों के लिए संपर्क और क्षेत्र में सैन्य बलों के साथ संपर्क के प्राथमिक बिंदु के रूप में कार्य करता है। सोमालिया के पास व्यापारिक जहाज एमवी लीला का अपहरण होने के संकेत मिलने के बाद भारतीय नौसेना के मिशन में तैनात प्लेटफार्मों ने अरब सागर में इस समुद्री घटना पर तेजी से प्रतिक्रिया दी। भारतीय नौसेना ने तत्काल एक समुद्री गश्ती विमान (एमपीए) लॉन्च किया और जहाज की सहायता के लिए आईएनएस चेन्नई को मौके पर भेजने के लिए डायवर्ट कर दिया है। विमान ने आज सुबह जहाज के ऊपर से उड़ान भरी और चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए जहाज के साथ संपर्क स्थापित किया। नौसेना के कमांडर विवेक मधवाल के मुताबिक नौसेना के विमान समुद्री गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं और आईएनएस चेन्नई लाइबेरियाई जहाज को सहायता देने के लिए पहुंच रहा है। पूरे क्षेत्र में अन्य एजेंसियों और बहुराष्ट्रीय बल के समन्वय से समग्र स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। भारतीय नौसेना अंतरराष्ट्रीय साझेदारों और मित्रवत देशों के साथ क्षेत्र में व्यापारिक जहाजरानी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

# भारत में कोरोना वायरस के 761 मामले दर्ज, 12 की मौत

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में शुक्रवार को कोविड संक्रमण के 761 मामले दर्ज किए गए जबकि संक्रमण से 12 लोगों की मौत हुई। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। सुबह आठ बजे तक जारी किए आंकड़ों के अनुसार,देश में सक्रिय कोरोना संक्रमितों की संख्या बृहस्पतिवार को 4334 से घटकर 4423 हो गई। केरल में कोरोना के सर्वाधिक सक्रिय मामले 1249 हैं। उसके बाद कर्नाटक में 1240, महाराष्ट्र में 914, तमिलनाडु में 190, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश में 128-128 मामले हैं। आंकड़ों के मुताबिक, संक्रमण से सर्वाधिक 12 मौतें केरल में दर्ज की गईं। उसके बाद कर्नाटक में चार, महाराष्ट्र में दो और उत्तर प्रदेश में एक मौत दर्ज की गई। पांच दिसंबर तक दैनिक संक्रमितों की संख्या दोहरे अंकों में थी, लेकिन ठंड और कोरोना वायरस के नए स्वरूप के आने के बाद इन मामलों में फिर से वृद्धि होनी शुरू हो गयी।

# 'आप' से राज्यसभा जाएगी दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल को उम्मीदवार बनाने का फैसला किया है। पार्टी ने फिर अपने राज्यसभा सांसद संजय सिंह पर भरोसा जताया है। संजय सिंह ने आप से दुबारा नामकंन किया है।

संजय सिंह के अलावा एनडी गुप्ता को भी दूसरे कार्यकाल के लिए राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया गया है। आप ने सुशील कुमार गुप्ता की जगह स्वाती मालीवाल को टिकट दिया है। पार्टी का दावा है कि सुशील ने खुद को हरियाणा की चुनावी राजनीति में पूरी तरह से शामिल करने का फैसला लिया है। ईडी ने नहीं किया हस्ताक्षर का विरोध बता दें कि 19 जनवरी को राज्यसभा के चुनाव होने हैं। इस बीच कोर्ट ने आप सांसद संजय सिंह को जेल से राज्यसभा के लिए नामांकन पत्र भरने की अनुमति दे दी है। इन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने की संजय सिंह की प्रार्थना पर ईडी की तरफ से कोई विरोध नहीं किया गया है।

# इंडिया में रार.....अधीर ने दी टीएमसी नेता ममता को चुनौती

प्रात : किरण/एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा में नेता अधीर रंजन चौधरी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आगामी लोकसभा चुनाव में उनके खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती दी है। चौधरी मुर्शिदाबाद जिले के बहरामपुर से 5वीं बार सांसद हैं। चौधरी ने कहा कि ममता ने प्रियंका गांधी वाड्रा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ वाराणसी से चुनाव लड़ने का सुझाव दिया था। उनके सुझाव का हवाला देकर चौधरी ने कहा, आपने प्रियंका गांधी को प्रधानमंत्री के खिलाफ चुनाव लड़ने का सुझाव दिया। अब मैं आपको इस बार मेरे खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती दे रहा हूं।

उन्होंने कहा, मैं देखना चाहता हूं, कि आप कितनी शक्तिशाली हैं। यह मत भूलिए कि 2019 में हमने आपकी कृपा से सीटें नहीं जीती थीं।चौधरी ने कहा कि ममता ने बंगाल की दो लोकसभा सीटों बहरामपुर और मालदा दक्षिण से कोई भी उम्मीदवार नहीं उतारने पर सहमति जाहिर की है, जहां 2019 में कांग्रेस के उम्मीदवार निर्वाचित हुए थे। उन्होंने कहा, हमने उन दो निर्वाचन क्षेत्रों से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों को हराकर जीत हासिल की। हमारी जीत तृणमूल कांग्रेस या मुख्यमंत्री की कृपा से नहीं हुई थी। याद रखें कि कांग्रेस अन्य निर्वाचन क्षेत्रों से भी अपने दम पर चुनाव लड़ने में सक्षम है।उन्होंने असम, मेघालय और गोवा में सीटों की तृणमूल की मांग का भी मजाक उड़ाकर कहा, याद रखें कि कांग्रेस के पास पश्चिम बंगाल में खोने के लिए कुछ नहीं है।

हमारी पार्टी की राज्य इकाई सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे के साथ सीट-बंटवारे का समझौता करने की इच्छुक है।पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने कहा, हालांकि, गठबंधन या सीट बंटवारे पर समझौते का अंतिम फैसला पार्टी आलाकमान का होगा।

# बाबरी मस्जिद के मुख्य पक्षकार इकबाल अंसारी को मिला न्यौता

प्रात : किरण/ एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर का प्रबंधन देखने वाले श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने 22 जनवरी को हो रहे प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए बाबरी मस्जिद के मुख्य पक्षकार रहे इकबाल अंसारी को निमंत्रण भेजा है। इकबाल अंसारी के पिता हाशिम राम जन्मभूमि स्वामित्व विवाद में मुख्य वादी थे। उन्होंने अपने पिता की मृत्यु के बाद सुप्रीम कोर्ट में बाबरी मस्जिद की कानूनी लड़ाई जारी रखी। हालांकि, 9 नवंबर 2019 को एक ऐतिहासिक फैसले में शीर्ष अदालत ने राम जन्मभूमि स्थल का स्वामित्व हिंदू पक्ष को सौंपने का फैसला सुनाया। अंसारी ने अदालत के फैसले का स्वागत कर सैकड़ों वर्ष पुराने इस विवाद का पटाक्षेप करने पर बधाई दी थी। उन्होंने कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण शहर के विकास में एक नए अध्याय की शुरूआत करेगा। बता दें कि राम मंदिर भूमि पूजन कार्यक्रम का शुरूआती निमंत्रण इकबाल अंसारी को भेजा गया था। तब उन्होंने कहा था, यह भगवान राम की दिव्य इच्छा हो सकती है कि मुझे पहला निमंत्रण मिला। मैं निमंत्रण को स्वीकार करता हूं। हाल के दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 दिसंबर को अयोध्या दौरे पर गए थे। उन्होंने वहां रोड शो भी किया था। तभी अंसारी को पीएम मोदी पर फूल बरसाते हुए देखा गया था। इस दौरान इकबाल अंसारी ने कहा कि अयोध्या आने वाला कोई भी व्यक्ति हमारा मेहमान है। उनका अभिनंदन करना हमारा धर्म और परंपरा है।

# आंतकी संगठन अल-कायदा के निशाने पर अमेरिकी कारोबारी

प्रात : किरण/एजेंसी

सैन फ्रांसिस्को। आतंकवादी संगठन अल-कायदा ने इजरायल-हमास युद्ध पर अमेरिकी रुख को लेकर बड़े बिजनेसमैनों, एलन मस्क, बिल गेट्स, और सत्या नडेला को निशाना बनाने और अमेरिकी इकोनॉमी को धमकी देने का आरोप लगाया है। आतंकी संगठन ने अपने समर्थकों से अमेरिका, ब्रिटेन, और फ्रांसीसी कंपनियों द्वारा संचालित की जा रही उड़ानों पर हमला करने की अपील की है।

इसमें अमेरिकन एयरलाइंस, कॉन्टिनेंटल, डेल्टा, ब्रिटिश एयरवेज, एयर फ्रांस, और एयर फ्रांस-केएलएम शामिल हैं। अल-कायदा की मीडिया शाखा अल-मालाहेम ने कहा है कि यह धमकी उसके आतंकवादी हमलेवारों को बढ़ावा देने के लिए है, क्योंकि वे अमेरिका और इजरायल के गाजा में किए जा रहे हमलों का समर्थन कर रहे हैं, जिसमें 20,000 से ज्यादा लोगों की मौके पर मौत हो चुकी है। आंतकी संगठन ने फिलिस्तीन के समर्थन में ओपन-सोर्स जिहाद की अपील की है और वैश्विक स्तर पर महत्वाकांक्षी मुजाहिदीन के लिए रसोई सामग्री का इस्तेमाल कर एडवांस्ड बम बनाने पर मार्गदर्शिका प्रदान की है।

आतंकी संगठन के निशाने पर एलन मस्क, बिल गेट्स, और पूर्व अमेरिकी फेडरल रिजर्व अध्यक्ष बेन बर्नानके हैं। बर्नानके का अमेरिकी अर्थव्यवस्था-शेयर बाजार में अच्छा प्रभाव है और वह एक यहूदी हैं, जिसे इस संगठन के लोगों ने निशाना बनाया हैं। वीडियो में, आतंकी संगठन ने माइक्रोसॉफ्ट के बिल गेट्स के कार्यकाल के दौरान का पुराना भाषण दिखाया गया है और इसके साथ ही भारतीय मूल के वर्तमान सीईओ सत्या नडेला और पूर्व सीईओ स्टीव बाल्मर को भी निशाना बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

धमकी भरे वीडियो को अल-कायदा की मीडिया शाखा अल मालाहेम मीडिया ने 31 दिसंबर को फिलिस्तीन की स्थिति को बहाल करने के तरीके के रूप में प्रकाशित किया था। उन्होंने इसमें अमेरिकी युद्ध मशीन पर इस्लामी दुनिया में तबाही मचाने का आरोप लगाया और अमेरिकी, ब्रिटिश, फ्रांसीसी, और यूरोपीय मुसलमानों से इसका बदला लेने का आह्वान किया है। इसके साथ ही, अल-कायदा ने ओपन सोर्स जिहाद अभियान के माध्यम से मुसलमानों को लुभाने और उन्हें विस्फोटक बनाने के लिए आवश्यक ट्रेनिंग देने का उद्दीपन किया है।

**यात्रा** राहुल आठ दिनों तक झारखंड में रहेंगे व इस दौरान 804 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे

# झारखंड तीसरा राज्य जहां राहुल सबसे ज्यादा यात्रा करेंगे

प्रात : किरण संवाददाता

रांची। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अगले माह से भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरूआत करने जा रहे हैं। उनकी इस यात्रा से झारखंड के लोग भी उत्साहित दिख रहे है। हो सकता है कि इस उत्साह के चलते राहुल गांधी ने अपना ज्यादा समय झारखंड को देने का निर्णय किया हो। वजह जो भी रही हो,पर इतना जरुर है कि राहुल गांधी आठ दिनों तक झारखंड में रहेंगे और इस दौरान 804 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। झारखंड के पांच प्रमंडलों के 13 जिलों में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा होगी। फरवरी की शुरूआत में न्याय यात्रा का कारवां झारखंड के संताल परगना पहुंचेगा। इस तरह देशभर के 13 राज्यों में झारखंड तीसरा ऐसा राज्य है, जहां सबसे ज्यादा किलोमीटर की यात्रा होगी और जिले कवर होंगे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने इसका शिड्यूल जारी कर दिया है।

राहुल गांधी की यह यात्रा 14 जनवरी से मणिपुर के इंफाल से शुरू होगी। 20 मार्च को मुंबई में इसका समापन होगा। झारखंड में दो चरणों में यह यात्रा होगी। पहले चरण में 11 जिलों में यात्रा निकाली जाएगी, जबकि दूसरे चरण में पलामू-गढ़वा में यात्रा पहुंचेगी फिर बिहार निकल जाएगी। पश्चिम बंगाल से झारखंड के संताल परगना में न्याय यात्रा प्रवेश करेगी। झारखंड के दुमका, जामताड़ा, गिरिडीह, धनबाद, बोकारो, रामगढ़, रांची, खूंटी, सरायकेला, जमशेदपुर, चाईबासा, पलामू और गढ़वा में न्याय यात्रा का कारवां जाएगा। न्याय यात्रा 15 राज्यों के 110 जिलों में 66 दिनों तक निकलेगी।यह यात्रा 6713 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। इसमें सामाजिक न्याय और जनता के मूल सवालों महंगाई, बेरोजगारी, किसानों और मजदूरों की दयनीय स्थिति, जातिगत जनगणना जैसे मसलों पर जन-जागरण करेगी। देशभर के 13 राज्यों में झारखंड तीसरा ऐसा राज्य है जहां सबसे ज्यादा किलोमीटर की यात्रा होगी और जिले कवर होंगे। सबसे ज्यादा उत्तरप्रदेश के 20 जिलों में भारत जोड़ो न्याय यात्रा गुजरेगी। 11 दिनों में वहां 1074 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। इसी तरह असम में आठ दिनों में 17 जिलों में न्याय यात्रा 833 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। आपको बता दें कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का कारवां झारखंड से नहीं गुजरा था।

## दहेज के लिए करा दिया गर्भपात

**रामनगर (नैनीताल), एजेंसी।** एक विवाहिता ने आठ ससुरालियों पर दहेज प्रताड़ना और गर्भपात कराने का आरोप लगाया है। पुलिस ने दहेज प्रताड़ना का मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाल अरुण कुमार सैनी ने बताया कि अफसान निवासी खताड़ी ने तहरीर देकर बताया कि उसके पति वाजिद हुसैन निवासी ठाकुरद्वारा मुरादाबाद ने उसके संग मारपीट की। सास साबिरी, ससुर रईस अहमद, जेठ वाहिद सहनाज, जेठानी सद्दाम अरवीना, ननद नसीम जहां, गुलाबशां, ननदोई नईम अली ने भी मारपीट करते हुए दहेज की मांग की। आरोप लगाया कि जबरन उसका गर्भपात भी कराया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दहेज प्रतिषेध समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

## लाल कोठी में 14 से लगेगा भव्य उत्तरायणी मेला

**खटीमा, एजेंसी।** चकरपुर स्थित लाल कोठी में मकर संक्राति पर 14 से 16 जनवरी तक उत्तरायणी मेले का आयोजन होगा। तीन दिनी मेले की तैयारियों को लेकर बुधवार को उत्तरायणी कौतिक मेला कमेटी लालकोठी की बैठक हुई। इसमें मेले की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। मेला के आयोजन स्थल में कमेटी के सदस्यों व अन्य लोगों ने साफ-सफाई की। मेला संयोजक नवीन बोरा ने बताया कि मेले में खटीमा के साथ ही चंपावत, नेपाल के लोग भी पहुंचते हैं। वहां पर मेला कमेटी के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह खोलिया, राम सिंह जेठी, पूरन चंद्र जोशी, देव सिंह धामी, देवेंद्र सिंह कन्याल, बसंत जोशी, सुधीर वर्मा, राम सिंह, वाल्टर भाई आदि थे।

## रैली से महिलाओं के सशक्तीकरण का दिया संदेश

**काशीपुर, एजेंसी।** उदयराज हिंदू इंटर कॉलेज की एनएसएस शाखा की ओर से शिविर में महिलाओं के सशक्तीकरण का संदेश दिया गया। मानपुर गांव स्थित सदाशिव सेकेंडरी स्कूल में बुधवार को तीसरे दिन स्वयंसेवकों ने गांव में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली। इससे पूर्व प्रधानाचार्य अनामिका ने रैली का शुभारंभ किया। उधर, बौद्धिक सत्र में डॉ. मुन्नी जोशी ने कहा कि बालिकाओं के संरक्षण और उन्हें सशक्त बनाने के लिए लोगों को जागरूक होना होगा। वहां प्रधानाचार्य ब्रजेश कुमार गुप्ता, कमांडेंट राजेश जोशी, कार्यक्रम अधिकारी दीपक शर्मा, कौशलेश गुप्ता, शुभम लोहनी आदि रहे।

## महाअभियान कार्यक्रम में सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

**बाजपुर, एजेंसी।** गांव खंबारी में बुधवार को आयोजित प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान का शुभारंभ पूर्व दर्जा राज्य मंत्री राजेश कुमार ने किया। कहा कि प्रशासनिक अधिकारी गांव-गांव जाकर समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। कहा कि प्रधानमंत्री का सपना है कि जनजाति समाज के हर परिवार को पक्की छत दी जाए। इस दौरान जनजाति समाज के लोगों ने पेंशन, राशन कार्ड, पानी निकासी सहित अन्य समस्याओं को प्रमुखता से रखा। वहां बीडीओ बसंत बल्लभ जोशी, एडीओ समाज कल्याण ललित जोशी, भाजपा अनुसूचित जनजाति जिला महामंत्री नरेश सिंह, महेंद्र सिंह, सूरज सिंह, पंकज सिंह, विनोद सिंह, फूल सिंह आदि मौजूद रहे।

## नैनीताल लोकसभा सीट से कांग्रेस नेता ने ठोंकी दावेदारी, अन्य दावेदारों में हलचल तेज

**नैनीताल , एजेंसी।** कांग्रेस नेता और पूर्व दर्जा मंत्री डॉ. गणेश उपाध्याय ने नैनीताल-ऊधमसिंह नगर लोकसभा सीट से दावेदारी पेश की है। कहा कि पार्टी ने टिकट दिया तो वह लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। लोकसभा चुनाव नजदीक आते ही नेताओं ने दावेदारी शुरू कर दी है। कांग्रेस नेता और पूर्व दर्जा मंत्री डॉ. गणेश उपाध्याय ने नैनीताल-ऊधमसिंह नगर लोकसभा सीट से दावेदारी पेश की है। कहा कि पार्टी ने टिकट दिया तो वह लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य की ओर से की गई दावेदारी के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि वह बड़े दाज्यू हैं। उनके साथ मैंने काम किया है। उन्हें टिकट दिया या पार्टी ने किसी दूसरे को टिकट दिया तो कांग्रेसी सिपाही की तरह उन्हें चुनाव लड़ाऊंगा। बुधवार को कांग्रेसी नेता डॉ. गणेश उपाध्याय ने पीलीकोठी स्थित एक बरातघर में प्रेस कांफ्रेंस की। इस दौरान कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। डॉ. उपाध्याय ने कहा कि वह 40 साल से कांग्रेस के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने किसान, व्यापारियों, आम जनमानस की समस्याओं को सड़क से लेकर हाईकोर्ट तक उठाया है।

## वीजा के लिए दिए रुपये वापस मांगने पर दो युवकों को पीटा

**काशीपुर, एजेंसी।** ग्राम कुंडेश्वरी निवासी देवांश त्यागी ने आईटीआई थाना पुलिस को तहरीर दी। कहा कि वह एक शिक्षण संस्थान में पढ़ता था। कोचिंग पूरी होने के बाद उसने अपने वीजा के लिए 2022 में केंद्र प्रबंधक को 2,15,500 रुपये दिए थे। वीजा नहीं बनने पर उसने पैसे मांगे तो आरोपी ने उसे दो लाख रुपये वापस कर दिए। बुधवार को शेष रुपये मांगने वह अपने मित्र के साथ सेंटर पहुंचा। आरोप है कि इस दौरान प्रबंधक समेत तीन लोगों ने उन्हें पीटा और दोस्त का मोबाइल छीन लिया। दोनों ने किसी तरह भागकर जान बचाई। उन्होंने पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। काशीपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति योजना जूनियर स्तर 2023-24 के लिए काशीपुर के विभिन्न स्कूलों के 26 छात्र-छात्राओं का चयन हो गया है। सबसे अधिक पं. जीबी पंत इंटर कॉलेज के सात छात्र चयनित हुए हैं। विद्यार्थियों को प्रति माह 600 रुपये छात्रवृत्ति के लिए मुहैया होंगे। 30 अक्तूबर 2023 को मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति योजना जूनियर स्तर के लिए पहली बार परीक्षा का आयोजन किया गया। जीजीआईसी काशीपुर में 211 और किसान इंटर कॉलेज में 44 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी थी। परीक्षा में कक्षा छह के छात्रों ने प्रतिभाग किया था। मंगलवार को इसका परिणाम घोषित किया गया।

# मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने की परिवहन विभाग की समीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

बस स्टेशनों को स्वच्छ और आधुनिक सुख-सुविधाओं से युक्त बनाया जाए। दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में क्रैश बैरियर और सड़कों के किनारे वृक्षारोपण किये जाएं। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए वाहनों की फिटनेस टेस्टिंग का विशेष ध्यान रखा जाए। वाहन चालकों के प्रशिक्षण और मेडिकल की भी सुमुचित व्यवस्था की जाए। यातायात नियमों के प्रति लोगों को निरन्तर जागरूक किया जाए। रोडवेज की बसों के माध्यम से सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं का प्रचार भी किया जाए। जन सुरक्षा की दृष्टि से पर्वतीय क्षेत्रों में पुराने वाहनों की जगह पर नये वाहनों की व्यवस्था की जाए। यह निर्देश मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सचिवालय में परिवहन विभाग की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या में हर साल तेजी से वृद्धि हो रही। राज्य में जो भी नये बस स्टेशन बनाये जा रहे हैं, उनमें यात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ बनाया जाए। सभी बस स्टेशनों पर स्वच्छता, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या के लिए देहरादून, हल्द्वानी और हरिद्वार से बस सेवा को संचालित किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि वाहनों पर नम्बर प्लेट स्पष्ट दिखे, नम्बर प्लेट से छेड़खानी करने वालों पर सख्त कारवाई भी की जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि उत्तराखण्ड परिवहन निगम की स्थिति में पिछले दो वित्तीय वर्ष में लगातार सुधार आया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में निगम को 29.06 करोड़ रुपए का फायदा हुआ, जबकि इस वित्तीय वर्ष में अभी तक 27 करोड़ रुपए का फायदा हुआ है। परिवहन विभाग के राजस्व प्राप्ति में भी पिछले दो वित्तीय वर्ष में लगातार वृद्धि हुई है। 2021-22 में 20.86 प्रतिशत और 2022-23 में 34.52 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस वित्तीय वर्ष में भी अभी तक गत वर्ष की तुलना में 11.20 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है। परिवहन विभाग में ऑनलाईन सुविधाएं बढ़ने से प्रर्वतन संबंधी कार्यवाही में भी तेजी आई है। उत्तरकाशी और पिथौरागढ़ में व्हीकल टेस्टिंग सेंटर के निर्माण के लिए धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है। अल्मोड़ा में आईएसबीटी का निर्माण कार्य पूर्ण होने वाला है। परिवहन विभाग द्वारा 58 सेवाएं ऑनलाईन दी जा रही हैं। लाइसेंस सबंधी सभी सेवाएं ऑनलाईन की गई है। पंजीयन से संबंधित 20 सेवाएं और परमिट से संबंधित 08 सेवाएं ऑनलाईन दी जा रही हैं। प्रवर्तन कार्यों को सुदृढ़ करने के लिए राज्य में 10 चिन्हित स्थानों पर ए.एन.पी.आर कैमरे लगाये गये हैं, जबकि 17 स्थानों पर और लगाये जा रहे हैं। 09 इन्टरसेप्टर वाहनों और 30 बाईक स्क्वैड की तैनाती की गई है। सड़क सुरक्षा की दृष्टि से 66811 वाहनों में व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस लगाये गये हैं। 2023 में 35515 वाहनों पर वी.एल.टी.डी स्थापित किये गये हैं। परिवहन विभाग द्वारा देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार एवं कोटद्वार में ऑटोमेटिड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक बनाया गया है। जबकि काशीपुर, अल्मोड़ा , उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, रूड़की हल्द्वानी और रामनगर में ऑटोमेटिड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक की कार्यवाही गतिमान है। इन्वेस्टर समिट में परिवहन विभाग के साथ 3513 करोड़ के 22 एम.ओ.यू हुए हैं। जिन्हें उच्च मध्यम और निम्न प्राथमिकता के साथ चिन्हित कर धरातल पर उतारने की कार्यवाही की जा रही है। इस अवसर पर उपाध्यक्ष अवस्थापना अनुश्रवण समिति विश्वास डाबर, अपर मुख्य सचिव राधा रतूडी, सचिव आर.मीनाक्षी सुन्दरम, सचिव परिवहन अरविन्द सिंह ह्यांकी, एमडी उत्तराखंड परिवहन निगम डॉ. आनंद श्रीवास्तव, परिवहन विभाग और परिवहन निगम के अधिकारी उपस्थित थे।

## तीनपानी बाईपास से इंडियन ऑयल डिपो तक बनेगी सड़क, ये होगा फायदा

**नैनीताल , एजेंसी।** हल्द्वानी के तीनपानी बाइपास से इंडियन ऑयल डिपो लालकुआं तक 14 किलोमीटर डेढ़ लाइन सड़क 27 करोड़ की लागत से बनाई जाएगी। लोक निर्माण विभाग को वन भूमि की सैद्धांतिक सहमति मिल गई है।

हल्द्वानी शहर के तीनपानी बाइपास से इंडियन ऑयल डिपो लालकुआं तक 14 किलोमीटर डेढ़ लाइन सड़क 27 करोड़ की लागत से बनाई जाएगी। लोक निर्माण विभाग को वन भूमि की सैद्धांतिक सहमति मिल गई है। लोनिवि ने इस सड़क की डीपीआर शासन को भेज दी है।

इसी के साथ परिवहन मंत्रालय को स्पेशल असिस्टेंट स्कीम के तहत प्रस्ताव भेजा गया है। इसमें 5.5 मीटर डामर की सड़क और दोनों ओर 1.10 मीटर की पटरी बनाई जाएगी। इसके लिए मार्च से पहले बजट मिलने का अनुमान है। उधर लोनिवि ने क्षतिपूरक वन और एनपीबी के जारी 2.68 करोड़ रुपये भी वन विभाग को दे दिए हैं। अब वन विभाग भूमि का चिह्नीकरण कर लोनिवि को हस्तांतरित करेगा। इसके बाद पेड़ों की गिनती शुरू होगी।

लोनिवि के अधिशासी अभियंता अशोक कुमार ने बताया कि वन विभाग से नौ मीटर चौड़ाई के हिसाब से जमीन मिली है। इसमें डेढ़ लेन सड़क बनाई जाएगी। सड़क के दोनों ओर 1.10 मीटर की पटरी बनाई जाएगी। इसके लिए 27 करोड़ की डीपीआर शासन को भेजी गई है।

## मुश्किल होगा लाइसेंस बनवाना, ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक की डीपीआर मंजूर

**हल्द्वानी, एजेंसी।** वाहन चालकों को लाइसेंस लेने के लिए अब कड़ी परीक्षा से गुजरना होगा। विशेषकर पहाड़ पर चलने के लिए टेस्ट में खरा उतरने के बाद ही लाइसेंस मिल पाएगा। परिवहन विभाग के ऑटोमेटिक ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक सेंटर की डीपीआर को शासन ने मंजूरी दे दी है। परिवहन विभाग में चारपहिया या दो पहिया वाहन का लाइसेंस बनाने के लिए हर दिन सैकड़ों लोग पहुंचते हैं। लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया में ड्राइविंग टेस्ट भी लिया जाता है। मगर फिलहाल संभागीय परिवहन विभाग के पास टेस्टिंग ट्रैक ही नहीं है। आरटीओ कार्यालय के सामने ही पार्किंग स्थल पर वाहनों को आगे-पीछे करवाकर और पार्किंग करवाकर टेस्ट लिया जा रहा है। इस कारण ड्राइवर की स्किल का पूरी तरह से पता नहीं चल पाता है। इसके लिए परिवहन विभाग ने गौलापार में ऑटोमैटिक ड्राइविंग टेस्टिग ट्रैक सेंटर बनाए जाने का प्रस्ताव भेजा था जिसे मंजूरी मिलने के बाद निर्माणदायी संस्था उत्तराखंड पेयजल निर्माण निगम ने 9.93 करोड़ रुपये की डीपीआर बनाकर शासन को भेजी थी।

## सैनिकों के दम पर देश ले रहा खुली हवा में सांस : सहदेव सिंह पुंडीर

**देहरादून, एजेंसी।** पूर्व सैनिक पर्वतीय जन कल्याण समिति पछवादून का पांचवा स्थापना दिवस बुधवार को धूमधाम से मनाया गया। शुभारंभ विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने किया। छोटे बच्चों ने सांस्कृतिक, गढ़वाली, गोर्खाली, कुमाऊंनी और देशभक्ति प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधायक पुंडीर ने पूर्व सैनिक संगठन से जुड़े पदाधिकारी और सदस्यों को पांचवें स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने पूर्व सैनिकों की समस्यों के निस्तारण का भी भरोसा दिया। कहा कि सैनिकों के दम पर ही आज पूरा देश खुली हवा में सांस ले रहा है। समिति के अध्यक्ष निरंजन चौहान ने विधायक से सीएसटी कैंटीन के एक्सटेंशन काउंटर के लिए भूमि उपलब्ध कराने की मांग की। विधायक भूमि दिलवाने का भरोसा दिलाया। इसके बाद देशभक्ति गीतों पर बच्चों ने प्रस्तुति दी। इसे देखकर पूर्व सैनिक स्वयं को रोक नहीं पाए और झूमने लगे। इस दौरान कर्नल मोहन सिंह, सूर्य बहादुर राणा, विजयपाल सिंह रावत, आदि उपस्थित रहे।

## निकाय चुनाव प्रक्रिया शुरू नहीं होने के मामले में शहरी विकास सचिव तलब, 9 जनवरी को हाईकोर्ट में पेश होने के निर्देश

**नैनीताल, एजेंसी।**
उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने प्रदेश में निकाय चुनावों की अधिसूचना जारी नहीं करने के मामले में बुधवार को सुनवाई करते हुए शहरी विकास विभाग के सचिव को आगामी नौ जनवरी को अदालत में पेश होने के निर्देश दिए हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति विवेक भारती शर्मा ने जसपुर निवासी अनीश की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद ये निर्देश दिए। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि प्रदेश में निकायों का कार्यकाल गत दो दिसंबर को खत्म हो गया है। सरकार ने निकाय चुनाव के लिए अभी तक अधिसूचना जारी नहीं की है। निकायों को प्रशासकों के हवाल कर दिया गया है। नियमावली के अनुसार निकायों के कार्यकाल खत्म होने के दो महीने पहले चुनाव प्रक्रिया शुरू कर देनी चाहिए थी लेकिन प्रदेश सरकार निकाय चुनावों को लेकर गंभीर नहीं है। अभी तक अधिसूचना जारी नहीं की गई है। दूसरी ओर सरकार की ओर से कहा गया कि शहरी विकास विभाग की ओर से जवाबी हलफनामा दायर कर कहा गया कि चुनाव की तैयारियां की जा रही है। सरकार के जवाब से अदालत संतुष्ट नजर नहीं आई। अंत में अदालत ने शहरी विकास सचिव को अदालत में पेश होने के निर्देश दे दिए। अदालत ने सुनवाई के दौरान यह भी टिप्पणी करते हुए कहा कि निकायों को अपरिहार्य स्थिति में प्रशासकों के हवाले किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर दायर याचिका कहा गया कि सरकार निकाय चुनावों को लेकर गंभीर नहीं और उसकी मंशा चुनाव प्रक्रिया को विलंबित करना है।

# आखिर सख्ती के बाद चंदन का हुआ ऑपरेशन

**हल्द्वानी, एजेंसी।**
एसटीएच में चार दिन से ऑपरेशन का इंतजार कर रहे बागेश्वर के चंदन सिंह का आखिरकार बुधवार शाम ऑपरेशन हो गया। अब उनकी हालत सही है।

डोबा गांव निवासी चंदन सिंह दिसंबर के अंतिम सप्ताह में गांव में गिरकर घायल हो गए थे। सोमेश्वर सीएचसी में इलाज के बाद सिर दर्द की शिकायत पर चंदन को अल्मोड़ा बेस अस्पताल ले जाया गया था, जहां सीटी स्कैन में उनके सिर की हड्डी टूटने की जानकारी मिली।

वहां से 28 दिसंबर को एसटीएच रेफर होने के बाद चिकित्सक ने 31 दिसंबर को चंदन का ऑपरेशन करने का दिन तय किया था। मगर एनेस्थीसिया नहीं मिलने के कारण उस दिन ऑपरेशन नहीं हो सका और मरीज को वापस वार्ड में लौटा दिया गया। यह मामला मीडिया में प्रकाशित होने के बाद अस्पताल प्रबंधन हरकत में आया, लेकिन मंगलवार को भी ऑपरेशन नहीं किया गया। मामला देहरादून में स्वास्थ्य मुख्यालय और सचिव के संज्ञान में तक जा पहुंचा।

बुधवार सुबह सुशीला तिवारी राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डा. आर नौटियाल ने दोनों चिकित्सकों के साथ वार्ता की। साथ ही पत्र लिखकर मामले में जवाब मांगा और

आपस में समन्वय स्थापित कर मरीज का तत्काल ऑपरेशन करने के निर्देश दिए। इसके बाद बुधवार शाम को चंदन का ऑपरेशन किया गया। शाम करीब साढ़े 8 बजे चंदन का सफलतापूर्वक ऑपरेशन पूरा हो गया।

न्यूरोसर्जन डा. अभिषेक राज ने बताया कि ऑपरेशन दो घंटे में पूरा हुआ और सफल रहा और हालत सही है। फिलहाल उनको ट्रामा आईसीयू में भर्ती किया गया है। कहा कि अगर न्यूरो से संबंधित मरीज का समय पर ऑपरेशन कर इलाज दिया जाए तो हालत में जल्द सुधार होता है।

वहीं डा. नौटियाल ने कहा कि दोनों चिकित्सकों को सुबह ही पत्र भेजकर ऑपरेशन किए जाने के निर्देश दिए गए थे।

# उत्तराखण्ड को विश्व का सर्वश्रेष्ठ योग गंतव्य बनाने के लिए सीएम धामी ने नई योग नीति शीघ्र लाने के दिये निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सचिवालय में आयुष एवं आयुष शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि उत्तराखण्ड को आयुष और वेलनेस के क्षेत्र में प्रमुख डेस्टिनेशन बनाने के प्रभावी कार्ययोजना के साथ कार्य किये जाएं। उत्तराखण्ड को विश्व का सर्वश्रेष्ठ योग गंतव्य बनाने के लिए नई योग नीति शीघ्र लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पंचकर्मा को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किये जाएं। राज्य में जड़ी बूटियों के उत्पादन को और बढ़ावा दिया जाए। इसके लिए आयुष विभाग उद्यान और वन निगम से समन्वय कर संग्रह और विपणन की उचित व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने आम नागरिकों तक आयुष चिकित्सा की उपलब्धता पर ध्यान दिये जाने की जरूरत बताते हुये कहा कि आयुष के क्षेत्र में निजी भागीदारी के साथ गुणवत्ता युक्त आयुष चिकित्सालयों की स्थापना पर भी ध्यान दिया जाय। आयुष के क्षेत्र को बढावा देने के लिये जडी.बूटी कृषकों के उत्पादों के विपणन के लिये उचित प्लेटफार्म की व्यवस्था बनाने के भी मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये। स्कूली छात्रों को आयुष संबंधी जानकारी दिये जाने के लिये आयुर्विधा कार्यक्रमों के संचालन में तेजी लाये जाने के प्रयासों की जरूरत बताते हुये उन्होंने सभी स्कूलों में इसकी व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने तथा आयुष नीति के प्रभावी क्रियान्वयन में भी शीघ्रता के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने आयुष के क्षेत्र में बेहतर कार्य संचालन के लिये वेलनेस केन्द्रों की स्थापना, आयुष सेवाओं के प्रमाणीकरण तथा आयुष चिकित्सकों एवं फार्मशिस्टों को प्रसिद्ध आयुष विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षण की व्यवस्था पर ध्यान देने को कहा। इससे आयुष चिकित्सा को जनता से जोडने में मदद मिलेगी। बैठक में जानकारी दी गई कि राज्य में आयुष नीति लागू की गई है। इसमें वेलनेस, स्वास्थ्य, आयुष उत्पादन, आयुष शिक्षा और शोध एवं औषधीय पादपों की खेती से संबंधित प्राविधान किये गये हैं। नीति में उच्च गुणवत्ता युक्त आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों के उत्पादन को प्रोत्साहन किये जाने, गुड एग्रीकल्चर प्रैक्टिसेज (जीएपी) के अंतरराष्ट्रीय मानक का पालन किये जाने की अनिवार्यता, ड्रोन आधारित नवीनतम तकनीक का प्रयोग, पीपीपी मोड पर कोल्ड स्टोरेज की स्थापना, औषधीय पादपों के विक्रेताओं (कृषकों, स्थानीय आपूर्तिकताओं) तथा क्रेताओं (औषध-निमार्ताओं) को एक मंच पर लाए जाने हेतु ऑनलाइन प्लेटफार्म की स्थापना, औषधीय पादपों के लिए ह्यएश्योर्ड बाय-बैकह्व योजना, राज्य में अग्रणी निमार्ताओं एवं प्रतिष्ठित विपणन एजेंसी के सहयोग से उत्तराखंड में उगाए जाने वाले प्रमुख औषधीय पादपों की ब्रांडिंग के लिए स्पष्ट दिशा निर्देश शामिल किये गये हैं। आयुष नीति में नवीनतम एमएसएमई नीति तथा मेगा औद्योगिक व निवेश नीति आयुष विनिर्माण इकाइयों पर भी लागू की गई है। सभी आयुष विनिर्माण इकाइयों के लिए 10 प्रतिशत तक अतिरिक्त पूंजीगत सहायता, आयुष उत्पादों की गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए राज्य के 2-3 महत्वपूर्ण स्थानों पर सामान्य परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना को प्रोत्साहन, आयुष उत्पादों हेतु आयुष प्रीमियम मार्क/आयुष स्टैंडर्ड मार्क प्राप्त किया जाना अनिवार्य किया गया है। इस नीति में आगामी 5 वर्षों में एनएबीएच से प्रत्यायन प्राप्त करने वाले प्रत्येक आयुष चिकित्सालय/आयुष हेल्थकेयर क्लिनिक को एनएबीएच से प्रत्यायन प्राप्त करने हेतु निर्धारित शुल्क की प्रतिपूर्ति, आयुष टेलीकंसल्टेशन ऐप प्रारंभ किए जाने की योजना शामिल की गई है। आयुष के क्षेत्र में राज्य पर्यटन नीति, 2023 के माध्यम से वेलनेस रिसोर्ट, आयुर्वेद / योग/ नेचुरोपैथी रिसोर्ट को 50 प्रतिशत तक की पूंजीगत सहायता तथा श्रेणी बी और श्रेणी सी क्षेत्रों में स्थापित होने वाले वेलनेस केंद्र, आयुर्वेद / योग/ नेचुरोपैथी रिसोर्ट को 5 प्रतिशत की अतिरिक्त पूंजीगत सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। आयुष शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आयुष कॉलेजों को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) से निर्धारित मानकों को पूर्ण करने वाले आयुष कॉलेजों को 15 लाख तक की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि प्रदान किये जाने का प्राविधान किया गया है। बैठक में उपाध्यक्ष अवस्थापना अनुश्रवण समिति विश्वास डाबर, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव श्री आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव आयुष डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय एवं आयुष विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

## चौड़ीकरण के लिए पुलिस चौकी, कंट्रोल रूम, बिजली पोल हटेंगे

**नैनीताल, एजेंसी।** नगर में सड़क चौड़ीकरण और चौराहों के सौंदर्यीकरण को लेकर प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। बुधवार को प्राधिकरण और अन्य विभागों के अधिकारियों ने इस संबंध में स्थलीय निरीक्षण किया। कहा कि चौड़ीकरण के लिए तल्लीताल डांठ स्थित पुलिस चौकी, सिंचाई विभाग का कंट्रोल रूम, बिजली पोल, अवैध दुकानों और तारों को भी हटाया जाएगा।

नैनीताल में जाम की समस्या के निस्तारण के लिए डीएम वंदना सिंह के निर्देश पर लोनिवि ने तल्लीताल डांठ, फांसी गधेरा, मल्लीताल रिक्शा स्टैंड, एसबीआई, मस्जिद तिराहा, चीना बाबा चौराहा और मनु महारानी चौराहे के चौड़ीकरण का प्रस्ताव तैयार किया था। शासन से सौंदर्यीकरण कार्य के लिए 5.49 करोड़ की मंजूरी मिल गई है। इसी क्रम में बुधवार को प्राधिकरण सचिव पंकज उपाध्याय ईओ राहुल आनंद, लोनिवि अधिशासी अभियंता रत्नेश कुमार सक्सेना ने सभी चौराहों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने शुरू किए निर्माण कार्यों का जायजा लेने के साथ ही प्रस्तावित अन्य कार्यों को शुरू करने बाबत संभावनाएं तलाशी। निरीक्षण के बाद डीएम वंदना सिंह ने अधिकारियों की बैठक ली।

10 साल से हाईड्रम योजनाएं ठप, सिंचाई न होने से सूख रहीं फसलें

देहरादून, एजेंसी। कालसी ब्लॉक के चापनु और सेंज गाड में बीते 10 साल से तीन हाईड्रम सिंचाई योजना ठप पड़ी है। सिंचाई गूलें और मशीन क्षतिग्रस्त होने से किसानों के खेत तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। वहीं, जडवाला खेड़े में भी पिछले साल से हाईड्रम सिंचाई योजना बंद है। यहां करीब 50 बीघा में मुख्य तौर पर नकदी फसलों की खेती होती है। बारिश न होने और सिंचाई के लिए पानी न मिलने से फसल सूख रही है। किसान लगातार सिंचाई गूलों की मरम्मत की मांग कर रहे हैं, लेकिन विभाग गहरी नींद में सोया है।

जड़वाला खेड़े में पानुवा, मलेथा, अलसी और चामडी आदि गांवों के लिए 30 से अधिक किसान 50 बीघा भूमि पर खेती करते हैं। यहां नकदी फसल जैसे आलू, प्याज, टमाटर, मूली, मटर, गोभी, हरा धनिया, धान, अदरक के साथ गेहूं और मोटा अनाज उगाया जाता है। वर्ष 1980 में सिंचाई के लिए एक हाईड्रम योजना तैयार की गई थी। इसके बाद फसलों को समय से पानी मिलने लगा। पैदावार बढ़ी और किसान समृद्ध होने लगे। बीते साल अमलावा नदी में आई बाढ़ के चलते सिंचाई गूल और मशीन क्षतिग्रस्त हो गई। तभी से खेतों में सिंचाई का संकट बना हुआ है।

ग्राम प्रधान राजेश राठौर, पूर्व प्रधान अर्जुन सिंह, प्रेम सिंह, भोपाल सिंह, गोपाल सिंह, मुन्ना सिंह ने बताया कि जब से हाईड्रम योजना क्षतिग्रस्त हुई है, लघु सिंचाई विभाग का कोई भी अधिकारी मुआयने के

## कोरोना के बीच स्वाइन फ्लू की दस्तक, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, जारी किए ये अहम निर्देश

**नैनीताल , एजेंसी।**
देश के कई राज्यों में कोरोना संक्रमित मरीज मिलने के बाद उत्तराखंड में भी स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलों को सतर्क रहने के निर्देश दिए है। साथ ही अस्पतालों में संदिग्ध मरीजों की इन्फ्लुएंजा जांच कराए जाने के लिए कहा गया है। देहरादून में कोरोना, इन्फ्लुएंजा और स्वाइन फ्लू से संक्रमित मरीज मिलने के बाद जिले में भी स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है। अस्पतालों में संदिग्ध मरीजों की इन्फ्लुएंजा जांच कराए जाने के लिए कहा गया है।

कई राज्यों में कोरोना संक्रमित मरीज मिलने के बाद प्रदेश में भी स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलों को सतर्क रहने के निर्देश दिए थे। साथ ही संदिग्ध मरीजों की इन्फ्लुएंजा जांच कराने के लिए भी कहा गया। नैनीताल जिले में भी सभी प्रमुख अस्पतालों को इस संबंध में निर्देश जारी किए गए थे। सीएमओ डा. भागीरथी जोशी ने बताया कि कोराना, स्वाइन फ्लू को लेकर विभाग पूरी तरह से सतर्क है। संदिग्ध मरीजों की इन्फ्लुएंजा जांच करवाने के लिए कहा गया है। एसटीएच में इन्फ्लुएंजा जांच भी हो रही है।

बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एसएस बिष्ट 15 जनवरी तक हल्द्वानी बेस अस्पताल में मरीजों को नहीं देख पाएंगे। उनकी ड्यूटी कोटाबाग स्वास्थ्य केंद्र में लगाए जाने के कारण 15 जनवरी तक डा. बिष्ट वहीं मरीजों को देखेंगे।

# सल्ट के रतनकोट में फिर नजर आया तेंदुआ और शावक

**मौलेखाल, एजेंसी।**
सल्ट विकासखंड के गांवों में तेंदुए और बाघ की दहशत कम नहीं हो रही है। बीते मंगलवार को रतनकोट में दिनदहाड़े एक साथ तीन तेंदुओं ने दस्तक दी। दूसरे दिन भी गांव में तेंदुआ और उसके शावक नजर आने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल रहा। लगातार दूसरे दिन भी गांव के बीचोबीच तेंदुए नजर आने से ग्रामीण घरों से बाहर निकलने से भी डरने लगे हैं। सल्ट के रतनकोट में बीते मंगलवार को दोपहर 12 बजे के करीब एक साथ तीन तेंदुए गांव के नजदीक पहुंच गए। इनकी तस्वीर ग्रामीणों ने अपने मोबाइल में कैद की। दूसरे दिन बुधवार को भी ठीक उसी जगह तेंदुआ और उसके शावक चहलकदमी करते नजर आए। तेंदुए और शावकों के गांव में डेरा जमाने से ग्रामीणों में दहशत है। ग्राम प्रधान

केशव राम, सरपंच हेमा देवी ने कहा कि लगातार दूसरे दिन भी तेंदुआ और शावक नजर आने से ग्रामीण अकेले घर से बाहर निकलने से भी डरने लगे हैं और वे भीतर दुबकने के लिए मजबूर हैं। कहा कि शावकों के साथ होने से तेंदुआ हिंसक रुख भी अपना सकता है। ऐसे में खतरा बढ़ गया है। उन्होंने वन विभाग से तेंदुए के आतंक से मुक्ति दिलाने के लिए उचित कदम उठाने

# दवाओं की टेस्ट रिपोर्ट में भी कहीं नहीं लिखा कि यह दवाइयां नकली हैं : सौरभ भारद्वाज

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

दिल्ली सचिवालय में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, कि बीते दिनों मीडिया के माध्यम से यह खबर हमें पता चली कि उपराज्यपाल महोदय के कार्यालय से एक रिपोर्ट जारी की गई थी, जिसमें लिखा था कि दिल्ली सरकार के अस्पतालों में दी जा रही दवाइयों में से कुछ दवाइयां अपने तय मानको के अनुसार ठीक नहीं पाई गई कमंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, हालांकि इस खबर की जानकारी मुझे विभाग द्वारा आधिकारिक तौर पर नहीं दी गई, मुझे भी यह खबर मीडिया के माध्यम से पता चली कमंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि उपराज्यपाल महोदय के कार्यालय से जारी गई की गई इस सूचना के अनुसार दिल्ली सरकार के तीन अलग-अलग अस्पतालों जिनमे इहबास अस्पताल, दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल एवं लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल शामिल हैं, इन अस्पतालों से लगभग 43 अलग-अलग दवाइयां के नमूने जांच के लिए लिए गए थे और इन 43 दवाइयों में से पांच दवाइयां के नमूने तय मानक के अनुसार नहीं पाए गए मंत्री सौरव भारद्वाज ने पत्रकारों के सामने उप राज्यपाल कार्यालय से जारी की गई रिपोर्ट की प्रति दिखाते हुए कहा, कि आप सभी लोग इस रिपोर्ट को पढ़ सकते हैं और इसमें साफ तौर पर लिखा है कि जो 43 अलग-अलग दवाइयां के नमूने जांच के लिए भेजे गए थे, उनमें से पांच दवाइयां के नमूने अपने तय मानकों के अनुसार नहीं पाए गए हैं कमंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इस पूरी जांच रिपोर्ट में कहीं भी ऐसा नहीं लिखा है कि यह दवाइयां नकली हैं या जहरीली हैं, स्प्यूरियस दवा है क मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि बहुत सारे न्यूज चैनलों और अखबारों में यह खबर दिखाई गई, कि यह दवाइयां नकली है, जबकि आधिकारिक तौर पर ऐसा नहीं दिखाया जा सकता क क्योंकि यह दवाइयां नकली नहीं है क उन्होंने कहा कि इसमें न्यूज चैनल और अखबारों की भी कोई गलती नहीं है क्योंकि अनाधिकारिक तौर पर भारतीय जनता पार्टी और एक संविधानिक कार्यालय के जो अधिकारी खबर प्लांट करते हैं, उनके द्वारा लगातार इस बात को कहा गया कि जांच में दवाइयां नकली पाई गई है जबकि ऐसा बिल्कुल भी नहीं था

मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, कि उपराज्यपाल महोदय के कार्यालय से सीबीआई को दी गई विजिलेंस की वह रिपोर्ट को जब मैंने पढ़ा और इस संबंध में मैंने अपने कुछ जानकार फार्मासिस्ट और डॉक्टर से बात की तो बेहद ही हैरान करने वाले तथ्य सामने निकलकर आए क उन्होंने कहा जैसा कि आप खुद देख सकते हैं कि इस रिपोर्ट में लिखा हुआ है ठडळ डऋऋळअठऊअफ्ळ दवअछक्ळ अर्थात यह रिपोर्ट भी इस बात को सत्यापित करती है, कि यह दावा नकली नहीं है कउन्होंने कहा कि किसी भी दवा को नकली तब कहा जा सकता है, जबकि जिस कंपनी द्वारा दवाई खरीदी जा रही है उस कंपनी द्वारा दवाई ने बनाकर किसी फर्जी कंपनी द्वारा दवाई बनाई जा रही हो या फिर जिस बीमारी के लिए वह दवाई ली गई थी या तो वह बीमारी ठीक ना हो या फिर और अधिक बढ़ जाए कपरंतु इन दवाओं के संबंध में ऐसा कोई मामला नहीं है क

उप राज्यपाल महोदय के कार्यालय से विजिलेंस विभाग को भेजी गई रिपोर्ट पत्रकारों के समक्ष पढ़ते हुए मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इस रिपोर्ट के मुताबिक जिन दवाइयां के मानक गलत बताए गए हैं उन दवाइयां के नाम इस प्रकार से हैं....

मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इस रिपोर्ट के मुताबिक ही सभी दवाइयां के जो पाए गए मानक बताए गए हैं वह सभी तय मानकों के लगभग आसपास ही हैं कमंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इस प्रकार की जांच कोई पहली बार नहीं हुई है कपुराने समय में भी हमेशा से इस प्रकार की जांच दिल्ली सरकार के अस्पतालों में दी जाने वाली दवाइयां के संबंध में होती रही है और हर जांच में कुछ ना कुछ दवाइयां तय मानकों के अनुसार थोड़ा बहुत ऊपर या नीचे पाई जाती है कपरंतु इसका यह बिल्कुल भी अर्थ नहीं बनता कि वह दवाइयां नकली हैं या जहर है

मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सभी दवाइयां में उपचार के लिए जो मुख्य चीज होती है, उसे चिकित्सा विज्ञान की भाषा में सॉल्ट कहा जाता है कहर एक दवाई में अपना एक सॉल्ट होता है कपैंटोप्राजोल दवाई में डाले जाने वाले साल्ट का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा की इस दवा में 40 मिलीग्राम सॉल्ट होना चाहिए, परंतु उपराज्यपाल महोदय की जांच में इस दवाई के भीतर 42.34 मिलीग्राम सॉल्ट पाया गया क मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पहली बात तो यह सिद्ध होती है कि जो सॉल्ट इस पैंटोप्राजोल में होनी चाहिए थी, वह इसमें मौजूद है और दूसरी बात यह है कि चिकित्सा विज्ञान में ही इस बात को भी कहा गया है, कि एक दवाई के जो तय मानक हैं वह अपने तय मानक से 10% ऊपर या 10% नीचे हो सकते हैं, इस अवस्था में मरीज को किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं होगा कमंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा की तय मानक से थोड़ा बहुत ऊपर नीचे डिसॉल्यूशन (घुलना) जो समस्या चिकित्सा विज्ञान के अनुसार बताई गई है वह केवल और केवल इतनी है की जो दवाई यदि उसका डिसोल्यूशन 25% खराब आता है तो वह जहां पेट में घूमने के लिए 30 सेकंड लेती है, वह 30 सेकंड की जगह 38 सेकंड में पेट में खुलेगी, अर्थात मात्र 8 सेकंड देरी से पेट में खुलेगी क परंतु मरीज को किसी प्रकार का कोई खतरा कोई परेशानी इस दवाई से नहीं होगी। जिन दवाइयों से सैंपल तय मानक के नहीं पाये गये , उनके से ज्यादातर डिसॉल्यूशन टेस्ट की वजह से फेल हुए हैं। किसी भी सैंपल में नकली साल्ट या खराब साल्ट नहीं पाया गया है ।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा समाज में फैलाए जा रहे इस झूठ तंत्र पर पलटवार करते हुए मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जिन कंपनियों की दवाइयां दिल्ली सरकार के अस्पतालों में मानक के अनुसार सही नहीं पाई गई, ऐसा नहीं है कि यह कंपनियां सिर्फ और सिर्फ दिल्ली सरकार के लिए ही दवाइयां बनती हैं कइन्हीं कंपनियों के द्वारा केंद्र सरकार के अस्पतालों में और भाजपा शासित राज्यसरकार के अस्पतालों में भी दी जाती है कयदि दिल्ली सरकार के अस्पतालों में दी जा रही है दवाइयां नकली है, तो इस प्रकार से केंद्र सरकार के अस्पतालों में दी जा रही दवाइयां और भाजपा शासित अन्य राज्यों के अस्पतालों में दी जा रही दवाइयां भी नकली हैं कमंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मैंने अपने स्वास्थ्य विभाग में अधिकारियों से इस संबंध में बात की तो यह बात सामने आई की दवाइयां की टेस्टिंग कोई पहली बार नहीं हुई है यह एक रूटीन प्रक्रिया है, जो लगातार होता रहता है और ऐसा केवल दिल्ली सरकार के अस्पतालों में ही नहीं बल्कि केंद्र सरकार और अन्य राज्यों के अस्पतालों में भी यह प्रक्रिया की जाती है और सामान्य तौर पर हर अस्पताल में किसी न किसी दवाई के मानक तय मानक से थोड़ा बहुत ऊपर नीचे मिल जाते हैं

# इहबास अस्पताल में द्वितीय दिल्ली स्टेट हेल्थ वारियर टूनामेंट का आयोजन

- सभी खिलाड़ियों की अच्छी खाशी संख्या थी। कार्यक्रम का उद्घाटन भाषण राम निवास गोयल ने स्वाथ्य कर्मचारियों को संबोधित करते हुए

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ पेरामेडिक्स एंड अल्लाइड हेल्थ प्रोफेशनलस और दिल्ली स्टेट परमामेडिकल टेक्निकल एम्प्लोयीस फेडरेशन के द्वारा द्वितीय दिल्ली स्टेट हेल्थ वारियर टूनामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें दिल्ली विधान सभा के स्पीकर राम निवास गोयल ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उनकी उपस्थिति से स्वास्थ्य कर्मचारियों एवं खिलाड़ियों का काफी उत्साह वर्धन हुआ, कार्यक्रम के प्रारभ में स्वर्प्रथम मेराथन दौड़ कराई गयी इसके बाद महिला कर्मचारियों की 100 मीटर की दौड़ कराई गयी जिसमे युवा कर्मचारी और 40 वर्षीय महिला कर्मचारियों की दौड़ भी कराई गयी। इसके अतिरिक्त अन्य खेल जैसे म्यूजिकल चेयर, नीम्बू चम्मच दौड़ आदि जैसे खेल कराये गये। सभी खिलाड़ियों की अच्छी खाशी संख्या थी। कार्यक्रम का उद्घाटन भाषण राम निवास गोयल ने स्वाथ्य कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि कर्मचारी मरीजों की देखभाल के साथ साथ अपने स्वाथ्य को भी ठीक रखना बहुत जरूरी है जिसमे खेल का योगदान बहुत कुछ सहायक है और ये आयोजन होते रहना चाहिए। दिल्ली सरकार की ओर से आपको पुरा समर्थन मिलता रहेगा। कार्यक्रम के प्रबंधन में मुखरूप से जय प्रकाश जी फेडरेशन के चेयरमैन के अतिरिक्त सुरेन्द्र वत्स, एच पी सिंह, उदय कुमार, विकास पाँचाल, अंकित, प्रवीण कुमार, अवनीश कुमार, श्रीमती रेखा शर्मा और श्रीमती मिनाक्षी आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में मेहवपूर्ण भूमिका निभाई।

# आप ने राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार किए घोषित

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

दिल्ली में 19 जनवरी को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को अपने तीन उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी। आप की पॉलिटिकल अफेयर्स कमिटी ने पार्टी की तरफ से मौजूदा राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और एनडी गुप्ता के अलावा दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के नाम पर मुहर लगा दी है। स्वाति मालीवाल पहली बार राज्यसभा में पहुंचेंगी। ये तीनों उम्मीदवार जल्द ही राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में पॉलिटिकल अफेयर्स कमिटी की बैठक हुई। इस बैठक में कमिटी ने मौजूदा सांसद संजय सिंह और एनडी गुप्ता को फिर से राज्यसभा के लिए नामांकित करने का निर्णय लिया। इस दौरान सांसद सुशील कुमार गुप्ता ने हरियाणा में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में खुद को पूरी तरह से झोंकने की इच्छा व्यक्त की।

आम आदमी पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि सांसद सुशील कुमार गुप्ता ने हरियाणा की चुनावी राजनीति में पूरी तरह से सक्रिय होकर काम करने की इच्छा जताई है और पार्टी उनके इस फैसले का पूरा सम्मान करती है। बता दें कि संजय सिंह और एनडी गुप्ता वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं। आप ने उनके बेहतरीन कार्य को देखते हुए राज्यसभा सदस्य के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए उनके नामों को प्रस्तावित किया है। वहीं, आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा चुनाव के लिए तीसरा नाम स्वाति मालीवाल का प्रस्तावित किया है। स्वाति मालीवाल भारत की एक चर्चित एक्टिविस्ट हैं और दिल्ली महिला आयोग की वर्तमान अध्यक्ष भी हैं। स्वाति मालीवाल बहुत कम उम्र में अपने करियर की शुरूआत करते हुए महिलाओं के अधिकारों और सामाजिक मुद्दों को मजबूती से उठाती रही हैं। वो महिलाओं के खिलाफ हिंसा का डंटकर मुकाबला करने, कड़े कानूनों की वकालत करने के साथ-साथ लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए कई कैंपेन और आंदोलनों से भी जुड़ी रही हैं। स्वाति मालीवाल को साल 2015 में दिल्ली महिला आयोग के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। बतौर दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष उन्होंने एसिड अटैक, यौन उत्पीड़न और महिला सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दों का समाधान निकालने के लिए पहल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महिलाओं के कल्याण और उनके अधिकारों के लिए किए गए उनके प्रयासों के चलते आज वो भारत में सामाजिक एक्टिविज्म के क्षेत्र में काम करने वाली प्रमुख चेहरा हैं।

# सर्दी के प्रकोप में ज्यादा बढ़ता है हार्ट रोग का खतरा : डॉक्टर कालरा

- खान पान पर विशेष ध्यान दें। तलीय पदार्थो का सेवन कम से कम करे। कोलेस्ट्रॉल को लेकर जागरुकता की जरूरत है।

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

दिल्ली में दिन व दिन सर्दी के प्रकोप से हार्ट रोग से पीड़ित मरीजों को सावधानी बरतने की जरूरत है। ये जानकारी कालरा अस्पताल के हार्ट रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.एन कालरा ने दी। उन्होंने कहा कि सर्दी का मौसम हार्ट रोगियों के लिये हानिकारक होता है। डॉ. कालरा ने कहा कि सर्दी के मौसम में उच्च रक्त चाप से पीड़ित मरीजों को समय-समय पर हार्ट की जांच करवाते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीने में दर्द के साथ वाये हाथ में दर्द हो तो उसे अनदेखा नहीं करना चाहिए। मोटापा से पीड़ित लोगों को नियमित रूप से 40 मिनट का व्यायाम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि डायबीटीज तमाम बीमारियों की जड़ है। इसलिए डायबीटीज को काबू में रखें। खान पान पर विशेष ध्यान दें। तलीय पदार्थो का सेवन कम से कम करे। कोलेस्ट्रॉल को लेकर जागरुकता की जरूरत है। इसलिए कोलेस्ट्रॉल को न बढ़ने दे। डॉक्टर कालरा का कहना है की सर्दियों का मौसम अपने में गंभीर होता है और इसका हमें हमेशा ध्यान रखना चाहिए इस मौसम में दिल के रोगियों को तमाम समस्या पैदा होती है लेकिन है उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं जो कि अपने में आत्मघाती होता है डॉक्टर कालरा कहते हैं कि इस मौसम में अपने डॉक्टर की सलाह को मनाना चाहिए डॉक्टर कालरा ने कहा की कई बार हम हृदय रोग के लक्षण को देखने के बाद भी जानबूझकर नजरअंदाज कर देते हैं जो कि अपने में बहुत खतरनाक है

# ग्लोबल संत समाज ने नीलम महाजन सिंह को लक्ष्मी-सरस्वती-दुर्गा अवार्ड 2023 से किया पुरस्कृत

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

ग्लोबल संत समाज कल्याण फाउंडेशन के संस्थापक चेयरमैन स्वामी चंद्र जी महाराज ने एक भव्य संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें भारत के अनेक साधु-संतों, मठाधीशों, साधवियों व महामण्डलेश्वरों ने हिस्सा लिया। मुल्क, मोदी व महिलाः मोदी की गारंटः के मुद्दे पर इस कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय जनरल सेक्रेटरी व पूर्व राज्य सभा सांसद दुष्यंत गौतम ने नारी की भारतीय संस्कृति में महिमा व महिलाओं द्वारा हर क्षेत्र में किए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में महिला सशक्तिकरण व समानता के प्रति कर्तव्यबध हैं। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार, दूरदर्शन व्यक्तित्व व मानवाधिकार संरक्षण सॉलिसिटर प्रोफेसर नीलम महाजन सिंह को लक्ष्मी-सरस्वती-दुर्गा अवार्ड 2023 से संत समाज ने सर्वसम्मति से पुरस्कृत किया। 35 वर्षों से नीलम महाजन सिंह के महिला सशक्तिकरण, सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों की सेवा हेतु, उनके योगदान की सराहना की। नीलम महाजन सिंह ने कहा, महामण्डलेश्वर, साधु-संतों व साधवियों के आशिर्वाद से मैं अति अभिभूत हूँ। सनातन समाज का स्नेह व सम्मान मेरे लिए उत्साहवर्धक है, धन्यवादह्व। स्वामी चंद्र देव जी महाराज, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दू धर्म के मूल सिद्धान्तों को सत्यता से प्रचारित करने में सर्वधर्म एकता पर भी विशेष रूप से कार्यरत हैं। इस अंतरराष्ट्रीय संत समाज की गोष्ठी में दुष्यंत गौतम, 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी राघवनंद जी महाराज, डॉ. नागेंद्र सोलंकी, अध्यक्ष, डॉ. वी.पी. टण्डन, व डॉ. प्रवीण शर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

# डीडीए फ्लैटों का ई ऑक्शन शुरू

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

दिल्ली विकास प्राधिकरण लगभग 2093 नए बने हाई-क्वालिटी वाले फ्लैट्स के आवंटन के लिए आज ई-ऑक्शन शुरू की है। दिवाली स्पेशल हाउसिंग स्कीम 2023 के अंतर्गत हो रहे इस ई-ऑक्शन में इन प्रीमियम फ्लैटों के बिक्री की सुविधा मिलती है। डीडीए ने 30 नवंबर, 2023 को दिवाली स्पेशल हाउसिंग स्कीम 2023 शुरू की थी, जिसकी अंतिम तिथि ईएमडी जमा करने की तिथि 29 दिसंबर, 2023 थी और आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 1 जनवरी, 2024 थी। प्राधिकरण ने डेमो सत्र भी आयोजित किया। ताकि उन्हें प्रक्रिया से परिचित कराया जा सके। ई- नीलामी के वक्त किसी को परेशानी न हो। रेडी टू मूव इन फ्लैट्स की कीमतों की बात करें तो 2023 में डीडीए द्वारा जारी की गई अधिसूचना के अनुसार बोली प्रक्रिया में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को संबंधित फ्लैटों के लिए बयाना राशि (ईएमडी) जमा करना जरूरी था। यह शुल्क डीडीए ने एमआईजी -2 बीएचके के लिए 10 लाख, एचआईजी-3बीएचके के लिए 15 लाख, सुपर एचआईजी-4बीएचके के लिए 20 लाख और पेंटहाउस-5बीएचके के लिए 25 लाख रखा था। यह फ्लैट द्वारका सेक्टर 14 और 19 बी व लोकनायकपुरम नई दिल्ली में स्थित है। डीडीए द्वारा जारी की गई अधिसूचना में बताया गया है था कि पेंटहाउस और टक्क्र फ्लैट के लिए यह नीलामी 5 जनवरी की सुबह 11:00 बजे से शुरू होगी और दोपहर 12:00 बजे समाप्त होगी। सुपर एचआईवी की नीलामी दोपहर 3:00 बजे से 4:00 बजे तक रहेगी इसके अलावा एचआईवी फ्लैटों की ई-नीलामी 6 जनवरी दो सत्रों में आयोजित की जाएगी। ई नीलामी का समय सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक और दोपहर 3:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक होगा।

# ट्रेन में पकड़ा गया पंजाब का वांछित बदमाश

नई दिल्ली। नांदेड़ से अमृतसर जा रही सचखंड एक्सप्रेस में सफर कर रहे वांछित अपराधी को पंजाब पुलिस ने पकड़ लिया। यात्रियों के विरोध के चलते नई दिल्ली स्टेशन पर एक घंटे से ज्यादा समय तक ट्रेन खड़ी रही। किसी तरह यात्रियों को समझाया गया और गाड़ी को भेजा गया। गुरुवार दोपहर नांदेड़ से अमृतसर जा रही सचखंड एक्सप्रेस नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुंची। पंजाब पुलिस को सूचना मिली थी कि उनका वांछित अपराधी गुरप्रीत एस-1 कोच में सफर कर रहा है। इस सूचना पर गाड़ी के नई दिल्ली ठहरते ही पंजाब पुलिस ने उसे पकड़ लिया। वहां मौजूद यात्री इसका विरोध करने लगे। गाड़ी के चलते ही वह बार-बार चेन खींचकर गाड़ी को रोक देते। ऐसे में आरपीएफ, जीआरपी और रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पंजाब पुलिस ने उन्हें इस मामले से जुड़े दस्तावेज दिखाए। इसके बाद वह गुरप्रीत को अपने साथ ले गए। उधर, यात्रियों को शांत कराकर गाड़ी को नई दिल्ली स्टेशन से रवाना किया गया।

# अनिल बाजपेई ने नॉर्दन रेलवे के मुख्य अभियंता के साथ किया दौरा

नई दिल्ली। गाँधी नगर के विधायक अनिल वाजपेयी ने नॉर्दन रेलवे के अधिकारियों तथा मुख्य अभियंता के साथ दौरा किया। श्री वाजपेयी नें बताया अजीत नगर, गली नंबर 4, ईस्ट ओल्ड सीलमपुर, सीलमपुर गांव और कैलाश नगर के लोगो का एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल रेलवे का अंडरपास बनवाने के लिए मिला था। अनिल बाजपेई ने रेलवे मंत्री से मिलकर इस समस्या की ओर उनका ध्यान दिलाया। इसी कड़ी में आज नॉर्दर्न रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों और मुख्य अभियंता के साथ गली नंबर 4 ईस्ट और सीलमपुर, पुराना रेलवे फाटक, सीलमपुर गांव, अजीत नगर की रेलवे पुलिया का दौरा किया। अजीत नगर, सीलमपुर गांव और ईस्ट ओल्ड सीलमपुर के निवासियों ने दौरे के समय विधायक अनिल बाजपेई जी से कहा कि काफी दिनों से हम सभी के लोगो की यहां पर रेलवे अंडरपास पास बनवाने की मांग कर रहे थे क्योंकि यहां पर ट्रैफिक की काफी समस्या थी जिसके कारण यहां के निवासियों को आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। वहां उपस्थित सभी लोगो ने अनिल बाजपेई जी का व्यक्तिगत तौर पर धन्यवाद करते हुए कहा कि कम से कम उन्होंने इस समस्या का समाधान करने बीड़ा उठाया। अनिल बाजपेई ने व्यक्तिगत रूप से रेल मंत्री अश्विनी कुमार और नॉर्दन रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों का आभार करते हुए कहा कि आज उन्ही के प्रयास से ये रेलवे अंडरपास बनने का काम शुरू होगा।

# अरविन्दर सिंह लवली ने अपने बूथ से जुड़े अभियान को गूगल फार्म भरकर किया लांच

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली ने शुक्रवार को दिल्ली में संगठन को मजबूत बनाने की कड़ी में अपने बूथ से जुड़ें अभियान को कांग्रेस महासचिव और प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया की मौजूदगी में गूगल फार्म भरकर लांच किया। इस मौके पर श्री लवली ने कहा कि राजनीतिक दल के लिए काम करने में अगर ईमानदारी और कड़ी मेहतन से काम करके अगर बूथ को जिताते है तो कोई भी चुनाव जीता जा सकता है। संगठन मजबूत बनाने की इस महत्वपूर्ण शुरूआत में बूथ स्तर पर गूगल फार्म भरवाकर दिल्ली वालों को जोड़ने की जिम्मेदारी सभी बीएलए-1 (बूथ लेवल एजेंट) सहित जिला एवं ब्लाक अध्यक्षों की लगाई गई है। कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के बूथ मैनेजमेंट कमेटी के चेयरमैन राजेश गर्ग द्वारा किया गया। गांधी नगर के बी.एल.ए.-1 इशरत खान मामू व सोशल मीडिया के चेयरमैन हिदायतुल्लाह द्वारा प्रदेश अध्यक्ष श्री लवली का गूगल फार्म भरवाया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली और कांग्रेस महासचिव, प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया के अलावा दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री हारुन यूसूफ, मंगतराम सिंघल, पूर्व विधायक कुवंर करण सिंह, विजय लोचव, भीष्म शर्मा, सुरेन्द्र कुमार, वीर सिंह धींगान, जिला अध्यक्ष गुरचरण सिंह राजू, विरेन्द्र कसाना, राजेश चौहान, आदेश भारद्वाज, दिनेश एडवोकेट, मिर्जा जावेद अली, सतबीर शर्मा, जितेन्द्र कुमार कोचर, चत्तर सिंह, अमित मलिक, जय करण चौधरी, राजीव शर्मा, हरी किशन जिंदल, सुनील वोहरा, राज कुमार इंदौरिया, सुखबीर शर्मा, डॉ. नरेश कुमार, नीतू वर्मा सोईन, अनुज आत्रेय, हिदायतुल्लाह, चौ. अजीत सिंह, राजेन्द्र तंवर सहित मौजूद सभी 70 विधानसभाओं के बीएलए-1, जिला अध्यक्षों, आर्ज्सवरों ने गूगल फॉर्म मौके पर भरा।

# 10 लाख रुपये उधार देकर दोस्तों से चोरी कराए

नई दिल्ली। एक शख्स ने कार कारोबारी को दस लाख रुपये उधार दिए। इसके बाद दो दोस्तों को इसकी जानकारी देकर रुपये से भरा बैग चोरी करवा दिया। कोतवाली पुलिस ने साजिशकर्ता समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी मनोज कुमार मीना ने बताया कि केरल निवासी आबिद पुरानी कारों का कारोबार करता है। इसी सिलसिले में वह दिल्ली आया हुआ था। उसे दस लाख रुपये की जरूरत थी। एक संपर्क के माध्यम से जामा मस्जिद इलाके में मोहम्मद अली ने 15 दिसंबर को रुपये दे दिए। ई-रिक्शा पर बैठते ही पीड़ित ने देखा तो रुपये से भरा बैग गायब था। इसके बाद उसने पुलिस को शिकायत दी। लाल किला चौकी प्रभारी एसआई सत्येंद्र सिंह की देखरेख में एसआई योगेश की टीम ने जांच शुरू की। फुटेज खंगालने के बाद हेडकांस्टेबल नरेंद्र को बदमाशों की स्कूटी का नंबर मिल गया। इसके बाद 20 दिसंबर को स्कूटी मालिक अनस वजीद को दरियागंज से गिरफ्तार किया। इसकी निशानदेही पर अबरार अहमद और मोहम्मद अली को गिरफ्तार किया गया। जांच में पता लगा कि जब आबिद रुपये लेकर रवाना हुआ तो मोहम्मद अली ने इसकी जानकारी दोनों दोस्तों को दे दी थी। जब पीड़ित रुपये लेकर ई-रिक्शा में बैठा तो दोनों युवक स्कूटी से पीछे-पीछे चल दिए। भीड़ और जाम में मौका देखकर बैग लेकर फरार हो गए। मोहम्मद अली ने दस लाख रुपये में से तीन लाख रुपये दोनों दोस्तों को दे दिए थे। इनमें से 1.90 लाख रुपये खर्च हो गए। बाकी की रकम पुलिस ने बरामद कर ली है।

# फर्जी आरोपों और झूठे केसों के साथ भाजपा दिल्ली सरकार की वर्ल्ड क्लास स्वास्थ्य व्यवस्था को ठप करने की साज़िश रच रही है-आतिशी

## केजरीवाल जी और उनकी सरकार भाजपा की हर साज़िश के बावजूद दिल्ली की जनता के लिए काम करती रहेगी-आतिशी

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता व दिल्ली कैबिनेट मंत्री ने शुक्रवार को प्रेस-कॉन्फ्रेंस के जरिए दिल्ली सरकार के शानदार हेल्थकेयर मॉडल को ठप करने के भाजपा के प्रयास का पर्दाफाश किया। आप नेता आतिशी ने कहा कि, फर्जी आरोपों और झूठे केसों के साथ भाजपा दिल्ली सरकार की वर्ल्ड क्लास स्वास्थ्य व्यवस्था को ठप करने की साज़िश रच रही है। ये जाँच किसी भ्रष्टाचार को ढूँढने के लिए नहीं किए जा रहे, इनका मकसद सिर्फ. और सिर्फ. केजरीवाल जी के हेल्थकेयर मॉडल को रोकना है। जाँच के जरिए भाजपा चाहती है कि अस्पताल के एमएस काम करने से डर जाए, मोहल्ला क्लिनिक में डॉक्टर टेस्ट लिखने से डरे, स्वास्थ्य विभाग के अफसर दवाइयाँ खरीदने से डरें। भाजपा के इन फर्जी जाँचों से हर अफसर-डॉक्टर को डर लगेगा कि हमनें दवाइयाँ खरीद दी, टेस्ट के कॉंट्रैक्ट आगे बढ़ा दिए तो झूठे आरोप लगाकर हमें जेल भेज दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि, इन फर्जी जाँचों के कारण मोहल्ला क्लिनिक-अस्पताल में दवाइयाँ नहीं होंगी, अस्पतालों में सर्जरी का सामान नहीं होगा, टेस्ट की व्यवस्था नहीं होगी, यही भाजपा की साज़िश है। भाजपा न तो अपने किसी राज्य में न ही केंद्र सरकार में अच्छे अस्पताल दे पाई लेकिन अब दिल्ली सरकार की वर्ल्ड क्लास स्वास्थ्य व्यवस्था को खत्म करने की साज़िश रच रही है। उन्होंने कहा कि, जिन लोगों ने आयुष्मान भारत में 18 लाख फर्जी नामों पर उँगली नहीं उठाई वो आज संयुक्त राष्ट्र सहित पूरे विश्व में विख्यात मोहल्ला क्लीनिक मॉडल पर सवाल उठा रहे है। लेकिन भाजपा कितने भी प्रयास कर ले पर दिल्ली की जनता जानती है अरविंद केजरीवाल जी ने उनकी ज़िंदगी को बेहतर बनाने का काम किया है और अरविंद केजरीवाल जी और उनकी सरकार भाजपा की हर साज़िश के बावजूद दिल्ली की जनता के लिए काम करती रहेगी। आप नेता आतिशी ने कहा कि, आज देश में रहने वाले किसी भी आदमी से सरकार अस्पताल और सरकारी डिस्पेंसरी के बारे में पूछा जाए तो लोग एक स्वर में जबाव देते है कि, सरकारी अस्पताल यानी टूटी-फूटी बिल्डिंग, एक ऐसी जगह जहां न डॉक्टर होते है न इलाज होता है। सरकारी डिस्पेंसरी का मतलब वो टूटी-फूटी बिल्डिंग जहां डॉक्टर नहीं मिलते, दवाइयाँ नहीं मिलती। पूरे देश में सरकारी अस्पताल और डिस्पेंसरी की व्यवस्था चरमराई हुई है। यही कारण है कि देश भर में लोग सरकारी अस्पताल में न जाकर प्राइवेट अस्पताल में इलाज करवाना पसंद करते है चाहे उनके पास पैसे हो या नहीं हो।

उन्होंने कहा कि, इस देश में 9 साल पहले जब दिल्ली में अरविंद केजरीवाल जी की सरकार बनी तो पहली बार सरकारी अस्पतालों को प्राइवेट अस्पतालों से बेहतर बनाने की बात हुई। पहली बार देश के इतिहास में सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं को प्राइवेट से बेहतर बनाने की बात हुई। और ये काम अरविंद केजरीवाल जी की सरकार ने पिछले 9 सालों में करके दिखाया है।

इसलिए आज दिल्ली में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं का मोहल्ला क्लिनिक का जो मॉडल है, उसकी न सिर्फ. दिल्ली और देश में बल्कि पूरी दुनिया में तारीफ होती है। संयुक्त राष्ट्र संघ के दो पूर्व सेक्रेटरी जनरल कोफी अन्नान जी और बान की मून जी खुद आकर दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक के मॉडल को देखकर उन्होंने कहा कि ये शायद प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं का दुनिया का सबसे शानदार मॉडल है। आतिशी ने कहा कि, दिल्ली कि लोगों ने भी मोहल्ला क्लिनिक पर अपना भरोसा दिखाया है। जब से मोहल्ला क्लिनिक की शुरूआत हुई है तब से 7 करोड़ से अधिक ओपीडी हो चुकी है। मात्र इस वित्त वर्ष में भी अबतक मोहल्ला 2.25 करोड़ ओपीडी हो चुके है। उन्होंने कहा कि, दिल्ली के लोग मोहल्ला क्लिनिक में इसलिए जाते है क्योंकि वहाँ उन्हें सा

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

# राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शनिवार, 06 जनवरी, 2024

## पूर्वी विनोद नगर, पटपड़गंज में वर्ल्ड क्लास स्कूल बनवा रही है केजरीवाल

### शिक्षा मंत्री ने दिया अधिकारियों को निर्देश- जल्द से जल्द बिल्डिंग का बचा करें पूरा, नए सत्र से पहले बच्चों के लिए तैयार हो स्कूल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

केजरीवाल सरकार पूर्वी विनोद नगर, पटपड़गंज में शानदार स्कूल बिल्डिंग बनवा रही है। शिक्षा मंत्री आतिशी ने पीडब्ल्यूडी व शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ इसका निरीक्षण किया। पूर्वी विनोद नगर स्कूल की नई स्कूल स्कूल अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगी, जहाँ बच्चों के लिए स्मार्ट क्लासरूम, शानदार लैब, लाइब्रेरी, लिफ्ट सहित अन्य वर्ल्ड-क्लास सुविधाएँ मौजूद होंगी इस स्कूल का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। निरीक्षण के दौरान शिक्षा मंत्री आतिशी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि, जल्द से जल्द बचे हुए निर्माण कार्य को पूरा किया जाए ताकि नए सत्र में बच्चे अपने स्कूल की चमचमाती नई बिल्डिंग में पढ़ सकें। इस मौके पर

शिक्षा मंत्री ने कहा कि दिल्ली शिक्षा क्रांति के जनक मनीष सिसोदिया जी के विधानसभा में बनकर तैयार हो रही ये शानदार स्कूल हर बच्चे तक वर्ल्ड-क्लास शिक्षा पहुंचाने के विजन का हिस्सा है अपने हर नए शानदार स्कूल के साथ हम इस विजन को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ते जा रहे है उन्होंने कहा कि इस स्कूल की शानदार बिल्डिंग जो शिक्षा को लेकर केजरीवाल सरकार की गंभीरता और प्राथमिकता का उदाहरण है

उन्होंने कहा कि, जब मैंने इस स्कूल की ड्राइंग को देखा था तो ऐसा लग रहा था मानो ये अमेरिका के किसी टॉप यूनिवर्सिटी की बिल्डिंग हो। उन्होंने कहा कि हमारे बच्चे सर्वश्रेष्ठ शिक्षा के हकदार हैं और उन्हें विश्व स्तरीय शैक्षणिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए हम इस शानदार स्कूल का निर्माण कर रहे हैं। मुझे खुशी है कि इस क्षेत्र के लगभग 5000 बच्चों को एक शानदार सरकारी स्कूल बिल्डिंग मिलने जा रही है। कभी इस स्कूल को लोग ह्यटेंट वाला स्कूलह्न कहते थे लेकिन नई बिल्डिंग बनने के बाद लोग इसे ह्यअमेरिका के यूनिवर्सिटी जैसी बिल्डिंग वाले स्कूलह्न के नाम से जानेंगे। और यहां पढ़ने वाला या इसमें पहले पढ़ चुका हर छात्र इसपर गर्व करेगा। उन्होंने कहा कि, मनीष सिसोदिया जी ने इस बिल्डिंग के डिजाइन को अपने मार्गदर्शन में तैयार करवाया था। बेशक आज उन्हें झूठे केस में जेल में रखा गया है लेकिन शिक्षा के उनके सपने को जेल में नहीं डाला जा सकता। मनीष सिसोदिया जी ने शिक्षा को लेकर जो भी सपने देखे हैं वो जरूर पूरे होंगे। और इस स्कूल में पढ़ने वाले छात्र न केवल खुद को और अपने परिवार को बल्कि मनीष सिसोदिया जी को भी गौरवान्वित करेंगे। बता दें कि स्कूल की नई बन रही इमारत चार मंज़िला होगी जिसमें 101 कमरे होंगे। स्कूल स्मार्ट क्लासरूम, लैब-लाइब्रेरी, लिफ्ट, एक्टिविटी रूम सहित अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। निरीक्षण के दौरान शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि बचे हुए निर्माण कार्य को जल्द पूरा किया जाए ताकि नये सत्र में स्कूल क्षेत्र के बच्चों को समर्पित किया जा सके। बता दें कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी ने 8 अप्रैल 2023 को इस स्कूल का शिलान्यास किया था।

## केजरीवाल ने सिसोदिया को दी जन्मदिन की बधाई, उनके साहस को बताया प्रेरणादायक

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के जन्मदिन पर शुक्रवार को उन्हें बधाई दी और कहा कि तानाशाही के युग में उनके साहस की वह सराहना करते हैं।

कथित आबकारी नीति घोटाला मामले में सिसोदिया फिलहाल जेल में हैं। उन्हें पिछले साल फरवरी में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार किया था और बाद में उन्होंने दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार में उपमुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि सिसोदिया भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने फर्जी मामले में जेल में रखा है। उन्होंने एक्स पर लिखा, ये दोस्ती बहुत पुरानी है। हमारा स्नेह और भरोसा बहुत मजबूत है। जनता के लिए काम करने का ये जुनून भी बहुत पुराना है। साजिश रचने वाले लाख कोशिश कर लें ये भरोसा, ये स्नेह और ये दोस्ती कभी नहीं टूटेगी।

उन्होंने कहा, भाजपा ने झूठे मामले लगाकर मनीष को पिछले 11 महीने से जेल में रखा हुआ है। लेकिन मनीष इनके जुल्म के आगे डटकर खड़े हैं, इनकी तानाशाही के सामने ना अब तक झुके हैं और ना भविष्य में कभी झुकेंगे। तानाशाही के इस दौर में मनीष का साहस हम सबको प्रेरणा देता है। जन्मदिन मुबारक हो मनीष।

सिसोदिया के इस्तीफे के बाद उनके अधिकांश विभागों का प्रभार संभाल रहीं दिल्ली की मंत्री आतिशी ने भी आप नेता को उनके जन्मदिन पर बधाई देते हुए उन्हें सर्वश्रेष्ठ शिक्षा मंत्री बताया। उन्होंने कहा, आज मनीष सर का जन्मदिन है। हर साल इस दिन को हम धूम-धाम से मनाते थे, खूब हंसी मजाक करते थे, पर दुख है कि जिस व्यक्ति ने गरीबों के बच्चों को भी विश्व स्तरीय शिक्षा देने के सपने को पूरा किया उन्हें एक झूठे मामले में 11 महीनों से जेल रखा गया है। आतिशी ने एक्स पर पोस्ट किया, आप हमारी प्रेरणा और ताकत है, मनीष सर। उम्मीद है आप जल्द हमारे बीच होंगे और हम ये उत्सव मनायेंगे। देश के सबसे बेहतरीन शिक्षा मंत्री को मेरा सलाम। कथित शराब घोटाला 2021-22 में आबकारी नीति से संबंधित है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इसे लागू किए जाने के संबंध में सीबीआई जांच की सिफारिश की थी जिसके तुरंत बाद 2022 में आप सरकार ने इसे रद्द कर दिया था।

## स्वाति मालीवाल को राज्यसभा का टिकट, आप ने दिल्ली से उतारे तीन उम्मीदवार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में 19 जनवरी को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को अपने तीन उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी। आप की पॉलिटिकल अफेयर्स कमिटी ने पार्टी की तरफ से मौजूदा राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और एनडी गुप्ता के अलावा दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के नाम पर मुहर लगा दी है। स्वाति मालीवाल पहली बार राज्यसभा में पहुंचेंगी। ये तीनों उम्मीदवार जल्द ही राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में पॉलिटिकल अफेयर्स कमिटी की बैठक हुई। इस बैठक में कमिटी ने मौजूदा सांसद संजय सिंह और एनडी गुप्ता को फिर से राज्यसभा के लिए नामांकित करने का निर्णय लिया। इस दौरान सांसद सुशील कुमार गुप्ता ने हरियाणा में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में खुद को पूरी तरह से झोंकने की इच्छा व्यक्त की।

हरियाणा की राजनीति में सक्रिय गुप्ता आम आदमी पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि सांसद सुशील कुमार गुप्ता ने हरियाणा की चुनावी राजनीति

में पूरी तरह से सक्रिय होकर काम करने की इच्छा जताई है और पार्टी उनके इस फैसले का पूरा सम्मान करती है। बता दें कि संजय सिंह और एनडी गुप्ता वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं। आप ने उनके बेहतरीन कार्य को देखते हुए राज्यसभा सदस्य के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए उनके नामों को प्रस्तावित किया है। स्वाति मालीवाल का नाम प्रस्तावित वहीं, आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा चुनाव के लिए तीसरा नाम स्वाति मालीवाल का प्रस्तावित किया है। स्वाति मालीवाल भारत की एक चर्चित एक्टिविस्ट हैं और दिल्ली महिला आयोग की वर्तमान अध्यक्ष भी हैं। स्वाति मालीवाल बहुत कम उम्र में अपने करियर की शुरूआत करते हुए महिलाओं के अधिकारों और सामाजिक मुद्दों को मजबूती से उठाती रही हैं। वो महिलाओं के खिलाफ हिंसा का डंटकर मुकाबला करने, कड़े कानूनों की वकालत करने के साथ-साथ लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए कई कैंपेन और आंदोलनों से भी जुड़ी रही हैं।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने दी थी अनुमति

बता दें, दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में संजय सिंह इस बार जेल से ही राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन फार्म भरेंगे। इससे पहले राउज एवेन्यू कोर्ट ने संजय सिंह के आवेदन पर सुनवाई के बाद उन्हें जेल से नामांकन फार्म भरने की अनुमति दे दी थी। 27 जनवरी को संजय सिंह की सदस्यता खत्म हो रही है। इससे पहले 19 जनवरी को इसका चुनाव होना है।

तीन सांसदों का होना है चुनाव

बता दें, संजय सिंह के अलावा दिल्ली से राज्यसभा सांसद सुशील कुमार गुप्ता और नारायण दास गुप्ता राज्यसभा से सदस्य हैं। इसमें नारायण दास गुप्ता और संजय को दोबारा उम्मीदवार बनाया गया है। नामांकन प्रक्रिया 2 जनवरी को

## प्राइवेट पार्ट में डालता है मिर्च पाउडर, प्रेमिका ने प्रेमी पर लगाए हिला देने वाले आरोप

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा के बिसरख कोतवाली क्षेत्र की एक सोसायटी में पिछले कई महीनों से लिव-इन में रह रही प्रेमिका ने प्रेमी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रेमिका का कहना है कि उसका प्रेमी उसके साथ बर्बरता करता है। प्रेमिका ने आरोप लगाया है कि प्रेमी उसके प्राइवेट पार्ट में मिर्च पाउडर डालता है। गौरतलब है कि महिला ने सोशल मीडिया पर यह वीडियो डालकर पुलिस से शिकायत की है। पुलिस का कहना है कि शिकायत का संज्ञान लेकर आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। पीड़िता ने वीडियो में लगाए ये आरोप पीड़िता ने बताया है कि वह एक युवक के साथ दो साल से रिलेशनशिप में थी। पहले साल तो सब ठीक रहा लेकिन बीते एक साल से उसका प्रेमी डबल डेटिंग करने लगा। यानी प्रेमी का किसी और से भी संबंध है। जब प्रेमिका ने कहा कि वह उससे अलग होना चाहती है तो आरोपी प्रेमी ने उसका विरोध किया और उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाया। जब उसने इसका विरोध किया तो प्रेमी ने पीड़िता को और पीटा।

प्रेमी के परिवार से भी की शिकायत

पीड़िता का दावा है कि वह प्रेमी के परिवार से शिकायत भी करने गई

थी लेकिन उन्होंने कहा, अगर प्यार करती हो और उसने मार भी दिया तो क्या हो गया। प्रेमी के भाई ने धमकाया कि उनके पिता पुलिसवाले हैं उनका कुछ नहीं होगा।

दूसरी प्रेमिका के घर भी गई

पीड़िता का कहना है कि वह प्रेमी के दूसरी प्रेमिका के घर भी गई उसे समझाया। इसके बाद आरोपी पीड़िता के घर गया और उसकी पिटाई की। उसके साथ जबरन संबंध बनाए और उसके प्राइवेट पार्ट में भी मिर्च डाल दी। यही नहीं उसकी पिटाई भी की।

आरोपी ने पीड़िता के घरवालों को ये धमकी भी दी है कि अगर उसकी शादी कहीं और की तो वो ऐसा होने नहीं देगा। वह पीड़िता को किसी और की नहीं होने देगा।

पुलिस ने कही ये बात

पुलिस ने इस मामले में कहा है कि दोनों को बुलाकर उनकी काउंसलिंग की जाएगी और उसके बाद उचित कार्रवाई होगी।

## अस्पतालों में घटिया दवाओं की आपूर्ति के मामले में सीबीआई जांच का स्वागत : भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने राज्य के सरकारी अस्पतालों में घटिया दवाओं की कथित आपूर्ति के मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने के फैसले का शुक्रवार को स्वागत किया और स्वास्थ्य विभाग के सचिव को तुरंत निलंबित करने की मांग की। इस संबंध में दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना की सिफारिश के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सीबीआई जांच का आदेश जारी किया। भारद्वाज ने कहा, पिछले साल मार्च में पदभार संभालने के तुरंत बाद मैंने दवाओं का ऑडिट करने का निर्देश जारी किया था लेकिन (दिल्ली सरकार) स्वास्थ्य सचिव ने निर्देशों का पालन नहीं किया। इस मामले में मैं सीबीआई जांच का स्वागत करता हूं लेकिन क्यों केंद्र

अधिकारियों को बचा रहा है? उन्हें (स्वास्थ्य विभाग के सचिव) तुरंत निलंबित किया जाना चाहिए।

सक्सेना ने कथित तौर पर गुणवत्ता मानक परीक्षणों में विफल रहने वाली दवाओं की आपूर्ति के मामले में दिसंबर में सीबीआई जांच की सिफारिश की थी, जो लोगों के जीवन को संभावित रूप से नुकसान पहुंचा सकती थीं।

## अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के पल को यादगार बनाने में जुटे दिल्ली के मंदिर

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर न केवल वहां, बल्कि दिल्ली में भी हर्षोल्लास चरम पर है। राष्ट्रीय राजधानी के मंदिर भी इस ऐतिहासिक पल को यादगार बनाने की तैयारी में जुटे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से इस दिन को दीपावली की भांति मनाने के लिए अपने घरों में विशेष दीये श्री राम ज्योति जलाने की अपील की है। दिल्ली में मंदिरों को इस विशेष अवसर पर प्रकाश, सजावट, दीयों और फूलों से सजाया जाएगा। झंडेवालान मंदिर के न्यासी रवींद्र गोयल ने कहा कि यह मंदिर इस दिन दिवाली मनाएगा और सभी अनुष्ठान किये जाएंगे।

गोयल ने कहा, झंडेवालान मंदिर 15 जनवरी के मकर संक्राति के दिन से अगले डेढ़ महीने तक अयोध्या में सामुदायिक रसोई घर का आयोजन करेगा। उन्होंने बताया कि उस दिन सजावट, दीपमाला, दिनभर भक्ति संगीत और पूजा-अर्चना की जाएगी।

दाती महाराज ने कहा कि असोला में श्री सिद्ध शक्ति पीठ शनिधाम मंदिर

परिसर के अंदर मंदिर का निर्माण चल रहा है। उन्होंने कहा, जिस दिन अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह होगा, उसी दिन इस मंदिर में भी प्रभु श्री राम की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। उन्होंने बताया कि 17 जनवरी से असोला के नये मंदिर में विभिन्न कार्यक्रम शुरू होंगे जिनका समापन अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन 22 जनवरी को होगा।

उच्चतम न्यायालय ने 2019 में अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण के पक्ष में फैसला सुनाया था। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए इस धर्मनगरी को विशेष तरीके से सजाया-संवारा जा रहा है।

यहां लोधी रोड पर स्थित श्री राममंदिर के मंदिर प्रबंधन के प्रवक्ता अजीत झा ने कहा कि उनके मंदिर में प्रतिमाओं को फूलों से सजाया जाएगा तथा सुबह और शाम को प्रार्थना की जाएगी। उन्होंने बताया कि मंदिर के द्वारों को दक्षिण की परंपरा के अनुसार केले के पेड़ से सजाया जाएगा।

पंडित लोकेश ने बताया कि कालका मंदिर में दिवाली मनायी जाएगी तथा पूजनोत्सव की रीतियों और मंदिर की सजावट पर विशेष बल दिया जाएगा। कालकाजी मंदिर समिति इस समारोह के सिलसिले में 12 जनवरी को एक बैठक करेगा तथा 22 जनवरी के कार्यक्रम के लिए सजावट का काम तीव्र गति से जारी है।

## राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा हिंदुओं की सबसे बड़ी जीत, यह पर्व दीपावली से भी खास

नई दिल्ली। अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाले बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री ने न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में राम मंदिर और इससे जुड़ी राजनीति पर बात की है। इस दौरान उन्होंने कहा कि भगवान राम राजनीति का विषय नहीं हैं, राम लला की प्राण प्रतिष्ठा का राजनीतिकरण करना अच्छा नहीं है। धीरेंद्र शास्त्री से जब पूछा गया कि क्या वह प्राण प्रतिष्ठा के लिए अयोध्या जाएंगे तो उन्होंने कहा, जी जरूर जाऊंगा। यह हिंदुओं, सनातनियों के लिए बड़ी जीत है और यह पर्व दीपावली से भी खास है।

**भगवान राम राजनीति का विषय नहीं हैं**

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, भगवान राम राजनीति का विषय नहीं है। धर्म से राजनीति चलती है, राजनीति से धर्म नहीं चलता। देश के लोग सो नहीं रहे हैं वो सब कुछ देख सकते हैं। अपनी इच्छा के अनुसार वोट करें, राष्ट्रहित में वोट करें। भगवान राम की अपनी नीति है जिसमें गरिमा, एकता और शांति शामिल हैं। जो लोग राम मंदिर के मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहे हैं वह मूर्ख हैं। धीरेंद्र शास्त्री ने आगे कहा, राम मंदिर जातिकरण के लिए नहीं बल्कि राम भक्तों की आस्था के लिए बन रहा है।

**भगवान राम सबके हैं**

वह आगे बोले, भगवान राम सबके हैं। भगवान राम महान नेता हैं। जब बागेश्वर धाम सरकार से ज्ञानवापी और मथुरा जन्मभूमि मुद्दे पर सवाल किया गया तो वह बोले, ऐसे मुद्दों पर राय की कोई जगह नहीं है क्योंकि यह सिद्ध है कि ज्ञानवापी भगवान शंकर का है और कृष्ण जन्मभूमि कन्हैया की है। ऐसे में मुद्दों पर राय की कोई जरूरत नहीं है। इनके लिए सुप्रीम कोर्ट और कानून हैं। वर्तमान में एएसआई की रिपोर्ट ने बताया है कि वहां सनातन का मंदिर था। इतिहास में मुगलों ने हमारे मंदिरों पर हमला किया था, वो घाव आज भर रहे हैं।

## दिल्ली से ओडिशा तक नार्को सिंडिकेट चलाने के आरोप में 19 वर्षीय सरगना और सहयोगी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि नार्को सिंडिकेट के एक 19 वर्षीय सरगना को राष्ट्रीय राजधानी और उसके आसपास ड्रग्स की सप्लाई करने के आरोप में चार अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया है। सिंडिकेट दिल्ली से लेकर ओडिशा तक चलाया जा रहा था। गिरोह के सरगना की पहचान दिल्ली के गोपालपुर निवासी हर्ष वर्धन के रूप में हुई है। उसके साथियों की पहचान दिल्ली के तिलक नगर निवासी रमेश कुमार शर्मा उर्फ सोनू (45), रघुबीर नगर निवासी अमित कुमार तिवारी (29), लाजपत नगर के जल विहार निवासी अरुल पांडियन (25) और ओडिशा के जिला नयागढ़ निवासी विश्वजीत महापात्रा उर्फ डीजे (23) के रूप में की गई है।

अपराध शाखा के विशेष पुलिस आयुक्त रवींद्र सिंह यादव ने कहा कि एक विशिष्ट इनपुट प्राप्त हुआ था कि ड्रग सिंडिकेट का सदस्य गांधी विहार इलाके में ओडिशा से दिल्ली में उच्च गुणवत्ता वाली गांजे की एक बड़ी खेप पहुंचाने आएगा।

टीम ने जाल बिछाया और हर्ष वर्धन को 22.786 किलोग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ

में पता चला कि हर्ष वर्धन ने आसानी से पैसा कमाने के लिए हाल ही में दिल्ली-एनसीआर के इलाके में ड्रग सप्लाई का नेटवर्क खड़ा किया है। विशेष पुलिस आयुक्त ने कहा, वह दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में अपने ग्राहक बनाता है जो नियमित रूप से उससे गांजा खरीद सकते हैं। अवैध कारोबार का विस्तार करने के लिए, उसने भांग के स्रोत और आपूर्ति की जांच करने के लिए ओडिशा का दौरा किया। इसके बाद, वह गांजा खरीदने के लिए महीने में दो या तीन बार ओडिशा के भुवनेश्वर जाने लगा और पिछले 5-6 महीनों से दिल्ली में इसकी आपूर्ति कर रहा है। हर्ष वर्धन के कहने पर महापात्रा को गिरफ्तार किया गया। उसके बाद रमेश कुमार शर्मा, अमित कुमार तिवारी और अरुल पांडियन को भी गिरफ्तार किया गया।

## गृह मंत्रालय ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों में घटिया दवाओं के मामले की सीबीआई जांच के आदेश दिए

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों में घटिया वाओं की आपूर्ति के मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने का आदेश दिया है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई जांच करेगी कि क्या मोहल्ला क्लीनिक के माध्यम से इन दवाओं का वितरण किया गया है नहीं। पिछले वर्ष दिसंबर में दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के.सक्सेना ने गृह मंत्रालय से मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी।

सक्सेना ने कहा कि ये दवाएं कथित तौर पर गुणवत्ता मानक परीक्षण में विफल रहीं और दिल्ली सरकार द्वारा चलाए जा रहे अस्पतालों में लोगों की जान के लिए संभावित खतरा बन सकती थीं। दिल्ली सरकार के सतर्कता निदेशालय ने जांच का अनुरोध करते हुए गृह मंत्रालय को पत्र लिखा था।

पत्र के मुताबिक, इस बात की भी जांच होनी चाहिए कि क्या जो दवाएं केंद्रीय खरीद एजेंसी (सीपीए) ने

खरीदी हैं, वही दवाएं ह्यमोहल्ला क्लीनिकह्न के जरिए मरीजों को बांटी भी जा रही हैं या नहीं।

पत्र में कहा गया कि घटिया दवाओं की आपूर्ति के लिए कोई भी कार्रवाई सीपीए तक सीमित नहीं होनी चाहिए और इन दवाओं की आपूर्ति करने वाली सभी कड़ियों की जांच की आवश्यकता है।

पत्र में कहा गया है कि साथ ही उन आपूर्तिकर्ताओं की भूमिका की भी जांच की जानी चाहिए, जिन्होंने दवा बनाने वाली कंपनियों से दवाएं खरीदीं और अंतिम उपयोगकर्ता यानी अस्पताल (मरीज) को प्रदान की।

सतर्कता निदेशालय ने पत्र में कहा, इसके अलावा घटिया दवाओं की आपूर्ति के मामले की गंभीरता और उद्देश्यों को समझने के लिए कॉर्पोरेट संबंधों से पर्दा उठाने की जरूरत है।

अधिकारियों के अनुसार, जो दवाएं ह्यघटिया गुणवत्ताह्न की पाई गईं, उनमें फेफड़े और मूत्र मार्ग के संक्रमण (यूटीआई) के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली महत्वपूर्ण जीवन रक्षक एंटीबायोटिक जैसे सेफैलेक्सिन शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इस सूची में डेक्सामेथासोन (स्टेरॉयड) भी शामिल है, जिसका उपयोग फेफड़ों व जोड़ों में गंभीर सूजन और शरीर में सूजन को ठीक करने के लिए किया जाता है। इसके अलावा मिर्गी रोधी लेवेतिरसेटम और उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) की दवा एमलोडेपिन भी शामिल है।

उपराज्यपाल के समक्ष दाखिल सतर्कता विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, 43 दवाओं के नमूने सरकारी प्रयोगशाला भेजे गए थे, जिनमें से तीन मानकों पर खरी नहीं उतरीं और 12 की रिपोर्ट लंबित है। इनके अलावा 43 अन्य नमूनों को निजी प्रयोगशाला भेजा गया था, जिसमें से पांच मानकों पर खरा नहीं उतरे।

एमलोडेपिन, लेवेतिरसेटम और पैंटोप्राजोल जैसी दवाएं सरकारी व निजी दोनों प्रयोगशालाओं में मानकों पर खरी नहीं उतरीं। वहीं सेफैलेक्सिन और डेक्सामेथासोन निजी प्रयोगशालाओं में हुए परीक्षणों में घटिया साबित हुईं।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने इस मामले को लेकर शहर के स्वास्थ्य सचिव के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

### अस्पतालों से एकत्र किए गए 43 नमूनों में से पांच को एनएसक्यू घोषित किया गया

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के अस्पतालों में घटिया गुणवत्ता वाली दवाओं की आपूर्ति की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने के आदेश के बीच स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को कहा कि तीन अस्पतालों से एकत्र किए गए दवाओं के 43 नमूनों में से केवल पांच को मानकों पर खरा नहीं पाये जाने की घोषणा की गई।

भारद्वाज ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आधिकारिक रिपोर्ट में एनएसक्यू या मानक गुणवत्ता की नहीं जैसे शब्दों का कई बार इस्तेमाल किया गया है और इसमें हीं भी यह उल्लेख नहीं किया गया है कि दवाएं नकली हैं। उन्होंने कहा, आप इसे आधिकारिक तौर पर इस तरह नहीं लिख सकते क्योंकि ऐसा नहीं था।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों में घटिया दवाओं की आपूर्ति के मामले की जांच सीबीआई से कराने का आदेश दिया है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पिछले वर्ष दिसंबर में दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के.सक्सेना ने गृह मंत्रालय से मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी।

## स्कूटी सवार बदमाशों ने छात्र को गोली मारी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

भलस्वा डेरी इलाके में स्कूटी सवार बदमाशों ने 11वीं के छात्र को गोली मार दी। घटना गुरुवार देर रात की है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। हमलावरों में जहांगीरपुरी दंगों में गिरफ्तार एक शख्स के दो बेटे भी शामिल हैं। 11वीं का छात्र आर्यन सी ब्लॉक जहांगीरपुरी में रहता है। उसकी मां गृहणी और पिता दर्जी हैं। वह गुरुवार देर रात घर के बाहर अलाव सेक रहा था, तभी उसका दोस्त अरमान अपने साथ उसे स्कूटी पर लेकर भलस्वा आ गया। इसी इलाके में स्कूटी सवार तीन युवकों नें फायरिंग कर दी, जिसमें पीछे बैठे आर्यन को दो गोली लग गई। हमलावरों ने क्यों गोली मारी, यह पता नहीं लग पाया है। एक राहगीर ने पुलिस को वारदात की सूचना दी थी। घायल को बाबूजगजीवन राम अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन गंभीर हालत के चलते उसे एलएनजेपी अस्पताल भेज दिया गया। खबर लिखे जाने तक गोली नहीं निकाली जा सकी थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जहांगीरपुरी दंगों में शामिल जहागीरपुरी सी ब्लॉक निवासी एक शख्स के दो बेटे भी इस हमले में शामिल हैं। इनकी तलाश में छापेमारी की जा रही है।

## शुक्रवार को बिजली की डिमांड 5559 मेगावाट तक पहुंची, इस सीजन में रही सर्वाधिक

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राजधानी दिल्ली में इस सीजन में बिजली की डिमांड शुक्रवार को 5559 मेगावाट तक पहुंच गई। 5 जनवरी 2024 को सुबह 11 बजे बिजली की सर्वाधिक डिमांड दर्ज की गई। वहीं आने वाले दिनों में बिजली की डिमांड 5700 मेगावाट तक पहुंचने की संभावना है। हालांकि बिजली कंपनी की तरफ से दावा किया गया है कि राजधानी में बिजली की कोई कमी नहीं होगी। राजधानी दिल्ली में भीषण ठंड पड़ रही है वहीं दूसरी तरफ बिजली की डिमांड भी लगातार बढ़ रही है। इस बीच बिजली की डिमांड ने शुक्रवार को सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। पीक आवर में बिजली की डिमांड 5559 मेगावाट तक पहुंच गई। जानकारी के मुताबिक सर्दियों में यह अब तक की सबसे अधिक डिमांड है। एक तरफ जहां बीआरपीएल के क्षेत्र में बिजली की मांग 2379 मेगावाट हो गई वहीं दूसरी तरफ आईपीएल क्षेत्र में बिजली की मांग 1103 मेगावाट पहुंच गई। कुल मिलाकर इस सर्दी में दिल्ली की सर्वाधिक मांग 5700 मेगावाट तक पहुँच सकती है। इससे पहले 6 जनवरी 2023 को बिजली की सबसे अधिक डिमांड थी। उस वक्त बिजली की मांग 5226 मेगावाट पहुंची थी। वहीं पिछले कुछ सालों की बात करें तो 2018-19 में यह डिमांड 4457 मेगावाट, 2019-20 में 5343 मेगावाट जबकि 2020-21 में यह मांग थोड़ी घटी और 5021 मेगावाट तक रही। जबकि 2021-2022 में यह मांग बढ़कर 51004 मेगावाट और 2022-23 में यह मांग 5226 मेगावाट तक पहुंच गई। बिजली कंपनी बीएसईएस ने बिजली की डिमांड को पूरा करने के लिए पहले से तैयारी कर ली है। अभी यही जानकारी दी जा रही है कि राजधानी में बिजली की कोई कमी नहीं रहेगी। जानकारी के अनुसार विभिन्न पावर प्लांट से लॉन्ग टर्म के आधार पर मिलने वाली नियमित बिजली के अलावा इस बार दिल्ली के लोगों को पूरी मात्रा में अक्षय ऊर्जा भी मिलेगी। पहले के सालों में इतनी तकनीकी नहीं होने की वजह से बिजली की खपत का सही-सही अनुमान नहीं लग पाता था। लेकिन अब तकनीक के माध्यम से बिजली की डिमांड में जो भी उतार-चार होता है उसकी जानकारी मिलती रहती है। अनुमान लगाते वक्त वेदर फोरकॉस्टिंग तकनीक का भी इस्तेमाल किया जाता है। बिजली की डिमांड का सही अनुमान लगाने के लिए बीएसईएस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग की भी मदद ली है।

## संक्षिप्त खबरें

### आटो से से तीन हजार बोतल शराब जब्त

मुजफ्फरपुर ।उत्पाद विभाग की टीम ने मैठी टोल प्लाजा के पास से आटो से पंजाब निर्मित तीन हजार बोतल रायल ग्रीन शराब जब्त की है। उत्पाद की टीम ने जिले में इस शराब को पहली बार पकड़ा है। यह शराब हरे रंग की प्लास्टिक की बोतल में 90 एमएल के पैक में थी। इसे 50 लीटर के प्लास्टिक के गैलन में रखा गया था। प्रति गैलन में 300 बोतलें रखकर उसे सील किया गया था। जांच में पता चला कि जीरोमाइल स्थित एक टाइल्स शोरूम के पास टांसपोर्ट में शराब आई थी। शराब सोनीपत से मंगाई गई थी। उत्पाद विभाग को टांसपोर्ट से स्प्रिंट मंगाए जाने की सूचना मिली थी। इस सूचना के बाद त्वरित कार्रवाई कर जीरोमाइल के रास्ते मैठी टोल प्लाजा तक अभियान चलाकर आटो को पकड़ा गया। शराब के साथ आटो जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में चालक की पहचान कांटी पानापुर के राजूकुमार के रूप में हुई है।

### एक फरार वारंटी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

सौरबाजार/ सहरसा- प्रखंड क्षेत्र के चन्दौर पश्चिमी पंचायत स्थित समदा गांव से एक फरार अभियुक्त को सौर बाजार पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जानकारी अनुसार समदा गांव निवासी परमानंद यादव के पुत्र सिकंदर यादव के विरुद्ध एक कांड में न्यायालय से वारंट निर्गत था। सौरबाजार पुलिस ने गुप्त सूचना पर बीती रात छापेमारी कर घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

# तीन सूत्री मांगों को लेकर महागठबंधन जयनगर ने दिया महाधरना

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी महागठबंधन जयनगर के द्वारा द्वारा रेल प्रशासन जयनगर के जनविरोधी व महादलित विरोधी नीतियों तथा कर्तव्यहीन व्यवहार के खिलाफ डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के स्मारक शहीद चौक जयनगर के समक्ष सैकड़ों लोगों के साथ महाधरना दिया गया।स्थल पर जदयू नेता राम विनोद सिंह के अध्यक्षता सभा आयोजित किया गया जिसका संचालन भाकपा-माले प्रखंड सचिव भूषण सिंह ने किए सभा को संबोधित करते हुए महागठबंधन जयनगर के नेताओं ने रेल प्रशासन के जनविरोधी नीतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जयनगर के अंतर्गत रेल्वे भूमि से रेल प्रशासन के द्वारा 6 एवं 7दिसंबर को अतिक्रमण हटाया गया था । अतिक्रमण हटाने के दौरान बिहार सरकार को बदनाम करने के नियत से रात्रि में व वर्षा के दौरान महादलित परिवारों को अपमानजनक व्यवहार तथा प्रताड़ित कर झोपड़ी पर बुलडोजर चलाया गया है और सार्वजनिक उपयोग होने वाले चापा कल जल जीवन हरियाली योजना के तहत पेड़ के नीचे जन उपयोग हेतु सरकार के द्वारा निर्मित चबूतरा व मूत्रालय को बुलडोजर से तोड़ने के साथ-साथ कई हरे भरे पेड़ पौधों पर भी बुलडोजर चला कर ध्वस्त किया गया है । अतिक्रमण हटाने के दौरान माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के फोटो के साथ जल जीवन हरियाली से संबंधित लगाए गए पोस्टर पर बुलडोजर चलाने के दौरान फ्ढक्रू जयनगर के र.क राजकुमार सिंह एवं रोहित कुमार और क्ढह शैलेन्द्र झा के द्वारा माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के उपरअसंसदीय आपत्तिजनक टिप्पणी गाली किया गया है ।अतिक्रमण हटाने के दौरान रेल प्रसाशन के द्वारा जनविरोधी अमानवीय व्यवहार तथा कर्तव्यहीनता का परिचय देने का काम किए है।जिसका महागठबंधनजयनगर सामूहिक तौर पर जनविरोधी करार देते हुए तीव्र निन्दा करती हैं माननीय राज्यपाल बिहार के आदेशानुसार सड़क के किनारे पेट्रोल पंप पार्किंग इचार्जिग वर्कशॉप गैरेज शौचालय मूत्रालय एवं आम जनता को विभिन्न प्रकार की सुविधाएँ मुहैया कराने हेतु गजट के साथ मुख्य सचिव बिहार, नगर विकास बिहार जिलाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारीयों के नाम आदेश पत्र जारी किया गया है। और डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के स्मारक शहीद चौक जयनगर के समक्ष सैकड़ो समर्थकों के साथ महाधरना के माध्यम से निम्नलिखित मांग बिहार सरकार को बदनाम करने के नियत से वर्षा व रात्रि में महादलित परिवारों को अपमानित कर झोपड़ी तोड़ने और माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी का नाम लेकर आप त्तिजनक टिप्पणी गाली) देने वाले जनविरोधी कर्तव्यहीन फ्ढक्रू जयनगर के र.क राजकुमार सिंह एवं रोहित कुमार और क्ढह शैलेन्द्र झा पर अबिलम्ब आवश्यक कार्रवाई करने जन उपयोगी सार्वजनिक संपत्ति चापाकल मूत्रालय पेड़ों के निचे निर्मित चबूतरा और दर्जनों हरे-भरे पेड़ पौधों को अनावश्यक तोड़वाने वाले क्ढह शलेन्द्र झा के निजी वेतन से निर्माण कराने उक्त जनविरोधी कर्तव्यहीन रेल प्रशासन के विरोध करने वाले महागठबंधन के कार्यकताओं व समर्थकों पर झूठा मुकदमा दर्ज करने कि रचि जा रहे साजिशों पर रोक लगाने की माँग किया गया। सभा कोसभा को राजद के खजौली विधानसभा के विधायककथ पूर्व विधायक सीताराम यादव जदयू नेता मुख्य पार्षद कैलाश पासवान राम विनोद सिंह भाकपा-माले प्रखंड सचिव भूषण सिंह जदयू के अध्यक्ष राजकुमार सिंह राजद के प्रखंड अध्यक्ष उमेश यादव कांग्रेस के प्रखंड कार्यकारिणी अध्यक्ष नित्यानंद झा भाकपा के शहर मंत्री शवण साह राजद के प्रदीप प्रभाकर कांग्रेस के अनुरंजन सिंह जदयू नगर अध्यक्ष मनोज सिन्हा जिला अध्यक्ष हीरा मांझी जहांगीर सुजीत यादव भाकपा के पूर्व अंचल मंत्री नरेश ठाकुर माले के मुस्तफा रशीद तस्लीम राजद राजेश सिंह गंगा चौधरी अंसारी फुलो देवी राजद अनिला पासवान रामाशीष राम रंजीत गुप्ता वार्ड पार्षद विनोद शर्मा नजाम नोशाद वकिल बैठा अहमद धर्मेन्द्र यादव शौकत अली अवधेश सिंह।

# उत्तर बिहार के जिलों में आज और कल बूंदाबांदी की सम्भावना

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मध्यम गरज वाले पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उतर बिहार के प्रायः सभी जिलों में 6 एवं 7जनवरी को बूंदाबांदी की सम्भावना है ।यह जानकारी डाक्टर राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के मऔसमईय वेधशाला के हवाले से दी गई है। मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम क्रमशः 20.3 एवं 8.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 98 प्रतिशत सुबह में एवं हवा की औसत गति 39 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 0.6 मि०मी० तथा सूर्य प्रका घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमा दोपहर में 24.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा तथा र कुहासा देखा गया। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डाआरपीसीएयू पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वार। जारी 6-10 जनवरी, तक के मौसम पूवार्नुमान के अनुसार,पूवार्नुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम गरज वाले पष्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 6-7 जनवरी के आस-पास उत्तर बिहार के लगभग सभी जिलों हल्की वर्षा या बूंदा-बूंदी हो सकती है। हालांकि पूवार्नुमानित के अन्य दिनों में आमतौर पर मौसम के शुष्क रहने की सम्भावना है। इस अवधि मेंअधिकतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 से बीच रह सकता है। सुबह में मध्यम से घने कुहासा छा सकता है। औसतन 2 से 3 कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है। सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है। किसानों को सलाह दी गई है कि मौसम की यह स्थिति आलू के फसल की पिछेता झुलसा बीमारी के लिए बेहद अनुकूल है, इस परिस्थिति में सभी दी जाती है कि जिन किसान भाईयो की आलू की फसल में अभी पिछेता झुलसा बीमारी प्रकट नहीं हुई है क्लोरोथेलीनील युक्त फफूंदनाशक दवा का 02-0.25 प्रतिशत की दर से अर्थात 2.0-2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी जिन खेतों में बीमारी आ चुकी उनमें किसी भी सिस्टमिक फफूंदनाशक साईमोक्सानिल मेल्कोजेब या फेनोमिडोन में का 3.0 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। फफूंदनाशक को दस दिन के अंतराल पर दोहराया जा सकता है । संक्रमण की तीव्रता के आधार पर इस अंतराल को घटाया या बढाया जा सकता है ।

# दस विकेट से रौंदकर मुरलिया पहुंची सेमीफाइनल में

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी आरएनजे डिग्री कॉलेज ग्राउंड रामपुर मधवापुर में खेले जा रहे वीर शिवाजी टी ट्वेंटी क्रिकेट कप सीजन 7 के क्वॉर्टर फाइनल मुकाबले में शुक्रवार को मुरलिया ने मधवापुर को दस विकेट से रौंदकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया। मैच में टॉस जीतकर मधवापुर के कप्तान राहुल ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। जहाँ मधवापुर की शुरूआत काफी धीमी रही और मुरलिया मैच में हावी रही। फिर भी राहुल चौधरी के 15, मोजाहिद के 12 एवं रंजन के 10 रनों के बदौलत मधवापुर की टीम 15.5 ओवर में 76 रनों के स्कोर पर ऑल आउट हो गई। मुरलिया की ओर से गेंदबाजी में कप्तान विशाल राज ने 4 जबकि मोहित और देवाशीष ने 2-2 विकेट लिया।इसके जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुरलिया की टीम ने 6.1 ओवर में बिना किसी विकेट के नुकसान पर 78 रन बनाकर मैच को 10 विकेट के भारी अंतर से जीत लिया। जिसमें चिरंजीवी ने 54 जबकि अंकित कुमार ने 14 रनों का योगदान दिया। मधवापुर की ओर से गेंदबाजी में किसी भी गेंदबाज को कोई विकेट नहीं मिला। मैच का मैन ऑफ द मैच मुरलिया टीम के कप्तान विशाल राज को मिला जिन्होंने 2.5 ओवर में 11 रन देकर 4 विकेट हासिल किया। जिन्हें आयोजन समिति के संयोजक अमिंद्र मिश्र बबलू, उपाध्यक्ष पीतांबर मिश्र, सचिव राजेश साह एलआईसी, उपसचिव अतीबुल रहमान, व्यवस्थापक शैलेंद्र साह, कमेंटेटर समीर आजाद, ओमप्रकाश, स्कोरर प्रियांश आदि द्वारा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। अब टूनामेंट में शनिवार को तीसरे क्वॉर्टर फाइनल मुकाबले में नानपुर और रांची की टीमों के बीच जबकि रविवार को नेपाल के रौतहट और झंझारपुर के बीच मुकाबला खेला जाएगा।

# लोक कलाकार सुनील हुए सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । लोक कलाकार सुनील कुमार को संगम जीविका महिला विकास सवावलंबी सहकारी समिति खबड़ा द्वारा सम्मानित किया गया।अखिल ग्रामीण युवा विकास समिति द्वारा मुजफ्फरपुर के मुसहरी, मड़वन,कांटी में वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण दिया जा रहा हैं जिसमें छोटी छोटी बचत को प्रोत्साहित करने से लेकर सरकारी योजनाओं जिसमें, जन धन खता ,सुकन्या समृद्धि योजना ,अटल पेंशन योजना प्रधानमंत्री मुद्रा योजना,प्रधानमंत्री स्वनिधि स्कीम,प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत बीमा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना को लेकर लोगो को जागरूक किया जा रहा हैं साथ ही मोबाइल बैंकिंग ,फ्रॉड स्कैम से बचने को लेकर प्रशिक्षित किया जा रहा हैं। संगम जीविका महिला विकास सवावलंबी सहकारी समिती ली0 खबड़ा की मास्टर बुक्कीपर मीना दीदी आशा दीदी, विनीता, चंदा, रीना, पूनम दीदी के हाथों संयुक्त रूप से लोक कलाकार सुनील कुमार को सम्मनित किया गया। अखिल ग्रामीण युवा विकास समिति के सचिव सुबोध कुमार पांडेय, मास्टर ट्रेनर सत्यप्रकाश,सरला श्रीवास सामाजिक सांस्कृतिक शोध संस्थान की संरक्षक कांता देवी, विजय मिश्र,सरला श्रीवास युवा मंडल की सचिव अदिति ठाकुर,संरक्षक भोला साह,सदस्य पुर्णिमा मिश्र,ज्योति मिश्रा,सरला श्रीवास सोशल कल्चरल रिसर्च फाउंडेशन अध्यक्ष धीरज कुमार, किलकारी बाल केंद्र की समन्वयक आरती कुमारी,परफैक्ट सॉल्यूशन सोसाइटी के सचिव अनिल कुमार ठाकुर,अमन चिल्ड्रेन स्कूल के प्राचार्य बबिता ठाकुर ,सेवादार मंच के अविनाश कुमार न्यू एज कोचिंग संस्थान के संचालक संतोष कुमार,ग्राम वार्ड निर्माण समिति के अध्यक्ष आनंद पटेल ने संगम जीविका महिला विकास सवावलंबी सहकारी समिती ली0 द्वारा लोक कलाकार सुनील कुमार को सम्मानित होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

# दिव्यांग लाभुकों को दिया गया बैटरी ट्राइसाइकिल व लाभुकों के बीच किया गया कंबल वितरण

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी बुनियाद केंद्र पर आज 24 दिव्यांग लाभुकों को बैटरी ट्राइसाइकिल दिया गया। साथ ही 35 लाभुकों के बीच कंबल का भी वितरण किया गया।जिला अधिकारी अरविंद कुमार वर्मा के निदेर्शानुसार यह वितरण बेनीपट्टी अनुमंडलीय बुनियाद केंद्र से किया गया।बेनीपट्टी अनुमंडल के 40 लाभुकों को कॉल करके बुलाया गया जिसमे से 24 लाभुक ट्राइसाइकिल लेने आए।वितरण ए डी एसएस आशीष अमन एवम प्रखंड विकास पदाधिकारी बेनीपट्टी के द्वारा हरी झंडी दिखा कर किया गया।वितरण के पहले लाभुकों को ट्राइसाइकिल चलाने का प्रशिक्षण भी दिया गया जिसके पश्चात ट्राइसाइकिल वितरण किया गया। ठंड एवम शीतलहर को देखते हुए लाभुकों के बीच कंबल का भी वितरण किया गया।

# मंदिर की तस्वीर एव रामलला की मूर्ति की पत्र वितरण को लेकर निकली राम भक्त की जत्था

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी खजौली श्री श्री 108 रामजानकी मंदिर दतुआर में रखे श्रीराम लला की पूजित अक्षत कलश को गुरुवार को रामजानकी मंदिर के संचालक समिति सह अध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह रामजानकी मंदिर के सचिव राम विनय सिंह द्वारा संयुक्त से पूजित अक्षत कलश को रामजानकी मंदिर से बाहर निकाल कर राम लला के दर्जनों भक्तजनों द्वारा गाजे बाजे के साथ दतुआर पंचायत के लक्ष्मीपुर गांव में हर घर पूजित अक्षत कलश एव श्रीराम लला मंदिर की फोटो एव श्रीराम लला की मूर्ति की फोटो का वितरण किया गया. श्रीराम जानकी मंदिर दतुआर की संचालन समिति सह अध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह ने कहा कि यह पूजित अक्षत कलश एव रामलला मंदिर की फोटो मूर्ति को प्रखंड़ क्षेत्र के 14 पंचायतों के सभी वार्ड में हर घर पहुँच कर वितरण की जा रही है. उन्होंने कहा कि रामलला की पूजित अक्षत कलश वितरण के बाद सभी राम भक्त 22 जनवरी अयोध्या धाम में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने की बात बताया गया.उन्होंने कहा कि भारत देश मे जो भी हिन्दू समाज के किसी भी जाती लोग सदियों से सनातन धर्म को मानते आ रहे है. भगवान राम सभी लोगो के हिदय में बसते है. हम सभी हिन्दू श्रीराम भगवान के भक्त है.वही रामजानकी मंदिर दतुआर के सचिव राम विनय सिंह ने कहा कि श्रीराम लला की पूजित अक्षत कलश वितरण में दर्जनों राम भक्त श्राद्धालुओं को लगाया है. पूजित अक्षत कलश वितरण के साथ जय श्रीराम की नारे की गूंज से समस्त प्रखंड़ में भक्तिमय की माहौल छाया रहा.वही रामजानकी मंदिर दतुआर के संयोजक मुकेश कुमार यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम की कृपा से यह पूजित अक्षत कलश को हर घर वितरण की जा रही है.वही श्रीराम लला पूजित अक्षत कलश के प्रखंड़ संयोजक शंम्भू नाथ ठाकुर ने कहा कि श्रीराम लला पूजित अक्षत कलश में प्रतिदिन सैकड़ो राम भक्त श्राद्धालुओं द्वारा जय श्रीराम की नारे की गूंज से प्रतिदिन पुरुष,महिलाएं सभी कार्य छोड़कर पूजित अक्षत कलश वितरण में शामिल होकर भगवान रामलला में लीन हो गयी है.वही बाबूबरही विधान सभा क्षेत्र के भाजपा पार्टी के संयोजक अर्जुन सिंह ने कहा कि जिस जिस घर मे भगवान श्रीराम लला की पूजित अक्षत कलश को राम भक्त श्रद्धालुगण कलश को प्रत्येक दिन पूजा अर्चना करके 22 जनवरी को श्रीराम लला की पूजित अक्षत कलश को पूजा अर्चना कर उसी दिन अपने अपने घरों में दीप चलाकर भगवान लला की उत्सव मनाने का अपील किया. इस पूजित अक्षत कलश वितरण यात्रा में पश्चिमी मंडल भाजपा अध्यक्ष मोहन कुमार चौधरी, पूर्वी भाजपा मंडल के अध्यक्ष राम प्रवेश सिंह, भाजपा जिला मंत्री सरोज कुमार सिंह, मुखिया बबलू महतो, मुकेश कुमार यादव,सुमित कुमार सिंह नितिन सिंह,सुजीत राय संजीव मंडल श्याम कुमार छेड़ी मंडल,विकास सिंह,कुश सिंह,निखिल सिंह,मुकेश सेन,भीम सिंह,अभिनाश सेन,पंकज पासवान मन्ना जी सहित सैकड़ो भगवान राम लला श्रद्धालु भक्त जन शामिल थे।

# ग्रामीण चिकित्सकों को मिला वीपीडी का प्रशिक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खजौली के सभागार में गुरूवार को सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ ज्योतिंन्द्र नारायण की अध्यक्षता में ग्रामीण चिकित्सकों का एक दिवसीय वेक्सीन प्रिवेंटेवल डीजीज वीपीडी प्रशिक्षण हुआ . विश्व स्वास्थ्य संगठन एसएचओ के प्रशिक्षक डॉ माईल कुमार ने सभी ग्रामीण चिकित्सकों को विधिवत प्रशिक्षण दिया। जिसमें एएफपी मेस लेस डिप्थे रिया गलघोटू परट्यूसिस एवं नवजात टेंटनेस के बारे में विस्तारपूर्वक बताया. उन्होंने कहा कि पिछले छह माह के दौरान 15 वर्ष तक का कोई भी बच्चा जिसका कोई अंग किसी कारण से अचानक लुंच अथवा कमजोर पड़गया हो यदि किसी व्यक्ति को बुखार के साथ मैकुलो पैपुलर दाने बिनाफ फोल के आये हो किसी व्यक्ति को बुखार गले में दर्द या टॉसिंल का लाल होना या खांसी के साथ आवाज भारी होना टॉसिंल या उसके आस पास उजले, गहरा थक्का या झिल्ली का होना से संबंधित बीमारी एवं उसके उपचार के बारे में बताया गयां. उन्होने कहा कि इस तरह के अगर कोई मरीज मिलते हो तो उन्हें विश्व स्वास्थ्य संगठन कार्यालय मधुबनी को सूचित करने की भी अपील की गई. मौके पर डॉ मिताली डॉ रमेश पासवान डॉ साहिद एकवाल एफएम रविन्द्र ठाकुर यूनीसेफ बीएमसी कालीचरण झा बीसीएम शंभू कुमार, उपेंद्र यादव, ग्रामीण चिकित्सक बलराम यादव, हेमंत कुमार, पवन कुमार, श्रृषि कुमार, देवनारायण सिंह, रामदिनेश यादव, मनोज कुमार, संजीव कुमार, रमेश कुमार सहित अन्य उपस्थित थे.

# वार्ड सदस्य ने अपने जन्मदिन पर बच्चों के बीच किया कॉपी कलम का वितरण

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा (घैलाढ़) प्रखंड क्षेत्र के बरदाहा पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर 6 के वार्ड सदस्य अजीत यादव ने अपने जन्मदिन के अवसर पर चकला गांव के महादलित टोला स्थित हरिजन विद्यालय पहुंचकर गरीब व जरुरतमंद बच्चों के बीच कॉपी व कलम का वितरण किया। वार्ड सदस्य ने अपने जन्मदिन के मौके पर गरीब बच्चों के बीच कॉपी कलम वितरण करते हुए उन्होंने कहा कि गरीब असहाय की सेवा से बढ़कर कोई और सेवा नहीं। इनकी सेवा करने से हर मनुष्य के अंदर एक नई ऊर्जा मिलती है। बहुत कम लोग हैं जिनको ऐसी सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त होता है। बच्चों ने कॉफी कलम पाकर बेहद खुश नजर आए। मौके पर समाजसेवी विजय कुमार शर्मा, अनुराग शर्मा, अक्की एवं रमन कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्रा , शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

# कोसी-भागलपुर दियारा का कुख्यात शबनम यादव एवं अन्य दुर्दांत साथी गिरफ्तार

## कई हथियार और नशीले पदार्थ भी बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है, जहां कुख्यात एवं दुर्दांत अपराधियों के विरुद्ध चल रहे छापेमारी अभियान के दौरान पुलिस ने जिले के फुलौत ओपी अंतर्गत दियारा क्षेत्र के कुख्यात, दुर्दांत सक्रिय एवं वांछित अपराधी शबनम यादव उर्फ शबन पहलवान, रणवीर यादव, निवास यादव, बमबम यादव, मंटू मंडल को हथियार एवं गोलियों सहित नशीले पदार्थ के साथ धर दबोचा है। पुलिस की गिरफ्त में आए इन कुख्यात अपराधियों के उपर हत्या, फिरौती हेतु हत्या, हत्या के लिए अपहरण, डकैती, रंगदारी, जानलेवा हमला, अवैध आर्म्स रखने, पुलिस पर हमला, सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने तथा अपराध की योजना बनाने से संबंधित दर्जनों से ज्यादा संगीन कांड मधेपुरा एवं भागलपुर जिला में दर्ज हैं। इनके आतंक से दियारा क्षेत्र के लोगों में डर व्याप्त था, जिसकी तलाश मधेपुरा पुलिस एवं भागलपुर पुलिस कर रही थी। जानकारी देते हुए उदाकिशुनगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अविनाश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि कुख्यात अपराधी शबनम यादव उर्फ शबन पहलवान एवं उसके गिरोह के साथी बड़ी खाल चौक के पास अवैध हथियार से लैस होकर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। प्राप्त सूचना के आलोक में पुलिस अधीक्षक मधेपुरा के निदेर्शानुसार एसडीपीओ उदाकिशुनगंज के नेतृत्व में बनाए गए टीम द्वारा छापेमारी कर धर दबोचा गया। गिरफ्त में आये अपराधियों के पास से अवैध दो देसी कट्टा, चार जिंदा कारतूस, 1 किलोग्राम गांजा और 3 मोबाईल जब्त किया गया है। एसडीपीओ अविनाश कुमार ने बताया कि इन दुर्दांत अपराधियों के मधेपुरा और भागलपुर के दियारा क्षेत्र में अपराधों की लंबी फेरहिस्त है। इनकी गिरफ्तारी से दियारा क्षेत्र में अपराध को अंकुश लगेगा।

# सीएचसी में टीकाकरण कार्य की समीक्षात्मक बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी खजौली सीएचसी कार्यालय के सभागार में वुधवार को टीकाकरण कार्य की सफलता को लेकर सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. जोतीन्द्र नारायण के अध्यक्षता में सभी कर्मियों की बैठक बुलाई गयी.इस बैठक के दौरान सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा जोतीन्द्र नारायण ने कहा कि जो जो एएनएम क्षेत्र टीकाकरण दिवस के दिन विलंब से पहुचते है उनको चिन्हित कर उनका वेतन अवरुद्ध कर दिया जाएगा.साथ ही आशा एव आशा फेसिलेटर को आदेशित किये की पार्टनर एजेंसी के द्वारा क्षेत्र से तृतीया लाई जाती है तो उस आशा कर्मी का ड्यूलिस्ट एव सर्वे का भुगतान स्थिगत कर दिया जाएगा.उन्होंने आशा फेसिलेटर को शख्त निर्देश दिए कि कमजोर आशा को चिन्हित कर सर्वे एव ड्यूलिस्ट तैयार करने में मदद करें. जिस आशा फेसिलेटर की आशा कार्यकर्ता में त्रुटियां पायी जाएगी तो आशा फेसिलेटर का मान्यदेय भुगतान पर रोक लगा दिया गया.वही यूनिसेफ के बीएमसी कालीचरण झा ने कहा कि उनके द्वारा दो एचएससी का प्रवेक्षण किया गया, जिसमे पाई गयी त्रुटियों को स समय स्थल पर ही निष्पादित किया गया साथ ही प्रभारी चिकित्सा को फीड समर्पित किया गया.इस मौके पर डा. साहिद एकवाल, हेल्थ मैनेजर अर्चना भट्ट, लेखा पाल पलव्वी कुमारी, बीएमई राजन प्रसाद रजत, यूनिसेफ के बीएमसी कालीचरण झा सहित अन्य स्वास्थ कर्मी मौजूद थे।

# पढ़कर आ रही दो छात्राओं को ट्रक ने कुचला, स्थिति गंभीर

प्रात : किरण संवाददाता

घैलाढ़ (मधेपुरा) घैलाढ से गम्हरिया जाने वाली मुख्य सड़क मार्ग पर दो छात्राओं को अनियंत्रित ट्रक ने अपने चपेट में ले लिया। जिससे दोनो छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र घैलाढ़ में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज मधेपुरा रेफर कर दिया गया। दुर्घटना के बाद चालक मौके से फरार फरार हो गया। वही खलासी और ट्रक को ग्रामीणो ने पकड़ लिया। घटना की जानकारी मिलने पर घटनास्थल पुलिस पहुंचकर घटना का बारीकी से जांच करने में जुट गए। जानकारी मुताबिक दोनो छात्राएं घैलाढ स्थित एक कोचिंग सेंटर से पढ़ कर घर वापस लौट रही थी। दोनो घायल छात्रा घैलाढ पंचायत वार्ड नंबर तीन निवासी शंभू मंडल के 15 वर्षीय पुत्री प्रतिभा कुमारी और सुनिल स्वर्णकार के 16 वर्षीय पुत्री खुशी कुमारी बताया गया। ओपी अध्यक्ष श्रीकांत शर्मा ने बताया की ट्रक ओर खलासी को अपने कब्जे मे ले लिया गया है दोनो बच्ची की स्थिति ठीक नहीं है फिलहाल परिजन के द्वारा आवेदन नहीं दिया गया है।

# बढ़ते ठंड में अलाव का सहारा ले रहे हैं लोग

प्रात : किरण संवाददाता

पुरैनी (मधेपुरा) पुरैनी प्रखंड में कई दिनों से कोहरा और शीतलहर से लोगों की कंपकंपी छूट रही है। गलन भरी सर्दी से हर कोई परेशान है। कड़ाके की सर्दी से लोगों को राहत नहीं मिल पा रही। लोग दिन भर ठंड से बचाव के लिए प्रयास करते रहते हैं। लोगों का पूरा दिन अलाव, हीटर और रूम हीटर आदि के सहारे बीत रहा है। बाजार भी जल्द ही बंद हो जाती हैं। वही कड़ाके की ठंड के बीच बच्चे क्रिकेट का भरपूर आनंद ले रहे है साथ ही साथ बच्चे अलाव का सहारा लेकर ठंड काटने का प्रयास कर रहे हैं। दिसम्बर माह के अंतिम दिनों से कड़ाके की सर्दी का दौर जारी है। जिससे लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। सुबह तेज सर्दी और घने कोहरे का असर कई दिनों से चल रहा है। जिससे वाहनों की रफ्तार भी धीमी हो गई है। कुछ दिनों से लगातार सर्दी और कोहरे ने लोगों का जनजीवन प्रभावित कर दिया है।

# प्रखंड मुख्यालय के समक्ष किया गया एकदिवसीय धरना प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

आलमनगर (मधेपुरा) भूमिहीनों को बास की जमीन शीघ्र उपलब्ध कराने, पचार्धारियों को जमीन पर कब्जा दिलाने, किसानों को फसल का लाभकारी दाम देने, बढ़ते अपराध एवं भ्रष्टाचार पर रोक लगाने आदि मांगों को लेकर शुक्रवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में भाकपा कार्यकताओं ने आक्रोशपूर्ण धरना प्रदर्शन किया। अंचल मंत्री जगत नारायण शर्मा के नेतृत्व एवं पार्टी के वरीय नेता उमेश यादव की अध्यक्षता में आयोजित धरना कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाकपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य प्रमोद प्रभाकर ने कहा कि आजादी के 76 बर्ष बाद भी वंचितों गरीबों को अपनी झोपड़ी खड़ा करने के लिए बास भूमि उपलब्ध नहीं है।उन्होंने कहा कि बिहार सरकार के निर्देश के बावजूद पर्चा देने के प्रति स्थानीय प्रशासन गंभीर नहीं है।भाकपा नेता प्रभाकर ने कहा कि पर्चा के मामले में लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी, शीघ्र पंचायतवार सर्वेक्षण कराकर पर्चा निर्गत नहीं हुई तो आंदोलन को तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि धर्म के आर में बुनियादी समस्याओं को दबाए जाने की साजिश चल रही है, देश के बच्चों को मंदिर और मस्जिद नहीं, शिक्षा और रोजगार चाहिए। देश के किसान और जवान आत्महत्या करने को मजबूर हैं, बढ़ती महंगाई एवं बेरोजगारी से आम लोग त्रस्त हैं, परंतु केंद्र की मोदी सरकार हिंदू और मुसलमान करने में मस्त है। भाकपा जिला मंत्री विद्याधर मुखिया ने कहा कि केंद्र की सरकार किसानों की नहीं कारपोरेटों की है। उन्होंने किसानों के फसल का लाभकारी दाम देने पर्चा धारियों को जमीन पर कब्जा दिलाने की मांग की मांग की। पार्टी के सहायक जिला मंत्री मुकुंद प्रसाद यादव ने कहा कि मुरोत, कपसिया आदि गाँव में कटाव से विस्थापित परिवार को पुनर्वासित करने की मांग की। भाकपा नेता मोती सिंह एवं वार्ड सदस्य संघ के प्रांतीय प्रतिनिधि, भाकपा नेता रमेश कुमार शर्मा ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। वरीय नेता सागर चौधरी, बिंदेश्वरी यादव, मनोज राम, शशि शर्मा ने कहा कि गरीबों के हकमार नही चलेगा। धरना में उमेश पासवान, सागर चोधरी, मनोज राम, उमाकांत मंडल, ओंकार मंडल, ब्रह्मचारी पासवान, जनार्दन ठाकुर, धर्मेंद्र राम, अवधेश मंडल, महेंद्र यादव, वकील राम, बीरो ऋषिदेव, बम बम शर्मा, प्रकाश पासवान, राम वचन शर्मा आदि बड़ी संख्या में भाकपा कार्य कर्ता

सम्पादकीय

# चूंकि चाल सियासी है

सर्वोच्च न्यायालय की यह टिप्पणी सटीक है कि सारे आंकड़े सार्वजनिक दायरे में रखना उचित होगा, ताकि ऐसी नीतियां बन सकें, जो आम जानकारी पर आधारित हो। मगर बड़ा सवाल यह है कि क्या ऐसी नीतियां बनाना सचमुच बिहार सरकार के एजेंडे में है ?बिहार सरकार ने जातीय सर्वेक्षण के आंकड़ों के बारे में सुप्रीम कोर्ट में उलटा तर्क रखा। राज्य सरकार की तरफ से कहा गया कि सर्वे से प्राप्त आंकड़ों पर अभी काम किया जा रहा है। आंकड़ों का विश्लेषण पूरा होने के बाद उन्हें सार्वजनिक कर दिया जाएगा। यह तर्क उलटा इसलिए है क्योंकि विश्लेषण का काम पूरा हुए बिना ही नीतीश कुमार सरकार ने राज्य सरकार की नौकरियों में आरक्षण को बढ़ाकर 75 प्रतिशत कर दिया। जाहिर है, महागठबंधन सरकार का मकसद आरक्षण बढ़ाकर एक खास राजनीति संदेश देना था। इस कदम का आधार तैयार करने के लिए उसने जातीय सर्वेक्षण करवाया था। बहरहाल, अगर राज्य सरकार का मकसद सचमुच जातीय आधार पर पिछड़ेपन को दूर करना होता, तो वह पहले ईमानदारी से सारे आंकड़े सार्वजनिक दायरे में रखती- फिर उनके आधार पर सार्वजनिक बहस आयोजित की जाती। इस तरह पिछड़ापन दूर करने के लिए सूचना और समझ आधारित विकास नीति का निर्माण हो सकता था। संभव है कि इस बहस के दौरान समझ बनती कि आरक्षण में वृद्धि भी एक जरूरी कदम है। लेकिन इसके साथ कई और कदमों पर अमल करने की बात सामने आती, क्योंकि आरक्षण में बढ़ोतरी अपने-आप में पर्याप्त उपाय नहीं है।मगर बिहार की सत्ताधारी पार्टियों का मकसद जातीय भावना उभार कर चुनावी बैतरणी पार करना है। अब चूंकि एक जन हित याचिका के जरिए मुद्दा सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है, तो प्रदेश सरकार को न्यायिक निर्णय का इंतजार करना होगा। इस बीच सर्वोच्च न्यायालय की यह टिप्पणी सटीक है कि सारे आंकड़े सार्वजनिक दायरे में रखना उचित होगा, ताकि राज्य सरकार ऐसी नीतियां बना सके, जो आम जानकारी पर आधारित हो। मगर बड़ा सवाल यह है कि क्या ऐसी नीतियां बनाना सचमुच बिहार सरकार के एजेंडे में है? अगर ऐसी नीतियों पर सचमुच अमल करना हो, तो शिक्षा, स्वास्थ्य, और जन कल्याण से संबंधित उसके मौजूदा कार्यक्रमों में बुनियादी बदलाव करने होंगे। इस दरम्यान कई ऐसे सवाल उठेंगे, जिससे सत्ताधारी दलों के लिए असहज स्थितियां बनेंगी। दरअसल, चूंकि ये दल वैसे सवालों का सामना नहीं करना चाहते, इसलिए ही उन्होंने शॉर्टकट का सहारा लिया है।

# हिंदुत्व से आगे भी भाजपा का दांव

**अजीत द्विवेदी**

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जो माहौल बना है उसी के असर में अगले लोकसभा चुनाव की संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है। वैसे लोग जो मंदिर के कार्यक्रम का प्रत्यक्ष विरोध नहीं कर रहे हैं लेकिन इसके राजनीतिक इस्तेमाल और असर से चिंतित हैं वे सोशल मीडिया में इसे लेकर तंज कर रहे हैं। वे लिख रहे हैं कि फॉक्सकॉन की फैक्टरी गुजरात में लगेगी, टाटा-एयरबस की फैक्टरी गुजरात में लगेगी, टेस्ला की भी फैक्टरी गुजरात में लगेगी, बुलेट ट्रेन गुजरात में चलेगी और उत्तर प्रदेश में मंदिर बनेगा! इन कटाक्ष के जरिए यह नैरेटिव बनाने का प्रयास हो रहा है कि समूचे उत्तर भारत में हिंदू आस्था को उभार कर वोट की राजनीति हो रही है, जबकि औद्योगिक विकास और रोजगार की व्यवस्था गुजरात में की जा रही है।यह भी कहा जा रहा है कि उत्तर प्रदेश और बाकी हिंदी पट्टी के राज्यों के युवाओं को गुजरात जाकर ही नौकरी करनी है क्योंकि नरेंद्र मोदी की सरकार उत्तर भारत में रोजगार के अवसर पैदा करने वाले उद्योग नहीं लगवा रही है। एक स्तर पर यह बात सही है और निश्चित रूप से युवाओं को एक समूह को यह बात अपील भी करती होगी। लेकिन क्या यह बात व्यापक हिंदू समाज को प्रभावित कर पाएगी? यह मुश्किल लगता है क्योंकि मंदिर और आस्था का मामला मोदी और भाजपा के चुनावी दांव का सिर्फ एक पहलू है।नरेंद्र मोदी ने मंदिर के कार्यक्रम को सिर्फ हिंदू आस्था और मंदिर मुद्दे तक सीमित नहीं रहने दिया है। उन्होंने आस्था के साथ हिंदू गौरव को जोड़ दिया है और उसके साथ आधारभूत ढांचे के विकास, रोजगार की संभावना और शहरों के सौंदर्यीकरण को भी शामिल किया है। इसके साथ साथ विश्वकर्मा योजना के जरिए जातियों को साधने की व्यवस्था की गई है और लाभार्थियों को शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले 30 दिसंबर के अयोध्या दौरे में अपने चुनावी दांव की एक झलक दिखलाई। उन्होंने करीब 16 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया तो रामभक्तों को याद दिलाया कि रामलला साढ़े पांच सौ साल बाद अपने घर में विराजमान होने जा रहे हैं। ध्यान रहे प्रधानमंत्री बार बार एक हजार साल की गुलामी की याद दिला रहे हैं और देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्ति दिलाने का दावा कर रहे हैं तो दूसरी ओर पांच सौ साल बाद रामलला के विराजमान होने की बात भी कह रहे हैं।पांच सौ साल के बाद रामलला के विराजमान होने की बात कहने के साथ ही प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि सिर्फ रामलला को घर नहीं मिला है, बल्कि देश के चार करोड़ लोगों को भी अपना आवास मिला है। इसके बाद वे मुफ्त रसोई गैस की उज्ज्वला योजना की 10 करोड़वीं लाभार्थी के घर गए और टूटे-फूटे घर में बैठ कर चाय पी। सोचें, यह कितना मजबूत नैरेटिव है? लाभार्थी के इस नैरेटिव ने पिछले लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को बहुत फायदा पहुंचाया था। उसके बाद से तो कई योजनाएं ऐसी चली हैं, जिनका सीधा लाभ करोड़ों लोगों तक पहुंच रहा है। पिछले चुनाव के समय ही किसान सम्मान निधि की शुरूआत हुई थी, जो अभी तक चल रही है और कोरोना महामारी के बाद 80 करोड़ लोगों को पांच किलो मुफ्त अनाज की योजना शुरू हुई थी, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने पांच साल के लिए बढ़ाने का ऐलान कर दिया है। सो, चार करोड़ लोगों को घर, उज्ज्वला योजना के लाभार्थी के घर की चाय और पांच किलो मुफ्त अनाज पा रहे 80 करोड़ लाभार्थियों को हिंदू गौरव से जोड़ कर मोदी ने जो दांव चला है उसकी क्या काट विपक्षी गठबंधन के पास है?बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या के पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया। वहीं से दो अमृत भारत ट्रेन और छह वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद उन्होंने अयोध्या हवाईअड्डे का उद्घाटन किया, जिसका नाम महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा अयोध्याधाम रखा गया है। मोदी विरोधी तकनीकी खामी निकाल कर बता रहे हैं कि हिंदू धर्म में धाम तो चार ही है मोदी सरकार अयोध्या को धाम बना कर गलत कर रही है। लेकिन उनकी नजर इस पर नहीं जा रही है कि इस हवाईअड्डे की मदद से बुनियादी ढांचे के विकास का कैसा मैसेज बना है और महर्षि वाल्मिकी के नाम पर इसके नामकरण से दलित समुदाय की एक बड़ी जाति के अंदर गर्व का कैसा भाव पैदा हुआ है! रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के बहाने व्यापक हिंदू समाज को साधने की कोशिशों के साथ साथ हिंदू समाज के अंदर के जातीय विभाजन को भी एड्रेस करने का प्रयास इसके जरिए हुआ है।भव्य राममंदिर के निर्माण के साथ साथ पहले दिन से यह प्रचार किया जा रहा है कि अयोध्या को अंतरराष्ट्रीय शहर के तौर पर विकसित किया जा रहा है, जहां दुनिया भर से लोग रामलला के दर्शन करने आएंगे। इसके लिए नए स्टेशन और नए हवाईअड्डे बनाए जा रहे हैं। शहर के आसपास विकास की बड़ी गतिविधियां चल रही हैं। होटल्स बन रहे हैं और बुनियादी ढांचे का विकास किया जा रहा है। इसका यह फायदा समझाया जा रहा है कि इससे नौजवानों के लिए रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। ध्यान रहे भाजपा राममंदिर के उद्घाटन के बाद देश भर से रामभक्तों को अयोध्या में दर्शन कराने का अभियान छेडे वाली है। तीर्थयात्रियों की जितनी अधिक संख्या होगी व्यापार की संभावना उतनी ज्यादा बढ़ेगी। यह अलग बात है कि उद्योग लगने से ज्यादा सम्मानजनक और स्थिरता वाला रोजगार मिलता है, जो गुजरात के लोगों को मिल रहा है। उसके मुकाबले कम सम्मानजनक रोजगार उत्तर प्रदेश के लोगों को मिलेगा लेकिन उस रोजगार के साथ आस्था और हिंदू गर्व की भावना भी जुड़ी है।सो, अगले लोकसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के रणनीतिक दांव में सिर्फ आस्था, हिंदुत्व या राष्ट्रवाद का मामला नहीं है। उसके साथ अलग-अलग तरीके से जातीय संतुलन बनाया जा रहा है, जो तीन राज्यों में मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों की नियुक्ति में भी दिखा है। पीएम विश्वकर्मा योजना के जरिए पिछड़ी और कारीगर जातियों को अवसर मुहैया कराया जा रहा है। यह भी जातिगत समीकरण के नैरेटिव का ही हिस्सा है। इसके अलावा लाभार्थी और बुनियादी ढांचे के विकास का नैरेटिव भी सेट किया जा रहा है।

# दिव्य कला मेला: दिव्यांग उद्यमियों के सामर्थ्य को सशक्त करता एक मंच

**राष्ट्र का निर्माण व्यक्तियों के समुच्चय से होता है, तो जाहिर है इसे सशक्त बनाने में सबका सहयोग भी जरूरी है। लेकिन अगर देश का कोई भी एक वर्ग इसमें किसी कारण सहयोग न दे पाए तो एक सशक्त राष्ट्र की संकल्पना अधूरी सी लगती है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इस गूढ़ बात को समझा और जाना भी। सशक्त, आत्मनिर्भर राष्ट्र के अपने दृष्टिकोण (विजन) में पीएम मोदी ने देश के हर वर्ग को जोड़ने की बात की और इसी दिशा में उन्होंने देश के 2.68 करोड़ दिव्यांगजनों को आर्थिक, सामाजिक, वैचारिक रूप से समर्थ करने की बात कही। जिसमें केंद्र सरकार से लेकर राज्य सरकार तक कई सारी योजनाओं का निर्माण और कार्यान्वयन मुख्य रहा। पीएम मोदी के दिव्यांगजनों को सशक्त करने के इस विजन को लेकर ही सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में एक नई कड़ी जोड़ने का कार्य कर रहा है। इस विभाग ने अनेक योजनाओं के माध्यम से दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कठिन पथ पर कदम बढ़ाया है। उनमें से एक महत्वपूर्ण पहल है दिव्य कला मेला। दिव्य कला मेलाः सृजन, समर्थन और रोजगार का सर्वोत्तम प्लेटफॉर्म- दिव्य कला मेला एक ऐसी पहल है जो दिव्यांग उद्यमियों और कारीगरों को उनकी कला और उद्यम का प्रदर्शन करने का एक नया मंच प्रदान करता है।**

**डॉ. वीरेंद्र कुमार**
**लेखक भारत सरकार के केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री हैं**

एक सशक्त और विकसित राष्ट्र की जब हम संकल्पना करते हैं तो उसमें हर व्यक्ति के सहयोग और श्रम को हम महत्वपूर्ण मानते हैं। राष्ट्र का निर्माण व्यक्तियों के समुच्चय से होता है, तो जाहिर है इसे सशक्त बनाने में सबका सहयोग भी जरूरी है। लेकिन अगर देश का कोई भी एक वर्ग इसमें किसी कारण सहयोग न दे पाए तो एक सशक्त राष्ट्र की संकल्पना अधूरी सी लगती है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इस गूढ़ बात को समझा और जाना भी। सशक्त, आत्मनिर्भर राष्ट्र के अपने दृष्टिकोण (विजन) में पीएम मोदी ने देश के हर वर्ग को जोड़ने की बात की और इसी दिशा में उन्होंने देश के 2.68 करोड़ दिव्यांगजनों को आर्थिक, सामाजिक, वैचारिक रूप से समर्थ करने की बात कही। जिसमें केंद्र सरकार से लेकर राज्य सरकार तक कई सारी योजनाओं का निर्माण और कार्यान्वयन मुख्य रहा।

पीएम मोदी के दिव्यांगजनों को सशक्त करने के इस विजन को लेकर ही सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में एक नई कड़ी जोड़ने का कार्य कर रहा है। इस विभाग ने अनेक योजनाओं के माध्यम से दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कठिन पथ पर कदम बढ़ाया है। उनमें से एक महत्वपूर्ण पहल है ह्लदिव्य कला मेलाह्व।

दिव्य कला मेलाः सृजन, समर्थन और रोजगार का सर्वोत्तम प्लेटफॉर्म- दिव्य कला मेला एक ऐसी पहल है जो दिव्यांग उद्यमियों और कारीगरों को उनकी कला और उद्यम का प्रदर्शन करने का एक नया मंच प्रदान करता है। इस मेले का आयोजन नई दिल्ली से लेकर देश के विभिन्न शहरों जैसे वाराणसी, भोपाल, मुंबई, गुवाहाटी, इंदौर, जयपुर, सिंकदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, पटना शहरों में हुआ है। भविष्य में सूरत, अहमदाबाद, शिमला, अगरतला, नागपुर शहरों में भी इसका आयोजन किया जाएगा।

दिव्य कला मेले में 100 से ज्यादा स्टॉल्स लगाए जाते हैं, जिनमें हस्तशिल्प, हथकरघा, एम्ब्रोएडरी के काम और डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ आदि के स्टॉल्स शामिल हैं । इस मेले के अंतर्गत दिव्यांग उद्यमियों और कारीगरों द्वारा गृह सजावट, जीवन शैली, कपड़े, स्टेशनरी, पर्यावरण के अनुकूल उत्पाद, पैकेज्ड भोजन, जैविक उत्पाद, खिलौने, उपहार, व्यक्तिगत सहायक उपकरण, आभूषण, बैग्स, पेंटिंग्स, आदि से संबंधित स्टॉल्स लगाकर अपने उत्पादों को बढ़ावा देने का एक अद्वितीय अवसर पाया। दिव्य कला मेले में देशभर के तमाम तरह के व्यंजनों का आनंद लोग ले सकें, उनके बारे में जान सकें, इसके लिए विभिन्न प्रदेशों के प्रमुख खाद्य पदार्थों के कई स्टॉल्स भी लगाए जाते हैं, जो लोगों द्वारा बेहद पसंद भी किये जाते हैं। दिव्य कला मेले में विभिन्न विषयों पर प्रदर्शनियों का भी आयोजन किया जाता है जिसके माध्यम से विभिन्न प्रकार की जानकारियां लोगों को दी जाती हैं।

रोजगार के अवसर का सृजन करता दिव्य कला मेला- दिव्य कला मेले के तहत उद्यमियों और कारीगरों को अपनी उद्यमशीलता दिखाने का अवसर प्रदान हो रहा है वहीं दूसरी तरफ मेले में लगाए जा रहे जॉब फेयर के तहत बेरोजगार युवक-युवतियों को सरकार द्वारा रोजगार के लिए चलाई गई विभिन्न योजनाओं से अवगत भी कराया जा रहा है। नई दिल्ली, जयपुर, हैदराबाद, वाराणसी, चेन्नई, बेंगलुरु, पटना में लगाए गए दिव्य कला मेले के तहत जॉब फेयर में कुल 917 उम्मीदवारों ने हिस्सा लिया और रजिस्ट्रेशन कराए जिसमें 272 लोगों को इसमे से शॉर्ट लिस्टेड कर 91 लोगों को सेलेक्ट किया गया।

एक मेला अनेक सुविधाएं- लोन की सुविधा- दिव्य कला मेले में ठउ्रक्रछ के तहत लगाए जाने वाले स्वालंबन केंद्र के तहत दिव्यांग व्यक्तियों को लोन की सुविधा भी दी जाती है, जिसका लाभ बहुत सारे दिव्यांग बंधु उठा रहे हैं। एनडीएफडीसी के तहत चेन्नई से सबसे ज्यादा 2 करोड़ 25 लाख रुपए का लोन पारित एवं वितरित किया गया। वहीं वाराणसी में आयोजित दिव्य कला मेला में 1 करोड़ 30 लाख, जयपुर में 1 करोड़, हैदराबाद में 80 लाख रुपए का लोन पारित एवं वितरित किया गया।

लाखों लोगों की पसंद दिव्य कला मेला- नव साहसी दिव्यांगजन उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए आयोजित दिव्य कला मेला को दिव्यांग व्यक्तियों के साथ- साथ समाज के हर वर्ग का समर्थन मिल रहा है। दिव्य कला मेले को मिल रहे अपार जनसमर्थन का सबूत है दिल्ली में लगे मेले में 1 लाख लोगों की उपस्थिति, वहीं मुंबई में आयोजित इस मेले में 55 हजार के करीब लोग आए। भोपाल, वाराणसी, हैदराबाद, बेंगलुरु, पटना आदि में भी हजारों लोग मेले में शामिल हुए।

मेले का स्वागत और समर्थन- देशभर में आयोजित होने वाले दिव्य कला मेला सिर्फ दिव्यांगजनों के साथ साथ आम जन द्वारा भी बेहद सराहा और पसंद किया जा रहा है। दिव्य कला मेले में लाखों की संख्या में दिव्यांग और आमजन पहुंचते हैं। दिव्य कला मेले को लेकर लोगों का यह कहना है कि सरकार की तरफ से यह एक बहुत शानदार पहल है इससे न सिर्फ दिव्यांगजनों की उद्यमिता का प्रदर्शन होता है बल्कि वोकल फॉर लोकल के थीम को भी बढ़ावा मिलता है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री हैं)

# पहले पिछली गलतियों के लिए माफी मांगे, फिर न्याय यात्रा निकाले कांग्रेस

**मध्य प्रदेश में उस समय कांग्रेस की सरकार थी और अर्जुन सिंह मुख्यमंत्री थे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 14 जनवरी को मणिपुर से भारत न्याय यात्रा करने का ऐलान किया है। पार्टी के अनुसार, भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से एकता, प्रेम और सद्भाव का संदेश फैलाने के बाद गांधी देश के लोगों के लिए न्याय मांगेंगे। राहुल गांधी 6200 किलोमीटर की यात्रा के दौरान 14 राज्यों को कवर करेंगे। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जिस कांग्रेस पार्टी ने देश के बंटवारे के फैसले से लेकर लंबे कालखंड तक तमाम अवसरों पर अन्याय किया है, वो आखिरकार किस मुंह से न्याय यात्रा निकालेगी? 1947 में देश के बंटवारे को लेकर कितने किस्से हम और आप ने सुन रखे हैं, लेकिन जिन्होंने बंटवारे में अपना घर-बाहर और अपने को खोया है, वो सिर्फ एक ही बात कहते हैं कि नेहरू की प्रधानमंत्री बनने की जिद ने बंटवारा करवाया। मेरे पूर्वजों ने भी बंटवारे का दंश सहा है। हिन्दुस्तान की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बंटवारे की पीड़ितों के साथ हर कदम पर अन्याय किया। रिफ्यूजी कैंपों की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं थी। बंटवारे के बाद कई महीनों और वर्षों तक शरणार्थियों के निवास प्रमाण पत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज नहीं बने थे।**

**डॉ. आशीष वशिष्ठ**
**लेखक वरिष्ठ पत्रकार है**

साल 1984 में दो दिसंबर की रात को भोपाल में यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से जहरीली गैस के रिसाव के असर से सरकारी आंकड़ों के हिसाब से 15 हजार लोग मारे गए और लाखों लोग घायल हुए। मध्य प्रदेश में उस समय कांग्रेस की सरकार थी और अर्जुन सिंह मुख्यमंत्री थे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 14 जनवरी को मणिपुर से भारत न्याय यात्रा करने का ऐलान किया है। पार्टी के अनुसार, भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से एकता, प्रेम और सद्भाव का संदेश फैलाने के बाद गांधी देश के लोगों के लिए न्याय मांगेंगे। राहुल गांधी 6200 किलोमीटर की यात्रा के दौरान 14 राज्यों को कवर करेंगे। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जिस कांग्रेस पार्टी ने देश के बंटवारे के फैसले से लेकर लंबे कालखंड तक तमाम अवसरों पर अन्याय किया है, वो आखिरकार किस मुंह से न्याय यात्रा निकालेगी? 1947 में देश के बंटवारे को लेकर कितने किस्से हम और आप ने सुन रखे हैं, लेकिन जिन्होंने बंटवारे में अपना घर-बाहर और अपने को खोया है, वो सिर्फ एक ही बात कहते हैं कि नेहरू की प्रधानमंत्री बनने की जिद ने बंटवारा करवाया। मेरे पूर्वजों ने भी बंटवारे का दंश सहा है। हिन्दुस्तान की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बंटवारे की पीड़ितों के साथ हर कदम पर अन्याय किया। रिफ्यूजी कैंपों की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं थी। बंटवारे के बाद कई महीनों और वर्षों तक शरणार्थियों के निवास प्रमाण पत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज नहीं बने थे। शरणार्थियों को कोई विशेष दर्जा, आरक्षण या छूट सरकार ने नहीं दी। नतीजतन, शरणार्थियों की पूरी एक पीढ़ी शिक्षा, नौकरी और तमाम अन्य क्षेत्रों में पिछड़ गई। शरणार्थियों को बंटवारे से ज्यादा दर्द और तकलीफ नेहरू सरकार की बेरूखी, बेइंसाफी और बदइंतजामी ने दिया। 31 अक्टूबर 1984 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या उनके दो सिख अंगरक्षकों ने की। इसके अगले दिन से ही दिल्ली और देश के दूसरे कुछ हिस्सों में सिख विरोधी दंगे भड़क उठे थे। इन दंगों में सिखों के घरों, दुकानों को जलाया और लूटा गया और उनको मौत के घाट उतारा गया। दिल्ली और अन्य स्थानों पर हत्यारों और लुटेरों की भीड़ का नेतृत्व ज्यादातर कांग्रेस के नेता कर रहे थे। प्रेस एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार इन दंगों में दिल्ली में ही लगभग 2700 लोग मारे गए थे और देशभर में मरने वालों का संख्या 3,500 के करीब थी। 19 नवंबर, 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री और इंदिरा गांधी के उत्तराधिकारी व उनके पुत्र राजीव गांधी ने दिल्ली बोट क्लब में इकट्ठा हुए लोगों के हुजूम के सामने कहा कि, ह्यजब इंदिरा जी की हत्या हुई थी, तो हमारे देश में कुछ दंगे-फसाद हुए थे। हमें मालूम है कि भारत की जनता को कितना क्रोध आया, कितना गुस्सा आया और कुछ दिन के लिए लोगों को लगा कि भारत हिल रहा है। जब भी कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती थोड़ी हिलती है। प्रधानमंत्री राजीव गांधी के शब्दों में कोई जिक्र नहीं था उन हजारों सिखों का जो अनाथ और बेघर हो गए थे बल्कि ये वक्तव्य उनके जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा था। दंगों के 21 साल बाद प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने संसद में इसके लिए माफी मांगी और कहा कि जो कुछ भी हुआ, उससे उनका सिर शर्म से झुक जाता है। लेकिन क्या इतना कहने भर से ही सरकार का फर्ज पूरा हो गया? क्या इससे आजाद भारत के सबसे सबसे बुरे हत्याकांड की यादें मिट गईं? सिख दंगों के दोषी कांग्रेसी नेता गांधी परिवार के खास हैं। गांधी परिवार के किसी भी सदस्य ने आज तक हजारों निर्दोष सिखों के कत्लेआम के लिए माफी नहीं मांगी है। साल 1984 में दो दिसंबर की रात को भोपाल में यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से जहरीली गैस के रिसाव के असर से सरकारी आंकड़ों के हिसाब से 15 हजार लोग मारे गए और लाखों लोग घायल हुए। मध्य प्रदेश में उस समय कांग्रेस की सरकार थी और अर्जुन सिंह मुख्यमंत्री थे। केंद्र में भी कांग्रेस की सरकार थी और राजीव गांधी देश के पीएम थे। हादसे के वक्त यूनियन कार्बाइड कंपनी का सीईओ अमेरिकी कारोबारी वारेन एंडरसन था। हादसे के 4-5 दिन बाद यानी सात दिसंबर को एंडरसन भोपाल पहुंचे थे और उन्हें हवाई अड्डे पर ही गिरफ़्तार कर लिया गया था। लेकिन उसी दिन कुछ ही घंटों के बाद उन्हें न केवल जमानत मिल गई यहां तक की मध्य प्रदेश राज्य के सरकारी विमान में उन्हें दिल्ली भेजा गया। एंडरसन उसी दिन दिल्ली से अमेरिका चले गए थे। कांग्रेस की सरकार हजारों निर्दोष देशवासियों की हत्या के दोषी को उचित दण्ड और सजा देने की बजाय उसे बचाने और भगाने में मददगार बनी। देश के संत गोहत्या पर प्रतिबंध लगाने के लिए केंद्र सरकार से कानून बनाने की मांग कर रहे थे। पीएम इंदिरा गांधी से अपनी मांग मनवाने के लिए प्रसिद्ध संत करपात्री जी महाराज के नेतृत्व में सात नवंबर 1966 को देशभर के लाखों साधु-संत अपने साथ गायों-बछड़ों को लेकर संसद के बाहर आ डटे थे। सरकार ने लोकतान्त्रिक तरीके से मांग कर रहे निहत्थे साधु-संतों की भीड़ पर गोली चलवाई, आंसू गैस के गोले छोड़े, लाठियां बरसवाईं। जिसमे सैंकड़ों साधु संतों और गोरक्षकों की जान गई। इसमें मरने वालों की संख्या पर विवाद है। इस घटना के अगले ही दिन टाइम्स ऑफ इंडिया में छपी रिपोर्ट में पुलिस की ओर से 209 राउंड फायरिंग की बात कही गयी थी। 1985 में सुप्रीम कोर्ट ने एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला शाहबानो के पति मोहम्मद अहमद खान को हर महीने गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया। लेकिन मुस्लिम कट्टरपंथियों के दबाव में आकर राजीव गांधी सरकार ने 1986 में संसद में कानून बनाकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया। इस तरह शाहबानो अदालती लड़ाई जीतने के बाद भी हार गईं। कांग्रेस की मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति ने उन्हें हरा दिया। असल में मुस्लिम बेटी को अदालत से मिला न्याय कांग्रेस की सरकार ने उससे छीन लिया। प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू द्वारा धारा 370 लगाने के बाद से जो कश्मीरी लोगों के साथ अन्याय हुआ और 90 के दशक में कांग्रेस सरकार की बदनीति के कारण जो कश्मीरी पंडित विस्थापित हुए। वो कहां का न्याय था? सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 1990 में 44167 कश्मीरी पंडित परिवारों ने घाटी छोड़ी थी। असल में कांग्रेस ने अपने राजनीतिक नफे के लिए धारा 370 को जिंदा रखा और अलगाववादी ताकतों को फटकारने की बजाय सहलाने और मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति पर बल दिया। 1971 के भारत पाक युद्ध में 93000 हजार पाकिस्तान सैनिकों ने भारतीय सेना के सामने सरेंडर किया था। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 93000 पाकिस्तानी सैनिकों को तो समझौते के मुताबिक उनके देश वापस भेज दिया। लेकिन आयरन लेडी अपनी सेना के 54 सैनिकों, अधिकारियों और लड़ाकू पायलटों को पाकिस्तान से वापस नहीं ला सकीं। सैनिक परिवार सरकार से न्याय की मांग करते रहे, लेकिन उन्हें न्याय नहीं मिला।

साल 1975 को इंदिरा गांधी ने अपने राजनीतिक हित के लिए इमरजेंसी लगाकर संविधान, कानून, राजनीतिक विरोधियों, पत्रकारों, कलाकारों, समाजसेवियों और देश की जनता के साथ जो अन्याय और अत्याचार किये उसके जख्म आज भी हरे हैं। इमरजेंसी में इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी और उनके गैंग के अत्याचार के किस्से आज भी सिहरन पैदा करते हैं।

आजादी के इन 76 सालों में लगभग 60 साल तक केंद्र और राज्यों में कांग्रेस ने शासन किया। इस कालावधि में सत्ता में बने रहने के लिए उसने एक वर्ग विशेष के तुष्टिकरण के लिए सारी सीमाएं लांघ दीं। नतीजतन दूसरे वर्गों को कदम-कदम पर अपेक्षा और अन्याय का शिकार होना पड़ा। इसलिए जब कांग्रेस न्याय यात्रा की बात करती है, तो हंसी आती है। राहुल गांधी को न्याय यात्रा शुरू करने से पहले 1947 के बंटवारे के पीड़ितों, 1984 सिख कत्लेआम के भुगतभोगियों, 1971 के युद्ध में लापता 54 सैनिकों, गोरक्षक संत करपात्री जी महाराज, इमरजेंसी के पीड़ितों, कश्मीरी पंडितों, मुस्लिम बेटी शाहबानो और भोपाल गैस हादसे के पीड़ितों से इस बात की माफी मांगनी चाहिए कि कांग्रेस उन्हें न्याय नहीं दे सकी। शायद तभी सच्चे अर्थों में न्याय यात्रा के साथ न्याय हो पाएगा।

# खूफिया जांच एजेंसियों पर सरकार का कब्जा क्यों?

**ओमप्रकाश मेहता**

हाल ही में सामने आई एक अंतर्राष्ट्रीय जांच एजेंसी की रिपोर्ट में यह चौकाने वाला खुलासा सामने आया है कि भ्रष्टाचार के मामले में हमारा भारत देश विश्व में पांचवें नम्बर पर आ गया है, अर्थात ह्यह्यपृथ्वी का स्वर्गह्लह्ल कहलाने की हमारी तमन्ना अब इस रूप में हमारे सामने आई है और इसी रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि भारत में सरकारी स्तर पर भ्रष्टाचार आम भ्रष्टाचार के मुकाबले सर्वाधिक है। इस रिपोर्ट ने विश्वस्तर पर भारत की छवि तो खराब की ही, साथ ही इस पर एक आम भारतवासी को चिंतन हेतु मजबूर भी कर दिया है।

अब यदि इस अंतर्राष्ट्रीय जांच रिपोर्ट के माध्यम से सिर्फ इस पहलू पर विचार किया जाए कि भारत में आम भ्रष्टाचार के मुकाबले सरकारी स्तर पर भ्रष्टाचार सर्वाधिक क्यों है? तो इसका जवाब हमें कई पहलुओं के तारतम्य में खोजना पड़ेगा। जिनमें से सबसे अहम् पहलू इस भ्रष्टाचार में राजनीति का योगदान है। इस विश्वस्तरीय जांच रिपोर्ट ने यह भी उजागर किया है कि भारत में सत्तारूढ़ राजनीतिक दल और उस पर विराजित राजनेता के भ्रष्टाचार का प्रतिशत सर्वाधिक याने सत्तर फीसदी से अधिक है। इस रिपोर्ट में उजागर हुए तथ्यों ने हर जागरूक भारतीय को परेशान करके रख दिया है, इसी रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि भारत में भ्रष्टाचार को रोकने, भ्रष्टाचारियों के दिल-दिमाग में भय पैदा करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) तथा केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जैसी केन्द्र स्तर पर तथा सीआईडी जैसी राज्य स्तर पर जांच एजेंसियां भी है, किंतु वे भी भारत की इस बदनामी को रोक नहीं पा रही है, इसकी एक मात्र वजह यह है कि इन खूफिया जांच एजेंसियों पर सत्तारूढ़ भ्रष्ट राजनीतिज्ञों का ही नियंत्रण है और इसलिए जांच एजेंसियां स्वतंत्रतापूर्वक अपने दायित्व का निर्वहन नहीं कर पा रही है। जबकि हमारी स्वतंत्र न्यायपालिका कई बार इस बात का रहस्योद्घाटन भी कर चुकी है।

यद्यपि अब तो न्यायपालिका के बारे में भी ऐसा ही आरोप लगने लगा है कि वह भी राजनेताओं के हाथों का खिलौना बनती जा रही है, किंतु वास्तविकता यह है कि आज भारत में प्रजातंत्र के दो अंगों न्यायपालिका व विधायिका के बीच मुख्य संघर्ष इसी बात को लेकर चल रहा है, हमारे संविधान में प्रजातंत्र के तीनों अंगों कार्यपालिका, न्यायपालिका व विधायिका के कर्तव्यों व अधिकारों का चाहे विस्तृत विश्लेषण किया गया हो किंतु सत्तारूढ़ विधायिका में विराजित राजनेता कार्यपालिका की तरह न्यायपालिका को भी अपने नियंत्रण में रखना चाहते है, जिससे कि उनकी स्वेच

## संक्षिप्त खबरें

### सहारनपुर में मुठभेड़ के बाद 25 हजार रुपये का इनामी अपराधी गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में रामपुर मनिहारान थाना पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें एक बदमाश गोली लगने के बाद घायल हो गया है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पकड़ा गया बदमाश गैंगस्टर के मामले में वांछित चल रहा था। उसके कब्जे से 1 तंमचा, 1 जिंदा कारतूस, 1 खोखा और एक बाइक बरामद हुई है। पुलिस के मुताबिक गुरुवार देर रात हुई मुठभेड़ के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान रामपुर मनिहारान थाना क्षेत्र के लंढौरा गांव निवासी साजिद उर्फ काला के रूप में हुई है। एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम गुरुवार रात करीब 10:30 बजे अंबाला देहरादून हाईवे के नीचे अंडरपास के नजदीक चेंकिग कर रही थी। इसी दौरान बाइक से दो संदिग्ध को पुलिस ने आते देखा। उसे रुकने का इशारा कयिा गया। जब पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो बदमाशों ने पुलिस पर गोली चला दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें अभियुक्त साजिद उर्फ काला के पैर में गोली लगी। एक अधिकारी ने कहा, ह्लजब पुलिस टीम ने घेराबंदी की, तो संदिग्ध पहासू गांव रोड के पास गए और पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी घायल हो गया। जबकि, उसका दूसरा साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना अपराध कबूल कर लिया। पकड़े गए आरोपी साजिद पर गोकशी, गैंगस्टर के करीब आधा दर्जन से ज्यादा मामले अलग-अलग थानों में दर्ज हैं। वह सहारनपुर जिले के थाना रामपुर मनिहारान से वांछित है और 25 हजार रुपये का इनामी अपराधी है।

### मेरठ में पुलिस मुठभेड़ में बदमाश घायल, गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के थाना कंकरखेड़ा इलाके में गुरुवार रात लुटेरे और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें गोली लगने के बाद घायल अवस्था में बदमाश को गिरफ्तार कर लिया गया। इस पर एक दर्जन से ज्यादा लूट और गैंगस्टर के मुकदमे दर्ज हैं। मेरठ के थाना कंकरखेड़ा पुलिस और एसओजी टीम हाईवे पर दायमपुर कट के पास चेकिंग कर रही थी। तभी मोटरसाइकिल से एक संदिग्ध को पुलिस ने आते देखा। उसे रुकने का इशारा कयिा। लेकिन वो मोटरसाइकिल को मोड़ कर भागने लगा। मोटरसाइकिल सवार युवक तेज गति होने के कारण फिसलकर गिर गया। वह पुलिस टीम पर अवैध असलाह से फायर करने लगा। पुलिस की जवाबी करवाई में बदमाश विपिन के पैर मे गोली लग जाने से वो घायल हो गया। उसके कब्जे से एक तमंचा 315 बोर व 1 खोखा कारतूस व 1 जिन्दा कारतूस 315 बोर व घटना मे इस्तेमाल बाइक बरामद हुई है। अभियुक्त विपिन 25 हजार रुपए का इनामी बदमाश है, आरोपी पर लूट और गैंगस्टर के करीब 15 मामले दिल्ली, नोएडा, मेरठ में दर्ज हैं। बदमाश की अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

### यूपीएसआरटीसी की बसों में बजेंगे राम भजन

उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग ने निर्देश दिया है कि 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर के अभिषेक समारोह में उत्साह बढ़ाने के लिए अयोध्या आने-जाने वाली सभी बसों में विभिन्न प्रकार के राम भजन बजाए जाने चाहिए। यूपीएसआरटीसी के पीआरओ अजीत सिंह ने कहा कि अयोध्या से गुजरने वाली लगभग 1,500 बसों में सार्वजनिक संबोधन प्रणालियां लगाई जा रही हैं, जिन पर 22 जनवरी तक यह भक्ति संगीत बजाया जाएगा। इसके अलावा, टैक्सी और पर्यटक बस चालकों को निर्देश दिया गया है कि वे उस समय अपने व्यवसाय को ठीक से संचालित करें। इसके अलावा, आने वाले यात्रियों की सहायता और सुरक्षा चिंताओं पर ध्यान देने के लिए अयोध्या के 200 किमी के बीच सभी मार्गों पर इंटरसेप्टर वाहन तैनात किए जाएंगे। यह पहली बार है कि सरकारी बसों में आधिकारिक तौर पर भक्ति गीत बजाए जाएंगे।

# 165 एकड़ में विकसित हो रहे 40 मेगावाट सौर ऊर्जा प्लांट के जरिए अयोध्या बनेगा स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन का रोल मॉडल

अयोध्या, एजेंसी

नव्य अयोध्या के माझा रामपुर हलवारा ग्राम में 40 मेगावाट बिजली उत्पादन करने में सक्षम सोलर पावर प्लांट के विकास व संचालन का कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुसार 200 करोड़ रुपये की लागत से 165 एकड़ में सोलर पावर प्लांट का विकास व संचालन किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) को 30 साल की लीज पर जमीन उपलब्ध कराई गई है। इस भूक्षेत्र पर यूपीनेडा द्वारा एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड से प्लांट संचालन के लिए अनुबद्ध किया गया है तथा प्लांट के संचालन व विकास के लिए एनटीपीसी द्वारा पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) के तहत जैक्सन सोलर को आबद्ध किया गया है, जो कि सोलर पैनल उत्पादनकर्ता होने के साथ ही देश में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में कार्यरत बड़ी कंपनियों में शुमार है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के हेड ऑफ प्रोजेक्ट व अपर महाप्रबंधक रतन सिंह ने इस परियोजना के बारे में बताया कि इस सौर ऊर्जा प्लांट की कुल क्षमता 40 मेगावाट बिजली उत्पादन की होगी और इससे प्रति वर्ष 8.65 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन होगा। इस प्रोजेक्ट की कुल लागत 200 करोड़ है तथा 165 एकड़ में अवस्थित प्लांट के विकास का कार्य जैक्सन सोलर को सौंपा गया है। इस प्लांट में कुल मिलाकर 550 व 555 वॉट बिजली उत्पादन से युक्त 1,04,580 सोलर पैनल्स इंपैनल्ड हैं। प्लांट का 22 जनवरी को उद्घाटन प्रस्तावित है। यह 10 मेगावॉट बिजली उत्पादन के शुरूआती प्रतिमान के अनुरूप कार्य करने में सक्षम हो गया है। उद्घाटन के बाद इसे जल्द ही पूरी क्षमता के साथ भी संचालित कर दिया जाएगा। पूरी क्षमता से संचालित होने पर यह प्लांट अयोध्या की कुल विद्युत खपत का 10 प्रतिशत पूरा कर सकेगा। प्लांट से बनने वाली विद्युत ऊर्जा को दर्शननगर सब स्टेशन तक 132\33 केवी ओवरहेड पावर लाइन के जरिए प्रवाहित किया जाएगा। फिलहाल प्लांट में चलते कार्यों के दृष्टिगत करीब 300 लोगों के वर्क फोर्स को डिप्लॉय किया गया है, वहीं एक बार पूर्ण हो जाने पर प्लांट के संचालन के लिए केवल 15-20 लोगों की ही जरूरत होगी, जिसमें टेक्निकल स्टाफ व हैंडलिंग स्टाफ मुख्य होगा। यूपीनेडा के परियोजना अधिकारी प्रवीण नाथ पाण्डेय ने बताया कि सीएम योगी के नव्य-भव्य अयोध्या विजन को साकार करने के साथ ही यह प्रोजेक्ट किफायती तथा पर्यावरण अनुकूल भी होगा। उनके अनुसार, कोयले से होने वाले बिजली उत्पादन की अपेक्षा यहां बिजली उत्पादन के जरिए प्रति वर्ष 47,000 हजार टन कार्बन डाईऑक्साइड एमीशन रोकने में मदद मिलेगी। इस परियोजना के जरिए 17 लाख पेड़ों के कार्बन डाईऑक्साइड सोखने बराबर कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन को रोकने में मदद मिलेगी।

## यूपी में नौ माह में 32 करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंचे, काशी सबसे पसंदीदा स्थल

लखनऊ, एजेंसी

दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर उत्तर प्रदेश साल दर साल नये रिकॉर्ड के साथ अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। 2022 में यूपी आने वाले पर्यटकों की संख्या जहां 31.85 करोड़ थी तो वहीं 2023 के शुरूआती 9 महीने में ही 32 करोड़ से अधिक पर्यटकों ने यूपी को एक्सप्लोर किया है। इसमें बड़ी संख्या विदेशी पर्यटकों की भी है। प्रदेश में सर्वाधिक पर्यटकों ने काशी का रुख किया। प्रयागराज और अयोध्या आने वाले सैलानियों की संख्या भी करोड़ों में रही। पर्यटन विभाग की ओर से मिली जानकारी के अनुसार साल 2023 में जनवरी से लेकर सितंबर तक उत्तर प्रदेश आने वाले देसी सैलानियों की संख्या 31,91,95,206 रही। वहीं, 9,54,866 विदेशी पर्यटक भी यूपी पहुंचे। इनमें भी सर्वाधिक संख्या वाराणसी पहुंचने वाले पर्यटकों की रही। जनवरी से सितंबर तक वाराणसी में कुल 8,42,04,814 पर्यटक वाराणसी पहुंचे। इनमें देसी पर्यटकों की संख्या 8,40,71,726। जबकि, विदेश पर्यटकों की संख्या 1,33,088 रही। पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि काशी के बाद सैलानियों की दूसरी पसंद प्रयागराज रही। यहां कुल 4,49,95,996 पर्यटक साल 2023 में जनवरी से सितंबर तक पहुंचे। इनमें देसी पर्यटकों की संख्या 4,49,93,289 रही। वहीं, 2,707 विदेशी पर्यटक भी प्रयागराज पहुंचे। इसी प्रकार तीसरे नंबर पर अयोध्या आने वाले पर्यटकों की संख्या रही। जनवरी 23 से सितंबर 23 तक कुल 2,03,64,347 पर्यटक अयोध्या पहुंचे। इनमें देसी पर्यटकों की संख्या 2,03,62,713 रही। जबकि, विदेशी पर्यटकों की संख्या 1,634 दर्ज की गई। यह भी उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश आने वाले पर्यटकों की सर्वाधिक संख्या जनवरी और जुलाई माह में दर्ज की गई है, जो कि 5.56 से 5.80 करोड़ के बीच रही।

# दो दिवसीय इज्तिमा में मुल्क की अमन-चैन और कौम की सलामती व तरक्की की दुआँ

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। शहर की जामा मस्जिद के मैदान में जारी दो दिवसीय इज्तमा शुक्रवार सुबह मुल्क में अमन-चैन और कौम की सलामती व तरक्की की दुआ के साथ संपन्न हो गया। आखिरी दिन हाथ में तस्बीह और जुबां पर अल्लाह के जिक्र के बीच हजारों लोगों ने बारगाहे इलाही में गिड़गिड़ाकर अपने गुनाहों से तौबा की और बाकी जिंदगी अल्लाह की राह में गुजारने का अहद करते हुए घरों की ओर रुख किया। आयोजन स्थल से 30 जमातों की रवानगी के साथ ही इज्तमा में 25 जोड़ों का निकाह भी हुआ। उलेमाओं ने तब्लीग के मायने समझाते हुए अच्छी बात सब तक पहुंचाने को ईमान का जरूरी हिस्सा बताया। शुक्रवार सुबह फज्र की नमाज के बाद मुफ्ती मोहम्मद अरमान ने तकरीर की। जिंदगी को दीन के मुताबिक गुजारने का तरीका बताते हुए उन्होंने कहा कि हमारे पास जो बेहतर है वह लोगों तक पहुंचे और उसको भी इससे फैज हासिल हो, इससे बेहतर कोई दूसरी बात नहीं हो सकती, जमात का भी ये ही काम है। कहा कि मौजूदा दौर इस काम के लिए बेहद आसान हो चुका है, अब टेक्नोलॉजी से अपनी बात को बहुत जल्द दूसरे लोगों तक पहुंचाया जा सकता है लेकिन इससे पहले नबियों को इस काम में बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था, अच्छी बातों को दूसरे लोगों तक पहुंचाने के लिए उन्हें कहा कि हमारे पास जो बेहतर है वह लोगों तक पहुंचे और उसको भी इससे फैज हासिल हो, इससे बेहतर कोई दूसरी बात नहीं हो सकती, जमात का भी ये ही काम है। कहा कि मौजूदा दौर इस काम के लिए बेहद आसान हो चुका है, अब टेक्नोलॉजी से अपनी बात को बहुत जल्द दूसरे लोगों तक पहुंचाया जा सकता है लेकिन इससे पहले नबियों को इस काम में बड़ी मुश्किलों का सामना करह्व पड़ता था, अच्छी बातों को दूसरे लोगों तक पहुंचाने के लिए उन्हें मीलों का सफर पैदल करना पड़ता था। कहा कि जमातों, मुलाकातों और इज्तमा के जरिए इसी बात पर मेहनत की जा रही है। निकाह के बाद और दुआ से पहले मदरसा जामिया अरबिया जामा मस्जिद के सदर मुदर्रिस एवं विख्यात आलिमेदीन मुफ्ती सैय्यद मोहम्मद अफ्फान मंसूरपुरी ने इज्तमा को खिताब किया। उन्होंने गलत रस्म-ओ-रिवाज से खुद को दूर रखने की ताकीद लोगों से की। कहा कि अल्लाह के तरीकों और कुरान की तालीम के साथ हम नबी के बताए रास्तों पर चलेंगे तो दुनिया की कोई ताकत और साजिश कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी, इसके साथ ही दुनिया में भी कामयाबी मिलेगी और इस अमल से आखिरत में भी आसानियां होंगी। उन्होंने शादियों में फिजूलखर्ची से बचते हुए निकाह को आसान बनाने पर जोर दिया। गरीबों से हमदर्दी और मजलूम का साथ देने की बात कही। कहा कि गरीबों से हमदर्दी और मजलूम का साथ देने की बात कही। कहा कि ये ही अल्लाह का पैगाम भी है। आखिर में नमाज और कुरान की तिलावत की ताकीद करते हुए दीन के रास्ते पर जिंदगी गुजारने का दर्स देते हुए तकरीर को खत्म किया। समापन पर मुफ्ती मोहम्मद शाहिद ने खुसूसी दुआ कराई तो पंडाल में मौजूद लोगों की आंखे नम हो गईं। सन्नाटे के बीच सिर्फ सिसकियों की आवाज सुनाई देती रही। आखिरी दिन इज्तमा में गुरुवार के मुकाबले बड़ी संख्या में शहर के लोगों ने भी शिरकत की

## डबल इंजिन की सरकार से स्थापित होंगे विकास के नये आयाम: देवेंद्र सिंह खड़गवंशी

प्रात : किरण संवाददाता

हसनपुर। केन्द्र व राज्य में यह डबल इंजन की सरकार, हैं, जो विकास के नए आयाम छूते हुए निरन्तर प्रगति के पथ पर बढ़ती रहेगी। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत गंगेश्वरी ब्लॉक के आदमपुर में आयोजित शिविर में हसनपुर विधायक पुत्र देवेंद्र सिंह खड़गवंशी ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत दो हजार की राशि देने का काम किया है । जन औषधि केंद्र के माध्यम से सरकार द्वारा इन केन्द्रों के माध्यम से दवा उपलब्ध करवाने का अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा हैं। वहीं जल जीवन मिशन के अन्तर्गत हर घर में नल से जल का कार्य भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ही देन है। विधायक पुत्र ने केंद्र की योजनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए आमजन से जागरूक रहकर योजनाओं का लाभ उठाने का आव्हान किया। इस दौरानविधायक हसनपुर पुत्र देवेंद्र खड़गवंशी विधानसभा प्रभारी धनोरा सतीश अग्रवाल,ग्राम पंचायत विकास अधिकारी विदित यादव, ए डी ओ पंचायत राजेंद्र कुमार, ए डी ओ कृषि नरेंद्र सिंह, ए डी ओ समाज कल्याण प्रमोद कुमार,पवन प्रधान पुत्र रिंकू सैनी, प्रधान डेकला शाखा प्रबंधक आदमपुर प्रथमा यू पी ग्रामीण बैंक व संबंधित अधिकारी ,कर्मचारी व भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

## आईआईटी कानपुर के शोध से जगी कैंसर और मस्तिष्क विकारों के उपचार की आशा

कानपुर, एजेंसी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर (आईआईटी-के) के शोध ने कैंसर और मस्तिष्क विकारों जैसे अल्जाइमर और पकिंर्सस रोगों के उपचार में नई आशाएं जगाई हैं। जी प्रोटीन-युग्मित रिसेप्टर्स (जीपीसीआर) और केमोकाइन रिसेप्टर डी6 के अध्ययन के साथ बायोमेडिकल शोध में मिली इस सफलता से उपचार के नये विकल्प सामने आए हैं। शोध से मिली जानकारी रोग की स्थितियों के तहत इन रिसेप्टर्स को नियंत्रित करने के लिए नई दवाओं जैसे अणुओं को डिजाइन करने की संभावना खोलती है। आईआईटी कानपुर का यह शोध प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल साइंस में प्रकाशित हुआ है। आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रोफेसर एस गणेश ने कहा कि यह शोध लक्षित चिकित्सा में एक नए युग के द्वार खोलता है जो दुनिया भर में लाखों लोगों के लिए कैंसर और न्यूरोलॉजिकल स्थितियों का समाधान प्रदान कर सकता है। ये बीमारियां, जो अत्यधिक पीड़ा और आर्थिक बोझ का कारण बनती हैं, इन निष्कर्षों के आधार पर प्रभावी उपचार का एक नया युग विकसित हो सकता है। इस शोध परियोजना की सफलता दुनिया भर के वैज्ञानिकों के साथ हमारे सफल सहयोग का भी प्रमाण है। इस परियोजना में आईआईटी कानपुर की टीम ने जापान, कोरिया गणराज्य, स्पेन और स्विट्जरलैंड के शोधकताओं के साथ काम किया। प्रोफेसर अरुण शुक्ला और टीम को हार्दिक बधाई, जो जीपीसीआर जीव विज्ञान में उत्कृष्ट शोध कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय शोधकताओं को शामिल करने वाला यह सहयोगात्मक प्रयास न केवल जटिल बीमारियों की समझ को बढ़ाता है, बल्कि नवोन्मेषी जैव चिकित्सा अनुसंधान में अग्रणी के रूप में भारत की स्थिति को भी मजबूत करता है और कुछ सबसे गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए आईआईटी कानपुर की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। जी प्रोटीन-युग्मित रिसेप्टर्स (जीपीसीआर) मस्तिष्क कोशिकाओं की सतह पर छोटे एंटेना की तरह होते हैं, जो उन्हें संचार करने में मदद करते हैं और मस्तिष्क के कई कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब ये रिसेप्टर्स ठीक से काम नहीं करते हैं, तो मस्तिष्क कोशिकाओं के बीच संचार में समस्याएं आती हैं, जिससे अल्जाइमर और पार्किंसंस जैसी बीमारियां होती हैं। इससे इन बीमारियों में लक्षण और प्रगति देखी जाती है। इसी तरह, केमोकाइन रिसेप्टर डी6 प्रतिरक्षा प्रणाली में कार्य करता है और सूजन की प्रतिक्रिया में शामिल होता है। कैंसर में, रिसेप्टर ट्यूमर के वातावरण को प्रभावित कर सकता है, जिससे कैंसर कोशिकाएं कैसे बढ़ती हैं और फैलती हैं, उसे प्रभावित करता है। आईआईटी कानपुर के नए शोध के निष्कर्षों से इन रिसेप्टर्स के कामकाज को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी और अल्जाइमर जैसी स्थितियों के लिए नए चिकित्सीय दृष्टिकोण और लक्षित उपचार का विकास होगा, जो दुनिया भर में 50 मिलियन से अधिक लोगों को प्रभावित करता है और कैंसर से प्रतिवर्ष 10 मिलियन से अधिक मौतों के लिए जिम्मेदार है। इस शोध के नतीजे अब नई दवा जैसे अणुओं के विकास की सुविधा प्रदान करेंगे, जिन्हें पशु मॉडल में उनकी चिकित्सीय क्षमता के लिए परीक्षण किया जा सकता है।

## मेरठ : वन विभाग पर जमीन कब्जा करने का आरोप लगाकर किसान ने आत्मदाह का प्रयास किया

मेरठ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में कथित तौर पर एक किसान ने उसकी भूमि को सरकारी बताकर उस पर वन विभाग द्वारा कब्जा करने के विरोध में मवाना के उप जिलाधिकारी (एसडीएम) कार्यालय के सामने शुक्रवार को आग लगा कर आत्मदाह करने का प्रयास किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आत्मदाह करने का प्रयास करने वाले किसान की पहचान अलीपुर मोरना निवासी जगबीर (53) के तौर पर की गयी है। उन्होंने बताया कि उसका आरोप है कि वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए उसकी भूमि को सरकारी बताकर अपने कब्जे में ले लिया है। 70 फीसदी से अधिक जल जाने के कारण किसान की हालत गंभीर बताई जा रही है। आग में बुरी तरह झुलसे किसान को पहले सामुदायिक स्वाहस्प्ल केन्द्री में भर्ती कराया गया था, जहां से उसे बेहतर उपचार के लिये मेरठ भेजा गया। जिलाधिकारी (डीएम) दीपक मीणा ने घटना के संबंध में बताया कि आज दोपहर मवाना तहसील में करीब साढ़े बारह बजे जगबीर ने आत्मदाह करने की कोशिश की। उसकी जेब से जो प्रार्थना पत्र मिला है, उसमें उसका कथन है कि उसकी जमीन वन विभाग ने कब्जा बता कर ले ली है, जिसकी सही तरीके से जांच करायी जाये। हालांकि, प्रार्थना पत्र घटना के समय तक दिया नहीं गया था। मीणा ने बताया कि असल में यह घटना कल की उस घटना के परिप्रेक्ष्य में हुई है, जिसमें वन विभाग की एक जमीन (खसरा संख्या 854) पर जगबीर का कब्जा पाया गया। वन विभाग द्वारा तहसील दिवस पर प्राप्त शिकायतों के क्रम में राजस्व की टीम के साथ मौके पर जाकर कब्जा की गई जमीन को कब्जा मुक्त करा कर जमीन को वन विभाग को दिया गया। इसी कार्रवाई के विरोध में जगबीर ने आत्मदाह का प्रयास किया गया। जगबीर फिलहाल अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती हैं।

## सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की मासिक बैठक में सदस्यता अभियान एवं रैली को सफल बनने पर चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की मासिक बैठक पार्टी कार्यालय पर संपन्न हुई। जिसमें सदस्यता अभियान जन चौपाल एवं 8 जनवरी को होने वाली रैली को सफल बनाने के लिए चर्चा की गई जिसमें बोलते हुए जिला अध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने विधानसभा अध्यक्षों ब्लॉक अध्यक्ष नगर अध्यक्षों से बारी-बारी संगठन पर चर्चा की और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए कहा आने वाले लोकसभा चुनाव में गठबंधन प्रत्याशी को भारी बहुमत से जीत दिलाने के लिए हमें संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना होगा 8 जनवरी को प्रस्तावित मुरादाबाद जनपद में होने वाली राष्ट्रीय अध्यक्ष जी की रैली को सफल बनाने हेतु हर विधानसभा से अच्छी तादाद में कार्यकर्ता जाने चाहिए और रैली को सफल बनाने के लिए ज्यादा से ज्यादा भागीदारी करनी चाहिए आगे बोलते हुए कहा कि वार्ड नंबर 12 अमरोहा में गाजी नगर में लोगों को पानी सड़क बिजली की बहुत ज्यादा दिक्कत परेशानी है इस संबंध में नगर पालिका अमरोहा से बात करके इन सभी समस्याओं को समाधान करवाया जाएगा जिससे मोहल्ले वालों को होने वाली परेशानी ना हो क्योंकि भाजपा गठबंधन चाहता है की किसी को कोई दिक्कत परेशानी ना हो बैठक में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष सत्यपाल तोमर आदेश अमरोही कोषाध्यक्ष पंडित राम अवतार शर्मा मंडल उपाध्यक्ष जयवीर सिंह चौहान ब्लॉक अध्यक्ष मोहम्मद नाजिम विधानसभा अध्यक्ष अमरोहा मोहम्मद शफी जिला उपाध्यक्ष सुमित रस्तोगी मंडल महासचिव चंद्रसेन खड़कवंशी उपाध्यक्ष, दो जगत सिंह गुर्जर अमित शर्मा जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा अनिल सैनी विधानसभा अध्यक्ष धनोरा साइन बेगम अख्तरी राबिया गुलफशा सफीकन दिवाकर चंद्रसेन मोहम्मद शारिक प्रधान नरेंद्र तरना विनोद कुमार आकाश कश्यप विनीत कश्यप नफीस अहमद आदि मौजूद रहे।

## रामायण से जुड़े प्रसंगों पर बनेंगे मंच, नई प्रतिभाओं को भी प्रस्तुति का मिलेगा मौका

अयोध्या, एजेंसी

22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले सरकार राममय माहौल बनाने में जुटी है। कण-कण में व्याप्त राम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का काम चल रहा है। सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध परंपरा को और निखारकर पूरे प्रदेश को राममय किया जा रहा है। इसी क्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए बनाए जाने वाले मंच भी रामायण से जुड़े प्रसंगों पर होंगे। योगी सरकार प्रतिदिन उत्तर प्रदेश समेत देश के नामचीन व नवोदित 500 प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराएगी। साथ ही रामनगरी के कई प्रमुख स्थानों, 25 पौराणिक स्थलों-चौराहों पर भी सांस्कृतिक कार्यक्रम कराए जाएंगे। पर्यटन और सांस्कृतिक विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, सरकार की कल्पना है कि अयोध्या के प्रमुख स्थानों पर रामायणकालीन प्रसंगों पर आधारित मंच भी बने, जिससे नई पीढ़ी भी श्रीराम की सदाशयता से अवगत हो। सरकार की तरफ से श्रीराम मंदिर उद्घाटन के अवसर पर राम की पैड़ी पर पुरुषोत्तम मंच, भजन संध्या स्थल पर सरयू मंच, सांस्कृतिक संकुल प्रेक्षागृह में भरत मंच, रामकथा पार्क में कागभुशुन्डि मंच, तुलसी उद्यान में तुलसी मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सुर सरिता बहाने का निर्देश दिया गया है। साथ ही शहर के प्रमुख 25 पौराणिक स्थलों - चौराहों पर भी सांस्कृतिक आयोजन होंगे। इसमें नामचीन व नवोदित प्रतिभाएं भी अपनी कला दिखाएंगी। एक अधिकारी ने बताया कि सरकार श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर संतों द्वारा रामकथा, अंतरराष्ट्रीय-राष्ट्रीय रामलीलाओं का मंचन, रामायण परंपरा पर आधारित नाट्य प्रस्तुतियां, शास्त्रीय-उप शास्त्रीय, लोकगायन-वादन व नृत्य की प्रस्तुतियां, रंगोली-चित्रकला, रामायण पर आधारित क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन कराएगी। लोक में राम पर आधारित नाट्य व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देगी। इसका उद्देश्य पूरे यूपी को राममय करना है। बीते दिनों लखनऊ में हुई बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामायण, कीर्तन, रामचरित मानस के आयोजन कराने के निर्देश दिए थे। अयोध्या के दिगंबर अखाड़ा, वाल्मीकि मंदिर नया पुरवा, वेद मंदिर, मौनी बाबा मंदिर, जानकी महल, रामजानकी मंदिर भरत कुंड, जालपा मां मंदिर, गुप्तार घाट, रामानंद आश्रम निकट छोटी छावनी, वाल्मीकि भवन, सूर्यकुंड समेत कई स्थानों पर 14 जनवरी से 24 मार्च तक भजन-कीर्तन, रामायण-रामचरित मानस पाठ, सुंदरकांड आदि कार्यक्रम के आयोजन पर भी जोर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निदेर्शानुसार श्रीराम जन्मभूमि में 1111 शंखों का वादन करते हुए विश्व रिकॉर्ड किया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए एनसीजेडसीसी व आईजीएनसीए की मदद ली जाएगी। इसके अलावा सामूहिक सरयू आरती व सौष्ठव कलाओं के प्रदर्शन का विश्व रिकॉर्ड बनेगा।

## ज्ञानवापी मस्जिद की एएसआई सर्वे रिपोर्ट पक्षकारों को सौंपने के मामले में छह जनवरी को फैसला

वाराणसी, एजेंसी

वाराणसी की जिला अदालत ज्ञानवापी मस्जिद की एएसआई सर्वे रिपोर्ट पक्षकारों को सौंपने के मामले में अब छह जनवरी को फैसला सुनायेगी। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने शुक्रवार को बताया कि वाराणसी की जिला अदालत ने ज्ञानवापी परिसर के सीलबंद रिपोर्ट को खोलने और पक्षकारों को सौंपने के मामले में आदेश सुनाने के लिए छह जनवरी की तिथि तय की है। उन्होंने बताया कि इस मामले में सुनवाई पूरी हो चुकी है और जिला न्यायाधीश ए के विश्वेश ने आज कहा कि आदेश टाइप नहीं हुआ है, इसलिए आदेश कल, शनिवार को जारी किया जाएगा। यादव ने बताया कि इसके पहले बृहस्त,वार को जिला न्यायाधीश ए. के. विश्वेश आज महामना मदन मोहन मालवीय के जयंती के कार्यक्रम में शामिल होने और कचहरी परिसर में एक वकील के निधन पर शोक मनाये जाने की वजह से भी अदालत की कार्यवाही पूरी नहीं हो सकी, लिहाजा जिला न्यायाधीश ने आदेश सुनाने के लिए पांच जनवरी की तारीख तय की थी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने बुधवार को ज्ञानवापी परिसर की सर्वे रिपोर्ट को खोलने और पक्षकारों को सौंपने के लिए जिला अदालत से चार सप्ताह का समय देने का अनुरोध किया था जिसके बाद मामले को बृहस्पतिवार तक के लिए टाल दिया गया था। एएसआई ने चार सप्ताह का समय मांगते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के हालिया फैसले का हवाला दिया था। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पिछले साल 19 दिसंबर को वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद की मौजूदगी वाली जगह पर कथित मंदिर के जीर्णोद्धार की मांग संबंधी मुकदमे की पोषणीयता को चुनौती देने वाली मुस्लिम पक्षों की कई याचिकाओं को खारिज कर दिया था। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने अपनी टिप्पणी में कहा था कि वर्ष 1991 का पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) किसी प्रार्थना गृह के धार्मिक चरित्र को परिभाषित नहीं करता है और इसे केवल विरोधी पक्षों द्वारा अदालत में प्रस्तुत साक्ष्य के माध्यम से निर्धारित किया जा सकता है। न्यायालय ने निचली अदालत को इस मामले को छह महीने के अंदर निपटाने के निर्देश देते हुए कहा था कि अगर जरूरी हो तो निचली अदालत एएसआई को परिसर के छूटे हुए हिस्से का सर्वेक्षण करने का निर्देश दे सकती है। जिला अदालत के 21 जुलाई 2023 के आदेश के बाद एएसआई ने काशी विश्वनाथ मंदिर के बगल में स्थित ज्ञानवापी परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण किया था। इसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि 17 वीं शताब्दी में बनी ज्ञानवापी मस्जिद का निर्माण हिंदू मंदिर की पहले से मौजूद संरचना पर किया गया था या नहीं।

## राजभर को अब भी योगी कैबिनेट में शामिल होने की उम्मीद

लखनऊ, एजेंसी

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के प्रमुख और पूर्व मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि उन्हें खरमास के बाद किसी भी समय उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में शामिल किया जा सकता है। ह्यखरमासह्ल उस महीने भर की अवधि को संदर्भित करता है जिसे कई हिंदू अशुभ मानते हैं। चूंकि कार्यकाल 15 जनवरी को समाप्त हो रहा है, भाजपा सहयोगी राजभर का दावा 22 जनवरी को राम मंदिर उद्घाटन से पहले कैबिनेट विस्तार होने की संभावना की ओर इशारा करता है। उनका यह बयान दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के एक दिन बाद आया है। राजभर के शाह से मिलने के तुरंत बाद, पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान, जो नोनिया उपजाति के एक ओबीसी नेता हैं, ने भी केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की, इससे कैबिनेट में फेरबदल की खबरें तेज हो गईं। हालांकि, उत्तर प्रदेश बीजेपी के सूत्रों की मानें तो राजभर का दोबारा योगी कैबिनेट में मंत्री बनने का ह्यसपनाह्ल सपना ही रह सकता है. पार्टी के ए

## संक्षिप्त खबरें

### सन्देहास्पद स्थिति में युवक को लगी गोली, मौत

भोजपुर। जिले के चांदी थाना क्षेत्र के भदवर गांव में गुरुवार की रात एक युवक को गोली मारकर हत्या कर दी गई। जख्मी युवक भदवर गांव निवासी दिनेश राय का 18 वर्षीय पुत्र संतोष कुमार बताया जाता है।मृतक संतोष के रिश्तेदार ने बताया कि गुरुवार की रात वो अपने दोस्तों के बुलाने पर बाहर गए थे जिसके बाद उसकी सन्देहास्पद स्थिति में गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक के परिजनों को रात 12 बजे पता चला की उनके बेटे को गोली लगी है। मृतक के परिजनों की माने तो गोली लगने के बाद उसके दोस्त ही बिना किसी को बताये इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले गए जहां से स्थिति को गंभीर देखते हुए डॉक्टरो ने उसे पटना रेफर कर दिया। पटना ले जाने के दौरान की रास्ते में उसकी मौत हो गई। वापस आरा लौटने के क्रम में चांदी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शुक्रवार को आरा सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया। हालांकि गोली किसने मारी इसकी जानकारी किसी को नहीं है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। वही इस मामले में पुलिस ने कुछ संदिग्ध को थाने लाकर पूछताछ कर रही है।

### नशे की हालत में तीन गिरफ्तार

दुर्गावती कैमुर। दुर्गावती पुलिस ने थाना क्षेत्र के विभिन्न जगहों से नशे की हालत में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। जिनका प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराए जाने के बाद नशे की हालत में पाए जाने के बाद जेल भेज दिया गया। जब नाश खत्म हुई तो पुलिस में तीनों से पूछताछ की तो तीनों अभियुक्तों ने अपना नाम और पता बताया। गिरफ्तार अभियुक्त में जितेंद्र पासवान ग्राम दरौली थाना दुर्गावती जिला कैमूर तथा दीपक पांडे ग्राम मसोई थाना चैनपुर वही मनोज बिंद ग्राम स्पापढ़ी थाना चैनपुर जिला कैमूर बताया जाता है।

### वाहन चेकिंग अभियान चला पुलिस ने वसूला जुर्माना

बिक्रमगंज (रोहतास) बिक्रमगंज-डिहरी मुख्य मार्ग पर काराकाट पुलिस ने वरीय अधिकारियों के दिशा-निर्देश पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। थानाध्यक्ष आदित्य कुमार ने बताया कि स्थानीय थाना के वरीय पुलिस पदाधिकारी संजय कुमार ठाकुर के नेतृत्व में पुलिस बल के जवानों द्वारा वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। वाहन चेकिंग के क्रम में वाहन चालकों से 14 हजार रुपए जुमार्ना की राशि वसूला गया। उन्होंने बताया कि वाहन चालकों को सख्त दिशा-निर्देश देते हुए कहा गया कि अगली बार से बिना हेलमेट लगाए पकड़े गए तो वैसे चालकों के विरुद्ध विधि-सम्मत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वाहन चेकिंग के दौरान हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस,ऑनर-बुक सहित अन्य विंदुओं पर बारीकी से जांच की गई। वाहन जांच की प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगा। मौके पर पुलिस अधिकारी में संजय कुमार ठाकुर सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी समेत पुलिस बल के जवान लोग मौजूद थे।

### आपसी रंजिश में हुई गोलीबारी,चार लोगों के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज

राजपुर (रोहतास) बघैला थाना क्षेत्र के धावा गांव में दो पक्षों के बीच आपसी रंजिश को ले गोलीबारी हुई। जिसमें दोनों पक्ष के किसी को हताहत नहीं है। जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष अंकुश मंडल ने बताया कि गुरूवार की रात दस बजे धावा गांव में दो पक्षों के आपसी रंजिश में गोलीबारी किए जाने की घटना हुई है। तीन राउंड फायरिंग किए जाने की बात बताई गई है। जिस मामले में एक पक्ष के प्रमोद चौधरी ने दुसरे पक्ष के सहेनदर चौधरी समेत अन्य तीन के विरूद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज करवाया है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि दहशत फैलाने के लिए दरवाजे पर चढ़कर इन सभी लोगो ने गोलीबारी किया। घटना की जांच शुरू कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

### भारी मात्रा मे शराब के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

कोचस (रोहतास) स्थानीय पुलिस ने शुक्रवार की अहले सुबह ए एल टीएफ की सूचना पर स्विफ्ट डिजायर कार में रखें 147.6 लीटर अवैध बिदेशी शराब के साथ दो तस्कर को गिरफ्तार किया है। दोनों गिरफ्तार तस्कर रंजीत कुमार उम्र 23 वर्ष पिता उमेश प्रसाद व ग्राम थाना चांडी जिला नालंदा तथा दूसरा ध्रुव कुमार सिन्हा उम्र 52 वर्ष पिता स्वर्गीय बृजनंदन प्रसाद ग्राम झाऊआ थाना अवतार नगर जिला छपरा के बताए जाते है। इसकी जानकारी देते हुए कोचस थाना अध्यक्ष अमोद कुमार ने बताया कि पुलिस प्रातः काल गस्ती पर थी की ए एल टीएफ के द्वारा सूचना मिली कि शराब की बड़ी खेप थाना क्षेत्र के रास्ते ले जाई जा रही है।

# भोजपुर जिले के सभी प्रखंडों में जीविका के दीदीओं का होगा अपना कार्यालय : उप विकास आयुक्त

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जिला पदाधिकारी के निदेर्शानुसार भोजपुर जिले के सभी प्रखंडों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना तहत जीविका ग्राम संगठन के कार्यालय भावन का निर्माण कराया जाना है । विदित हो कि भोजपुर जिले में वर्तमान समय में जीविका के कुल 20745 ग्राम संगठन 1528 संकुल और 37 संघ कार्यरत है। इनके के द्वारा महिलाओं के आर्थिक सामाजिक उत्थान के साथ-साथ कई सरकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचने में महत्वपूर्ण योगदान निभाया जाता हैं ।

लेकिन इतने बड़े संगठन का वर्तमान समय में अपना कार्यालय नही होने के कारण अपने समूह के सदस्यों की बैठक किसी सदस्य के दरवाजे पर या किसी सरकारी या गैर सरकारी स्थान पर की जाती है, सदस्य एवं संगठन के बढ़ते स्वरूप को देखते हुए बिहार रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी (ग्रामीण विकास विभाग ) के द्वारा ये निर्णय लिया गया है। उप विकास आयुक्त भोजपुर ने कहा की जीविका दीदीओ का कार्य प्रत्येक क्षेत्र में काफी सराहनीय रहा है उनको जो जिमेवारों दी जाती हैं उसमे ओ तन्मयता के साथ खड़ी रहती है ,जीविका ग्राम संगठन के निर्माण से आत्मविश्वास एम कार्यों के स्थायितव के दिशा और नया आयाम मिलेंगे , इस लिए प्रत्येक प्रखंडों में संबंधित पदाधिकारियों और विभाग को ग्राम संगठन कार्यालय का निर्माण कराया जाने का आदेश जिला अधिकारी महोदय के द्वारा भेजा जा चुका है,और निर्देश दिया गया है की 6 माह के अंदर सभी प्रखंडों में निर्माण कार्य पूरा होना चाहिए। जीविका ग्राम संगठन भावन के निर्माण से जीविका दीदीओ को अपना कार्यालय होगा साथ ही साथ कार्यक्रम और बैठक के लिए अपना सभागार , इस योजना को पूर्ण करने के लिए अधिकतम अवधि 6 माह ही सभी प्रखंडों को दिया गया है जिनमे संदेश,जगदीशपुर, सहार,पीरो कोईलवर, उदवंतनगर,तरारी और अगियाओ प्रखंडों में जीविका ग्राम संगठन भवन का निर्माण शुरू भी हो गया है और बाकी प्रखंडों में बहुत जल्द कार्य शुरू हो जाएंगे। इसके बनने से जीविका के कार्यों में और गति देखने को मिल सकता हैं ।

## 9 मार्च को वर्ष का प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार भोजपुर आरा के सचिव गौतम कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार भोजपुर के तत्वाधान में 09 मार्च को पूर्वाह्न 10:30 बजे से व्यवहार न्यायालय आरा भोजपुर के न्यायालय परिसर में वर्ष का प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में मुकदमा पूर्व एवं लंबित शमनीय(कंपाउंडेबल) वाद के अंतर्गत आपराधिक वाद, एनआईएक्ट धारा 138 वाद, बैंक ऋण वसूली वाद, मोटर दुर्घटना दावा वाद, श्रम विवाद, विद्युत तथा पानी बिल संबंधी विवाद, वैवाहिक विवाद, भूमि अधिग्रहण वाद, सेवा संबंधी (वेतन, भत्ता एवं सेवानिवृत्ति लाभ), राजस्व मामले (जिला न्यायालय में लंबित) एवं अन्य दीवानी मामले यथा (किराया, सुखाधिकार, निषेधाज्ञा वाद, संविदा के विनिर्दिष्ट पालन हेतु वाद), बी.एस.एन.एल., ग्राम कचहरी में लंबित इत्यादि से संबंधित वाद का निष्पादन आपसी सुलह के आधार पर किया जाएगा वहीं 09 मार्च को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठावें। उन्होंने इच्छुक पक्षकार एवं विद्वान अधिवक्ताओं से अनुरोध किया कि वे अपने अधिक से अधिक शमनीय वादों के निष्पादन के लिए संबंधित न्यायालय, संबंधित पंचायत के ग्राम कचहरी से अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकार भोजपुर से संपर्क कर सकते हैं इसके साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकार, व्यवहार न्यायालय, आरा के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 पर संपर्क किया जा सकता है उन्होंने कहा कि विशेष जानकारी के लिए फोन नंबर 06182- 222555 पर विधिक सहायता से संबंधित किसी प्रकार की जानकारी के लिए संपर्क कर सकते हैं।

## अनुपस्थित आठ शिक्षकों से डीपीओ ने मांगा स्पष्टीकरण

राजपुर (रोहतास) राजपुर प्रखण्ड के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक सरकार व शिक्षा विभाग के अधिकारी के आदेश को ताक पर रख मनमर्जी करने से बाज नहीं आ रहे हैं। जिससे मिशन दक्ष के तहत संचालित कक्षा प्रभावित होने लगा है।शिक्षक के मनमजी का खुलासा तब हुआ जब प्रखण्ड परियोजना प्रबंधक जब औचक निरीक्षण करने मंगरवलिया उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंचे तो वहां पर अनुपस्थित शिक्षक व शिक्षिकाओं संख्या देख आवाक रह गए।औचक निरीक्षण के दौरान उच्च माध्यमिक वर्ग के चार, माध्यमिक वर्ग के तीन तथा प्राथमिक वर्ग के एक शिक्षिका अनुपस्थित पाए गए।जिसका रिपोर्ट प्रखण्ड परियोजना प्रबंधक द्वारा जिला की गई।

# भोजपुर हथियार बंद बदमाशों ने घर से बुला छात्र की गोली मारकर की हत्या

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के चांदी थाना क्षेत्र के भदवर गांव में गुरुवार की देर रात घर से बुलाकर हथियारबंद बदमाशों ने एक छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी। जख्मी छात्र को गोली बाएं साइड पेट में मारी गई है। गोली लगते ही वह खून से लतपथ होकर वह जख्मी हालत में जमीन पर गिर पड़ा। इसके बाद उसके साथ रहे दोस्तों द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। यहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया।

जिसके बाद उसके साथ रहे दोस्तों ने फोन कर इसकी सूचना उसके परिजनों को दी। घटना को लेकर गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गई है। जबकि परिजन द्वारा उसके दोस्तों पर ही फोन कर घर से बुलाने और उसे गोली मारने का आशंका जता रहे है। जानकारी के अनुसार मृतक चांदी थाना क्षेत्र के भदवर गांव निवासी दिनेश राय का 18 वर्षीय पुत्र संतोष कुमार है। इधर मृतक के मौसेरे भाई सुदामा ने बताया कि वह खाना खाने के बाद घर से करीब साढ़े आठ या नौ बजे निकला था। उसके बाद वह घर वापस नहीं लौटा। इसके बाद उन्होंने काफी खोजबीन की। लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। तभी देर रात करीब बारह बजे उसके दोस्त ने उसकी मां के मोबाइल पर फोन कर सूचना दिया के उसे गोली लग गई है और हमलोग उसे पटना लेकर जा रहे हैं। जिसके बाद उसकी मां आई और गाड़ी पर बैठकर उसे इलाज के लिए पटना ले जा रही थी। तभी पटना मीठापुर के समीप ही उसने दम तोड़ दिया। जिसके बाद परिजन उसके शव को वापस गांव ले आए। इसके पश्चात परिजन ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी।

सूचना मिलते ही स्थानीय थाना मौके पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया वहीं दूसरी ओर मृतक के मौसेरे भाई सुदामा ने गांव के ही मनीष,चंदन सहित तीन लड़कों पर फोन कर घर से बुलाने आरोप लगाया है। हालांकि उसे गोली कैसे लगी या किसने मारी यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सका है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। वही इस मामले में चांदी थानाध्यक्ष सौरभ कुमार ने बताया कि अभी मामले की छानबीन की जा रही है। हालांकि मृतक के एक दोस्त को हिरासत में लिया गया है और उसे पूछताछ की जा रही है। बताया जाता है कि मृत छात्र के पिता रेलवे ग्रुप डी में की की-मैन पद पर जमीर हाल्ट पर कार्यरत हैं। मृतक अपने दो भाई व तीन बहन में दूसरे स्थान पर था। उसके परिवार में मां मिनता देवी,तीन बहन नेहा,बेबी,मुन्नी एवं एक भाई गोलू है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। घटी इस घटना के बाद मृतक की मां मिनता देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर होकर बुरा हाल है।

## संभावना आवासीय उच्च विद्यालय के छात्र छात्रों ने कला एवं विज्ञान प्रदर्शनी का किया आयोजन

आरा। स्थानीय 'शान्ति स्मृति' सम्भावना आवासीय उच्च विद्यालय, शुभ नारायण नगर, मझौवाँ, आरा में 'जलवायु परिवर्तन' विषय पर 'कला एवं विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन समारोह पूर्वक किया गया। 'कला एवं विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन समारोह के उद्घाटनकर्ता अवधेश नारायण सिंह (पूर्व सभापति, बिहार विधान परिषद), मुख्य अतिथि आचार्य धर्मेन्द्र (पूर्व कुलपति, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय), विशिष्ट अतिथि भाई ब्रम्हेश्वर (पूर्व महासचिव, बिहार राज्य नागरिक परिषद), मेजर राणा प्रताप सिंह (अध्यक्ष, पूर्व सैनिक संघ), कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो० कन्हैया बहादुर सिन्हा (अध्यक्ष, बिहार राज्य विश्वविद्यालय शिक्षक महासंघ), विद्यालय के निदेशक डॉ० कुमार द्विजेन्द्र तथा प्राचार्य डॉ० अर्चना सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

उद्घाटन के उपरान्त विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक एवं समसामयिक स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया, जिसमें प्रकृति के सौदर्य एवं संरक्षण को दशार्या गया। तत्पश्चात छात्र-छात्राओं ने अतिथियों को पौधा देकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।इस अवसर पर आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए प्राचार्या डॉ० अर्चना सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन वैश्विक समस्या है। न सिर्फ भारत, बल्कि विश्व के अनेक देश इस समस्या से जूझ रहे है। जलवायुपरिवर्तन से बचने का एक मात्र उपाय अपने पर्यावरण का संरक्षण है। हमारा विद्यालय अपने बच्चों के माध्यम से स्वच्छता, प्रदुषण, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर हमेशा जागरूकता कार्यक्रमों को आयोजित करते रहता हैं। इस आयोजन में हमारे विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने प्रोजेक्ट, पोस्टर तथा विज्ञान व तकनीक से संबंधित विभिन्न मशीनरी उपकरणों के माध्यम से यह बताया है कि हम कैसे जलवायु परिवर्तन संतुलित रख सकते हैं। हमारे छात्र-छात्राओं का यह प्रयास न सिर्फ सराहनीय है, बल्कि समाज को संदेश देने वाला भी है। उन्होनें कहा कि यहाँ उपस्थित जितने भी अभिभावक तथा अतिथि है, वे इस प्रदर्शनी से एक सकारात्मक संदेश लेकर जाएगें।

प्राचार्या ने कहा कि यहाँ दशार्यी गई प्रत्येक कृति बच्चों की मौलिक कल्पनाशीलता है। उद्घाटन के बाद सभी अतिथियों, अभिभावकों तथा आम लोगों ने 'कला एवं विज्ञान प्रदर्शनी स्वावलोकन किया। छोटे-छोटे बच्चों की कल्पनाशीलता एवं वैज्ञानिक दृष्टि को देखकर सभी अतिथि, अभिभावक का और आम लोग हतप्रभ थे। प्रदर्शनी में कई बच्चों द्वारा प्रोजेक्ट, पोस्टर, मॉडल और विज्ञान व तकनीक के माध्यम से रेन वाटर हार्वेस्टिम सिस्टम, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, ग्रीन सिटी, स्मार्ट सिटी, स्मोक अब्जॉनर, लेजर सिक्योरिटी सिस्टम, रिमोट कन्ट्रोल टैंक, समेज वॉटर ट्रीटमेंट, धर्मल पावर प्लांट, फंक्शनिंग ऑफ हन्यूमन हार्ट, वॉइस कन्ट्रोल कार, इसरो स्पेश मिशन तथा जैम का मॉडल प्रस्तुत किया है। वहीं कई छात्र-छात्राओं ने पेन्टिंग और पोस्टर के माध्यम से जल-संरक्षण, वायु प्रदुषण तथा पर्यावरण संरक्षण की मार्मिक अपील की है।

कुल मिलाकर यह 'कला एवं विज्ञान प्रदर्शनी आम लोगों से यह अपील करती है कि यदि हम आज नहीं सुधरे तो हमारा कल बर्बाद हो जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता श्री अवषेश नारायण सिंह (पूर्व सभापति, बिहार विधान परिषद) ने छात्र-छात्राओं तथा अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें (कार्बन डाई ऑक्साइड) उत्सर्जन वाली वस्तु जैसे ए०सी०, हीटर इत्यादि के प्रयोग से बचना होगा। उन्होनें कहा कि देश के असल विकास का रास्ता विज्ञान और प्रौधोगिकी है, फिर भी हमें पेड़-पौधे लगाने होंगे।

## भोजपुर मुखिया संघ के जिला अध्यक्ष हरेन्द्र प्रसाद यादव की अध्यक्षता मे किया गया बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। मुखिया संघ भोजपुर के द्वारा आरा एकजोतिका होटल पुर्वि गुमटी मे जिला अध्यक्ष हरेन्द्र प्रसाद यादव की अध्यक्षता मे बैठक की गई।जिसमे कई बिन्दुओ पर चर्चा की और ये प्रस्ताव लिया गया की प्रदेश अध्यक्ष प्रदेश मे मंत्री और पदाधिकारिओ से मिलकर बात करे और मुखिया की अधिकारों की बात जल्द नही माना जाएगा तो प्रदेश अध्यक्ष का जो निर्देश होगा भोजपुर के मुखिया गण बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगें।

आज के मीटिंग मे विशेष रूप से जिला मुखिया संघ का संगठन का विस्तार किया गया।जिसमे तरारी प्रखंड के पंचायत चकिया के मुखिया मुना कुमार को जिला उपाध्यक्ष,सहार प्रखंड , पंचायत अंधारी मुखिया विजय कुमार को जिला महासचिव,आरा सदर प्रखंड,पंचायत गंगहर के मुखिया मुकेश कुमार प्रसाद को जिला उपाध्यक्ष,चरपोखरी प्रखंड, पंचायत सियाडीह के मुखिया लाल मुक्ति पासवान को जिला महासचिव,शाहपुर प्रखंड पंचायत गौरा के मुखिया मनोज कुमार ठाकुर को जिला उपाध्यक्ष ,संदेश प्रखंड पंचायत खंडोल के मुखिया भरत सिंह प्रधान सचिव,जगदीशपुर प्रखंड पंचायत पूर्वी आयर के मुखिया उमेश सिंह कुशवाहा जिला उपाध्यक्ष,कोइलवर प्रखंड पंचायत चन्दा के मुखिया शिव शंकर को जिला प्रधान सचिव,बड़हरा प्रखंड पंचायत मटुकपुर के मुखिया बिजय प्रसाद को जिला उपाध्यक्ष के रूप मे सर्वसम्मति से चुना गया।जिसमे जिला संयोजक सत्येंद्र नारायण सिंह, जिला सचिव अभय कुमार सिंह,जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार यादव,जिला उपाध्यक्ष धर्मशीला देवी प्रतिनिधि संजीव कुमार सिंह उर्फ मिया सिंह,कोइलवर प्रखंड अध्यक्ष सह प्रदेश कमिटी सदस्य विनय प्रताप सिंह,सहार प्रखंड अध्यक्ष रामसुभग सिंह,जिला प्रवक्ता सुसुमलता कुशवाहा,शाहपुर प्रखंड अध्यक्ष बलिराम यादव,मुखिया शम्भू नाथ सिंह कोइलवर एवं अन्य मुखिया गण उपस्थित थे।

## सन्नी लियोनी के साथ केक काटकर पवन ने मनाया जन्मदिन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुरी सिनेमा जगत के पावर स्टार पवन सिंह का आज यानी 5 जनवरी को जन्मदिन है। इस बार पवन सिंह ने अपना जन्मदिन मुंबई में सन्नी लियोनी के साथ केक काटकर मनाया है। पवन सिंह ने अपना 38वां जन्मदिन मनाया है। दरअसल पवन सिंह के जन्मदिन पर एक बड़ा गाना के रिलीज होने की सूचना है। जिसकी शूटिंग हो रही है। बताया जा रहा है कि यह भोजपुरी सिनेमा इंडस्ट्री का सबसे महंगा गाना होने जा रहा है। और इसको लेकर उनके फैन्स काफी उत्साहित है और उस गाने का इंतजार कर रहे है आज उनके जन्मदिन पर खूब लोग पवन सिंह को बधाई दे रहे है और उनके साथ उनके भाई रानू सिंह भी मौजूद थे पवन सिंह के अजीज दोस्त दीपक सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस म्यूजिक वीडियो में पवन सिंह के साथ बॉलीवुड स्टार सनी लियोनी नजर आएंगी। यह गाना वीडियो पवन सिंह के जन्मदिन पर रिलीज करने की।योजना है। माना जा रहा है कि इस गाने का बजट एक भोजपुरी फिल्म से भी ज्यादा है। यह गाना फुल बॉलीवुड स्टाइल में है। सारे काम करनेवाले टेक्नीशियन बॉलीवुड के ही है। वहीं पवन सिंह के साथ इस गाने में ज्योतिका टांगरी गाना गाएंगी। वहीं गाना के बोल "तेरी लाल चुनरिया गोरी चुरा के मेरा दिल ले गयी" है। वहीं जानकारी के मुताबिक गाने का ऑडियो वर्जन जारी कर दिया गया है। वहीं दूसरी तरफ फैंस इस गाने को लेकर बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। साथ ही पवन सिंह के जन्मदिन को लेकर फैंस उनको सोशल मीडिया पर बधाई देते दिख रहे है। वही वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि किस तरह से पावर स्टार पवन सिंह अपने दोस्त मित्र और अन्य लोगों के साथ केक काटकर जन्मदिन मना रहे हैं और आज भोजपुर जिले में भी चारों तरफ इसकी धूम मची हुई है और उनके प्रशंसक उनको बधाई दे रहे हैं भोजपुर जिले के रहने वाले सुपरस्टार पवन सिंह को आज लोग सोशल मीडिया के माध्यम से भी बहुत बधाई दे रहे हैं वहीं पवन सिंह ने भी सभी लोगों को इस मौके पर धन्यवाद दिया।

## केन्द्रीय योजनाओं के प्रति जागरूक करने हेतु कार्यशाला का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भारतीय जनता पार्टी भोजपुर जिलाध्यक्ष दुर्गा राज की अध्यक्षता मे शुक्रवार को भाजपा जिला कार्यालय मे आगामी कार्यक्रमो और केन्द्र सरकार की योजनाओ से अधिक लोगो को को लाभान्वित करने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की शुरूआत वंदेमातरम के साथ हुआ।कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री नरेन्द्र तिवारी ने किया। कार्यशाला मे प्रदेश भाजपा द्वारा पारित राजनीतिक प्रस्ताव को जिला उपाध्यक्ष सतीश भट्ट द्वारा पढा गया,जिसे सर्वसम्मति से समर्थन किया गया। कार्यशाला मे प्रदेश उपाध्यक्ष सह क्षेत्रीय प्रभारी सिदार्थ शंभु,आरा विधायक अमरेन्द्र प्रताप सिंह,विधानपार्षद अवधेश नारायण सिंह,जिला प्रभारी संजय कुशवाहा, दक्षिण बिहार प्रांतीय सह संयोजक मिथिलेश कुशवाहा, पूर्व जिलाध्यक्ष सह पटना जिला प्रभारी डॉ प्रेम रंजन चतुवेर्दी ने उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का का कार्यक्रम चुनावी मोड मे है।प्रदेश द्वारा कार्यक्रम तय हुआ है,जो बूथ स्तर तक होगा। भाजपा के सभी कार्यकताओं को अपना बूथ मजबुत करना है।वहीं 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती पर युवा दिवस पटना मिलर स्कूल मैदान मे मनेगा, जिसमे भोजपुर जिला से हजारो युवा शामिल होंगे। फिर 24 जनवरी को कपूर्री ठाकुर जयंती पर भी मिलर स्कूल मे बड़ी सभा का आयोजन किया गया है।उक्त दोनो सभाओ मे अधिक से अधिक संख्या मे पहुंचने की अपील की गई। 22 जनवरी को अयोध्या मे प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के जिला संयोजक सूर्यभान सिंह ने जिले भर मे चल रहे अक्षत वितरण निमंत्रण कार्यक्रम का पूर्ण जानकारी दी।वहीं प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के जिला संयोजक अशोक शर्मा ने विश्वकर्मा योजना के पंजीकरण करने की जानकारी देते हुए जिला से अधिक से अधिक कारीगरो को लाभ देने का आश्वासन दिया। विकसित भारत संकल्प यात्रा जिला संयोजक ई. धीरेन्द्र सिंह ने मोदी गारंटी गाड़ी का जिले के सभी पंचायतो मे भ्रमण का व्योरा रखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी के गारंटी गाड़ी से योजनाओ से वंचित लाभार्थियों को लाभ प्राप्त हो रहा है और विकसित भारत के संकल्प ले रहे है। 08 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी गारंटी वाली गाड़ी से सीधे जनता के साथ जुड़ेगे। महामंत्री राकेश सिंह ने आगामी कार्यकर्मो की रुपरेखा रखते हुए बूथ से जिला स्तर के कार्यकर्मो को कार्यशाला मे रखा। कार्यक्रम मे क्षेत्रीय सह प्रभारी अशोक भट्ट,जिला उपाध्यक्ष मीरा यादव,कौशल यादव,मंत्री मधु मिश्रा, अरविन्द पांडेय,संतोष चंद्रवंशी, विनय बेलाऊर, रंजना श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी संजय कुमार सिंह,रमेश कुमार कर्ण,राहुल सिंह,धीरज सिंह,संतोष सिंह,राजेश सिंह,युवा मोर्चा अध्यक्ष विभु जैन,किसान मोर्चा अध्यक्ष विद्या सागर पांडेय,पिछडा मोर्चा महामंत्री हरेन्द्र सिंह,महिला मोर्चा महामंत्री शालिनी सिंह,अनु.जाति मोर्चा अध्यक्ष विजय पासवान सहित मंडल अध्यक्ष,मंडल प्रभारी,लोकसभा विस्तारक सुनील सिंह,विधानसभा विस्तारक और वरिष्ठ कार्यकर्ता थे।

## अमृत भारत महोत्सव अंतर्गत रेलवे स्टेशन का कायाकल्प दिख रहा कोरी सपना

### 25 प्रतिशत की लागत के अनुरूप स्वप्न को पूरी करने हेतु कार्य जारी

प्रात : किरण संवाददाता

कैमूर- भारत सरकार के अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 24470 करोड रुपए से अधिक की राशि खर्च करने की योजना की आधारशिला के बावजूद भी, स्टेशनों का कायाकल्प कार्य के निर्माण प्रक्रिया देखने से प्रतीत होता है कि यह एक कोरी सपना है। लोगों से मिली शिकायत पर पहुंचने के बाद जिला अंतर्गत कुदरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक एक -दो के मध्य चल रहे निर्माणकार्य में सभी जगह पर ईट चार नंबर का, तो जुड़ाई में प्रयोग होने वाले वस्तु भी कोई विशेष मार्क का देखने को नहीं मिला। यदि किसी भवन का निर्माण कमजोर होता है, तो अक्सर यह देखने को मिलता है की थोड़ी सी भी कंपन पर मलबे की ढेर में तब्दील होने में देर नहीं लगता। जबकि देखा जाए तो यहां 24 घंटे गाड़ियों का आवागमन है, जिससे कि तेज कंपन होता है। तो क्या इसे एक कोरी सपना कहने के साथ ही लोगों को मौत के मुंह में जानबूझकर धकेलना कहा जाए तो गलत है। सरकारी योजनाओं में ऐसा किसी एक जगह की नहीं अधिकांश जगहों में देखने को मिलता है। विगत वर्षों में स्थानीय लोगों के साथ ही वार्ड से संसद तक के जनप्रतिनिधि व तथा कथित सामाजिक कार्यकताओं द्वारा, स्टेशन के विकास व लोगों की सुविधाओं हेतु मांग किया जा रहा था। भारत सरकार द्वारा अमृत महोत्सव योजना अंतर्गत सुविधा विकास हेतु 6 अगस्त को कुदरा स्टेशन के पुनर्विकास हेतु 18 करोड़ 86 लाख की राशि घोषणा किया गया, वर्तमान समय में कार्य प्रारंभ है। यदि स्थल पर देखा जाए तो कार्य 25 प्रतिशत की लागत के तहत तैयार करने की योजना दिख रही है, जो कि कभी भी धराशाई हो मलबे की ढेर में तब्दील हो जाएगा। आखिर पूर्व समय में सुविधाओं की मांग करने वाले जनप्रतिनिधि क्यों मौन है। संदर्भ में स्थानीय प्रखंड भाजपा अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह के द्वारा कहा गया, की यह जो भी कार्य हो रहा है सरासर गलत है, सरकार द्वारा जो योजना की राशि घोषित की गई है योजना की जो प्रक्रिया है उस के तहत कार्य नहीं हो रहा है। उनके द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ ही अधिकारियों से भी गुहार लगाया गया, कि यथा शीघ्र संज्ञान में लेते हुए कार्य को उचित पैमाने के साथ कराया जाए। पर सच में देखा जाए तो जितने दिनों से कार्य लगा है अनेकों अधिकारी पदाधिकारी यहां से आते जाते हैं, पर लगता है कि नींद में सोए हुए आते जाते हैं, आखिर इसका जिम्मेवार कौन है ? इस विषय में यह एक प्रश्न जन्म ले लिया है कहीं विचार करें ऐसे जन प्रतिनिधियों को चुनकर आप तो नहीं।

## तीसरे दिन भी उचित मुआवजे की मांग हेतु पीएनसी कैंप मैं किसानों का धरना जारी

प्रात : किरण संवाददाता

कैमूर। जिला के किसानों द्वारा विगत मंगलवार 2 जनवरी 2024 से भारतमाला परियोजना वाराणसी - कोलकाता एक्सप्रेस वे के लिए, सरकार द्वारा अधिग्रहित की गई भूमि की उचित मुआवजे की मांगों को लेकर पदयात्रा निकाली गई थी, पदयात्रा की शुरूआत यूपी बॉर्डर के धरौली से हुई और 20किमी की दूरी तय कर चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मसोई गांव स्थित पीएनसी कैंप पहुंच अनिश्चितकालीन धरने का शंखनाद किया गया था, जो की बृहस्पतिवार को तीसरे दिन भी जारी रहा।कार्यक्रम का नेतृत्व किसान संघर्ष मोर्चा के जिलाध्यक्ष विमलेश पाण्डेय के द्वारा किया जा रहा है। किसानों द्वारा लगातार अपनी मांगों को लेकर सरकार व जिला प्रशासन के विरोध नारे लगाए जा रहे हैं। ऐसे देखा जाए तो किसानों द्वारा अपनी मांग लगातार दो वर

# सिद्धांत चतुर्वेदी ने फिल्म इंडस्ट्री के राज खोले

**सिद्धांत चतुर्वेदी की फिल्म खो गए हम कहां हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। इस फिल्म में उनके साथ अनन्या पांडे, आदर्श गौरव भी हैं। सिद्धांत को फिल्म में निभाए गए किरदार के लिए तारीफें मिल रही हैं। ऐसे में एक इंटरव्यू के दौरान एक्टर ने फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी कुछ बातें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में उनका कोई खास दोस्त नहीं है।**

## फिल्म इंडस्ट्री में लोगों के पास समय नहीं है

सिद्धांत चतुर्वेदी ने साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म गली बॉय से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट मेन लीड में नजर आए थे। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन किया था। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म खो गए हम कहां में सिद्धांत ने इमाद का किरदार निभाया। सिद्धांत ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा– मेरे लिए फिल्म का सेट एक ऐसी जगह है जहां मैं आता हूं, काम करता हूं और घर वापस चला जाता हूं। इस दौरान आपके दोस्त बनते हैं। मैंने भी दोस्त बनाए तो हैं, पर सिर्फ दो। एक अर्जुन वरैन सिंह (खो गए हम कहां के डायरेक्टर) और दूसरा गौरव आदर्श। बतौर एक्टर्स हमारी जॉब्स बहुत अजीब सी होती हैं। आपको पता नहीं होता कि आगे क्या होगा। अगर आप दोस्त बनाते हैं, तो उनसे मिल नहीं पाते हैं। जैसे कि ईशान खट्टर मेरा एक अच्छा दोस्त है, मगर मैं लंबे समय से ईशान से नहीं मिल पाया हूं। फिल्म इंडस्ट्री में बहुत कम लोग हैं जो मेरे दोस्त हैं, लेकिन हमारे पास कनेक्ट करने का समय नहीं होता है।

## स्टार्स से दोस्ती की उम्मीद ना रखें

सिद्धांत ने आगे कहा– मैंने काफी बड़े स्टार्स के साथ भी काम किया है। उनके पास मिलने का समय ही नहीं होता, इसलिए उनसे दोस्ती की उम्मीद ना रखें। मैं समझता हूं कि उन पर बहुत सारी निगाहें होती हैं। लाइफ को बैलेंस करना इतना आसान नहीं होता है। हम अक्सर इवेंट्स के दौरान मिलते हैं। इवेंट में गले मिलकर एक दूसरे का हाल–चाल पूछते हैं और फिर अपने–अपने घर वापस चले जाते हैं। मैं मानता हूं ये एक प्रोसेस की तरह है, जहां वे स्टार्स दुनिया से अलग होकर अपनी शेल में चले जाते हैं। हालांकि फिल्म इंडस्ट्री में काम करने का यही तरीका है, इसलिए मैं शिकायत भी नहीं कर रहा हूं।

## सिद्धांत चतुर्वेदी के लिए इंडस्ट्री वेलकमिंग रही

सिद्धांत चतुर्वेदी इंडस्ट्री में एक आउटसाइडर हैं। ऐसे में फिट होने की बात पर उन्होंने कहा– मैं यहां बाहर से आया हूं। फिल्म इंडस्ट्री में हर कोई मेरे प्रति रिसेप्टिव (काम करने की चाहत) है। मैंने बड़े–बड़े स्टार्स के साथ काम किया है। उनका बर्ताव मेरे साथ बहुत अच्छा रहा है। मैं चाहता हूं कि आगे भी स्टार्स के साथ काम करता रहूं। इससे ज्यादा की उम्मीद करना मेरी बेवकूफी होगी। मैं अच्छी तरह समझता हूं कि हर चीज में बैलेंस बनाना मुश्किल होता है।

## सिद्धांत एक्शन फिल्म में नजर आएंगे

सिद्धांत जल्द ही एक्शन–ड्रामा फिल्म युधरा में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ मालविका मोहनन होंगी। फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के बैनर तले युधरा रिलीज की जाएगी। सिद्धांत की पॉपुलर फिल्मों में गली बॉय, दीपिका पादुकोण के साथ गहराइयां और कटरीना कैफ के साथ फोनभूत रही हैं।

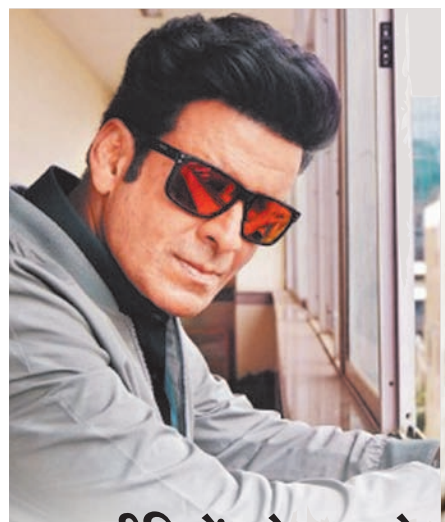

# राजनीति में प्रवेश करने की अटकलों पर मनोज बाजपेयी ने तोड़ी चुप्पी

देश के सबसे बेहतरीन और निपुण अभिनेताओं में से एक और बड़े पर्दे से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक अपने अभिनय का जादू बिखेरने वाले मनोज बाजपेयी की फिल्में और वेब सीरीज दर्शकों को खूब पसंद आती है। सत्या और गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसी फिल्मों में मनोज के किरदार को लोग आज भी याद करते हैं। वे हर बार कुछ नया करने की कोशिश करते हैं, जो उन्हें अन्य अभिनेताओं से अलग बनाता है। अभिनेता अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में चलते हैं। पिछले कई दिनों से खबर आ रही है कि मनोज लोकसभा चुनाव लड़ने वाले हैं, जिसे लेकर अब अभिनेता ने सारी अटकलों को खारिज किया है। अभिनेता 11 जनवरी को अपनी आगामी नेटफ्लिक्स सीरीज किलर सूप की रिलीज के लिए तैयार हैं। मनोज को शहर में अपनी नई सीरीज का प्रचार करते देखा गया है, जिसमें कोंकणा सेन शर्मा भी हैं। इन सबके अलावा कुछ दिनों से मनोज बाजपेयी का राजनीति क्षेत्र में भी नाम उछाला जा रहा है। हाल ही में, अभिनेता ने अपनी राजनीतिक खबरों को लेकर उठ रही अटकलों पर एक बार फिर विराम लगाने के लिए अपने एक्स अकाउंट का सहारा लिया है। मनोज ने ट्विटर पर लिखा, अच्छा ये बताओ ये बात किसने बोला या कल रात सपना आया? बोलिए बोलिए! उनके इस सवाल से साफ है कि निकट भविष्य में वे राजनीति में जाने की कोई योजना नहीं बना रहे हैं। जाहिर है फैंस के लिए यह खबर किसी खुशखबरी से कम नहीं है क्योंकि वे अभिनेता को स्क्रीन पर देखना ज्यादा पसंद करते हैं। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी के विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में पश्चिम चंपारण लोकसभा क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ने की खबरें तेजी से वायरल हो रही थी। अभिनेता की चुप्पी ने कयासों का बाजार गर्म किया हुआ था, लेकिन मनोज ने इन अटकलों को खारिज करते हुए सारी अफवाहों को खारिज कर दिया है। अभिनेता की वेब सीरीज किलर सूप 11 जनवरी 2024 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसके अलावा अभिनेता द फैमिली मैन के बहुप्रतीक्षित तीसरे सीजन में भी दिखाई देंगे।

# फैमिली प्लानिंग पर पहली बार बोलीं दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण ने पहली बार किसी इंटरव्यू में फैमिली प्लानिंग पर बात की है। एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें और उनके पति रणवीर सिंह को बच्चे बहुत पसंद हैं। दोनों उस दिन का इंतजार कर रहे जब वो अपना परिवार शुरू करेंगे। इस इंटरव्यू में दीपिका ने यह भी बताया कि वो और रणवीर अपने बच्चों को वही वैल्यूज देने की उम्मीद करते हैं, जिनके साथ कपल के पैरेंट्स ने उन्हें पाला है। वोग सिंगापुर को दिए एक इंटरव्यू में दीपिका ने बताया कि कैसे उनके पैरेंट्स प्रकाश पादुकोण और उज्जवला पादुकोण ने एक्ट्रेस और उनकी बहन अनीशा पादुकोण परवरिश की। उन्होंने रणवीर के साथ अपनी फैमिली शुरू करने पर भी बात की।

## मेरे रिश्तेदार कहते थे मैं जरा भी नहीं बदली

दीपिका ने अपनी परवरिश पर बात करते हुए कहा– जब मैं बड़ी हो रही थी और अपनी आंटी, अंकल या फैमिली फ्रेंड्स से मिलती थी तो वो हमेशा कहते थे कि मैं जरा सी भी नहीं बदली। यह मेरी अपब्रिंगिंग के बारे में काफी कुछ बयां करता है।

## 'घर पर मैं कोई सेलेब्रिटी नहीं हूं'

दीपिका ने आगे कहा– 'इस इंडस्ट्री में लोग बड़े ही आराम से फेम और पैसे के चक्कर में फंस जाते हैं पर मेरे घर पर कोई भी मुझे सेलेब्रिटी की तरफ ट्रीट नहीं करता। मैं वहां एक बेटी और एक बहन पहले हूं और मैं उसे बदलना भी नहीं चाहती। मेरा परिवार मुझे जमीन से जोड़े रखता है। रणवीर और मैं अपने बच्चों को ऐसी ही वैल्यूज देना चाहते हैं।'

## मुझे बच्चे बहुत पसंद हैं

वहीं जब इंटरव्यू में पूछा गया कि क्या वो आगे जाकर मां बनने के बारे में विचार कर रही हैं तो दीपिका ने कहा– 'बिलकुल, मुझे और रणवीर को बच्चे बहुत पसंद हैं। हम दोनों उस दिन का इंतजार कर रहे हम अपना परिवार शुरू करेंगे।'

## राम लीला के सेट पर पहली बार मिले थे दीप–वीर

दीपिका और रणवीर की शादी को हाल ही में 5 साल पूरे हुए हैं। कपल ने नवंबर 2018 में इटली के लेक कोमो में डेस्टिनेशन वेडिंग की थी। इससे पहले दोनों ने 6 साल तक एक दूसरे को डेट किया था। रणवीर और दीपिका पहली बार भंसाली की फिल्म 'राम लीला' के सेट पर मिले थे। इसके बाद दोनों ने 'बाजीराव मस्तानी' और 'पद्मावत' जैसी फिल्मों में भी काम किया था।'

# मैं सिर्फ पैसों के लिए मुन्नाभाई नहीं बनाना चाहता

निर्देशक राजकुमार हिरानी इन दिनों अपनी फिल्म डंकी को लेकर खासे चर्चाओं में हैं। इस फिल्म की चर्चा इसलिए हो रही है क्योंकि इसने बॉक्स ऑफिस पर वो चमत्कारिक कमाई नहीं की है, जिसके लिए हिरानी जाने जाते हैं। हालांकि फिल्म 200 करोड़ के आसपास पहुँच गई है, लेकिन शाहरुख खान के होने के बावजूद यह फिल्म औसत दर्जे की रह गई है। हाल ही में राजकुमार हिरानी ने पीटीआई को एक साक्षात्कार दिया है जिसमें उन्होंने कहा है कि इन दिनों वे एक ओटीटी शो कर रहे हैं। अपने साक्षात्कार में हिरानी ने कहा, मैं एक ओटीटी शो कर रहा हूं, जिसकी शूटिंग हम वास्तव में इस महीने से शुरू कर रहे हैं। मैं इसका एक शो रनर हूं, मैं इसका निर्देशन नहीं कर रहा हूं। यह हॉटस्टार (डिज्नी हॉटस्टार) के लिए एक शो है और विक्रांत मैसी इसमें एक भूमिका निभा रहे हैं। यह कुछ ऐसा है जिससे मैं स्क्रिप्ट और जिस तरह से इसे आगे बढ़ाया गया है, उससे बहुत खुश हूं। इस शो में, मैं वास्तव में शामिल हूं और यह मेरे अपने क्षेत्र में है। मुन्नाभाई श्रृंखला, 3 इडियट्स, पीके और बायोपिक संजू जैसी जीवन से जुड़ी फिल्मों के लिए जाने जाने वाले हिरानी के पास कुछ फीचर विचार भी हैं जिन्हें वह आगे विकसित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, सौभाग्य से, कोविड–19 ने हमें घर पर बैठने और अधिक स्क्रिप्ट पर काम करने का समय दिया। मैं अब एक या दो महीने में और अधिक स्क्रिप्ट पर काम कर रहा हूं और हम तय करना शुरू कर देंगे कि हम कहां जाएंगे। 3 इडियट्स बनाने से पहले, हिरानी को मुन्नाभाई श्रृंखला के तीसरे भाग का निर्देशन करना था, जिसका एक शीर्षक और एक टीज़र भी था, लेकिन वह इसके साथ आगे नहीं बढ़े। यह पूछे जाने पर कि क्या तीसरी किस्त अभी भी संभव है, हिरानी ने कहा कि यह कुछ समय से उनके दिमाग में है, लेकिन वह बिना किसी बेहतरीन कहानी के और अपनी पहली दो फिल्मों मुन्नाभाई एमबीबीएस की लोकप्रियता का फायदा उठाने के लिए इसका निर्देशन नहीं करना चाहते हैं।

# टॉक्सिक में यश के साथ नजर आ सकती हैं करीना

चैप्टर 2 के बाद से रॉकिंग स्टार यश की अगली फिल्म का इंतजार दर्शक बड़ी बेसब्री से कर रहे हैं। कुछ समय पहले ही यश ने अपना अगला प्रोजेक्ट अनाउंस किया है जिसका टाइटल टॉक्सिक रखा गया है। ये भी उनकी पिछली फिल्म की तरह एक ग्रैंड फिल्म नजर आ रही है। आलोचकों से जमकर तारीफ पा चुकीं निर्देशक गीतू मोहनदास इस फिल्म को निर्देशित करने जा रही हैं। यश की फिल्म का आना अपने आप में बड़े पर्दे पर बड़े धमाके की गारंटी है और अब मीडिया में आए समाचारों की मानें तो टॉक्सिक की कास्ट और भी बड़ी होने जा रही है। इंडस्ट्री में ये चर्चा गर्म है कि बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेज में से एक करीना कपूर खान, यश के साथ टॉक्सिक में नजर आने वाली हैं।

## साउथ में डेब्यू करेंगी करीना!

करीना ने 24 साल पहले रिफ्यूजी से फिल्मों में कदम रखा था। तब से अब तक वो पक्की बॉलीवुड एक्ट्रेस रही हैं और उन्होंने कभी साउथ की फिल्मों में काम नहीं किया है। बताया जा रहा है कि यश की टॉक्सिक के मेकर्स करीना को फिल्म में लेने के लिए बहुत उत्सुक हैं और इस बारे में करीना से डिस्कशन भी शुरू कर चुके हैं। अगर करीना ये फिल्म साइन करती हैं तो ये उनका साउथ डेब्यू भी होगा। बताया जा रहा है कि यश और टॉक्सिक के मेकर्स एक ऐसे नाम को फिल्म में लेना चाहते थे जो न सिर्फ इस प्रोजेक्ट को और बड़ा कर दे, बल्कि जिसके आने से फिल्म भी ज्यादा से ज्यादा ऑडियंस तक पहुंचे। इसीलिए करीना को अप्रोच किया गया है। पिछले साल आई नेटफ्लिक्स फिल्म जानेजां में करीना के काम को बहुत पसंद किया गया था।

# वरुण धवन की नई दुल्हनिया बनेंगी जाह्नवी कपूर!

वरुण धवन ने हम्पटी शर्मा की दुल्हनिया और बद्रीनाथ की दुल्हनिया से खूब धमाल मचाया था। अब वरुण धवन दुल्हनिया फ्रेंचाइजी की अगली इंस्टॉलमेंट में तीसरी बार दुल्हा बनने वाले हैं हालांकि इस बार उनकी दुल्हनिया आलिया भट्ट नहीं होंगी। प्राप्त समाचारों के अनुसार इस सीरीज की तीसरी फिल्म में वरुण धवन के साथ बवाल में नजर आ चुकी अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने आलिया भट्ट को रिप्लेस कर दिया है। पीपिंगमून की एक रिपोर्ट के मुताबिक वरुण धवन के साथ 'बवाल' में स्क्रीन शेयर कर चुकीं जाह्नवी कपूर इस बार फ्रेंचाइजी की नई दुल्हनिया होंगी। हालाँकि ये क्लियर नहीं हो पाया है कि आलिया हिट फ्रेंचाइजी में क्यों नहीं लौट रही हैं। हो सकता है कि डेट इश्यू की वजह से आलिया भट्ट ने दुल्हनिया 3 को ना कहा हो। अगर रिपोर्ट सच है, तो पिछले साल रिलीज हुई 'बवाल' के बाद वरुण और जाह्नवी कपूर एक बार फिर स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आएंगें।

# पहली बार तुषार कपूर के साथ स्क्रीन साझा करेंगी प्रियंका चाहर

बिग बॉस 16 की कंटेस्टेंट प्रियंका चाहर चौधरी दर्शकों की पसंदीदा सेलिब्रिटी में से एक हैं। बिग बॉस में आने के बाद प्रियंका को बड़ी सफलता मिली। उनके फैंस उनसे बेहद प्यार करते हैं। अभिनेत्री एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। प्रियंका इन दिनों अपनी पहले वेब सीरीज दस जून की रात के लिए तैयारी कर रही हैं। प्रियंका चाहर चौधरी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने नए प्रोजेक्ट की घोषणा करते हुए एक पोस्ट साझा किया। उन्होंने अपनी नए वेब सीरीज दस जून की रात के क्लैपरबोर्ड की एक तस्वीर पोस्ट की है। प्रियंका चाहर ने इस खबर को अपने फैंस के साथ साझा किया है। उन्होंने पोस्ट साझा कर लिखा, तो चलिए इस कहानी की शुरुआत करते हैं, आप सभी के प्यार से चलो। इसके अलावा एकता कपूर ने भी अपने अगले प्रोडक्शन वेंचर के सेट से एक तस्वीर साझा की। प्रियंका चाहर चौधरी के साथ इस सीरीज में अभिनेता तुषार कपूर नजर आएंगे। क्लैपरबोर्ड की फोटो शेयर करते हुए एकता ने कैप्शन में प्रियंका, तुषार, जियो सिनेमा, बालाजी टेलीफिल्म्स को टेग कर लिखा, दस जून की रात! यह बेगिन्स। जय माता दी। जसवंद एंटरटेनमेंट के बैनर तले सचिन मोहिते द्वारा दस जून की रात का निर्माण किया जा रहा है। इसकी सह–निर्माता एकता कपूर हैं। यह पहली बार है जब प्रियंका और तुषार एक साथ स्क्रीन साझा करते हुए नजर आएंगे। यह वेब सीरीज जियो सिनेमा और एएलटी बालाजी पर रिलीज होगी। प्रियंका चाहर चौधरी और एकता कपूर के साथ में काम करने की चर्चा पिछले काफी वक्त से सुर्खियों में है। पहले कहा जा रहा था कि प्रियंका नागिन 7 में अहम किरदार निभाती हुई नजर आएंगी। हालांकि, अब प्रियंका ने एकता कपूर के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट की घोषणा कर दी है। इस खबर के बाद फैंस बेसब्री से उन्हें स्क्रीन पर देखने का इंतजार कर रहे हैं।

# 54 रुपये का शेयर 252 रुपये पर हुआ लिस्ट, पहले ही दिन 367 प्रतिशत का तगड़ा फायदा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** के सी एनर्जी ने शेयर बाजार में धमाकेदार शुरुआत की है। कंपनी के शेयर 367 पर्सेंट के फायदे के साथ 252 रुपये पर बाजार में लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में के सी एनर्जी के शेयर निवेशकों को 54 रुपये में मिले हैं। आईपीओ में जिन निवेशकों को के सी एनर्जी के शेयर अलॉट हुए हैं, उन्हें पहले ही दिन हर शेयर पर 198 रुपये का तगड़ा फायदा हो गया है। हालांकि, लिस्टिंग के ठीक बाद के सी एनर्जी के शेयर 5 पर्सेंट के लोअर सर्किट के साथ 239.45 रुपये पर पहुंच गए हैं।

### पहले ही दिन निवेशकों को 4 लाख रुपये का फायदा

के सी एनर्जी के आईपीओ ने निवेशकों को पहले ही दिन मालामाल कर दिया है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स 1 लॉट के लिए बोली लगा सकते थे। एक लॉट में 2000 शेयर हैं और रिटेल इनवेस्टर्स को 108000 रुपये लगाने पड़े। आईपीओ में जिन निवेशकों को एक लॉट यानी 2000 शेयर मिले हैं, अब इन शेयरों की मौजूदा वैल्यू बढ़कर 504000 रुपये हो गई है। यानी, निवेशकों को पहले ही दिन 396000 रुपये का तगड़ा फायदा हो गया है। कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं।

### 1052 गुना सब्सक्राइब हुआ था आईपीओ

के सी एनर्जी का आईपीओ टोटल 1052.45 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 1311.10 गुना दांव लगा है। नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का कोटा 1668.97 गुना सब्सक्राइब हुआ है। वहीं, क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का कोटा 127.71 गुना सब्सक्राइब हुआ है। के सी एनर्जी के आईपीओ का प्राइस बैंड 51 से 54 रुपये था। कंपनी के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 15.93 करोड़ रुपये का था। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 96.12 पर्सेंट थी।

### कंपनी ने डिविडेंड के लिए तय किया रिकॉर्ड डेट, शेयरों पर टूट पड़े निवेशक, 80 प्रतिशत का फायदा

डिविडेंड बांटने वाली कंपनियों के शेयरों पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए गुड न्यूज है। सुखजीत स्टार्च एंड केमिकल लिमिटेड की तरफ से डिविडेंड का ऐलान किया गया है। कंपनी एक शेयर पर 80 प्रतिशत का डिविडेंड देने जा रही है। इस डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट अगले हफ्ते है। बता दें, कंपनी के शेयरों में आज यानी 5 जनवरी को तेजी देखने को मिली है। शेयर बाजारों को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले शेयरों को 80 प्रतिशत का डिविडेंड दिया जाएगा। यानी हर एक शेयर पर योग्य निवेशकों को 8 रुपये का फायदा होगा। कंपनी ने

इसके लिए 12 जनवरी 2023 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। बता दें, निवेशकों को ऐलान के तीस दिन के अंदर ही डिविडेंड क्रेडिट हो जाएगा।

इससे पहले कंपनी दिसंबर 2022 में एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी की तरफ से योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 8 रुपये का डिविडेंड मिला था। कंपनी ने 2022 में कुल 18 रुपये का डिविडेंड दिया था। हालांकि, 2023 में सुखजीत स्टार्च एंड केमिकल लिमिटेड की तरफ से कोई भी डिविडेंड देने का ऐलान नहीं हुआ। 4 जनवरी को कंपनी ने डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट घोषित किया। इसी वजह से आज यानी 5 दिसंबर को कंपनी के शेयरों की कीमतों तेजी देखने को मिली है। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में कंपनी के शेयरों का भाव 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 519.55 रुपये के लेवल पर था। कंपनी मौजूदा समय में 52 वीक हाई 539.40 रुपये के बेहद करीब है। बीते 6 महीने के दौरान इस डिविडेंड बांटने वाली कंपनी के शेयरों की कीमतों में 20 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। बता दें, शेयर बाजार में कंपनी का 52 वीक लो लेवल 359.90 रुपये प्रति शेयर है।

## गदर काट रहे अनिल अंबानी की कंपनी के शेयर, 5 दिन में 39 प्रतिशत की तेजी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयर इन दिनों बाजार में गदर काट रहे हैं। कंपनी के शेयरों में तूफानी तेजी बनी हुई है। रिलायंस पावर के शेयर शुक्रवार को करीब 8 पर्सेंट की तेजी के साथ 32.99 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों का यह एक साल का नया हाई है। रिलायंस पावर के शेयरों में पिछले 5 दिन में 39 पर्सेंट का उछाल आया है। एक साल के निचले स्तर से कंपनी के शेयरों में 265 पर्सेंट का उछाल देखने को मिला है। अपने ऑल टाइम हाई से 99 पर्सेंट लुढ़कने के बाद रिलायंस पावर के शेयरों में पिछले 4 साल में 2800 पर्सेंट का उछाल आया है। रिलायंस पावर के शेयर 27 मार्च 2020 को 1.13 रुपये पर थे, जो कि 5 जनवरी 2024 को 32.99 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले ट्रेडिंग सेशन में रिलायंस पावर में 2 बल्क डील्स हुई हैं। 28.76 रुपये के औसत दाम पर 1.95 करोड़ शेयर खरीदे हैं और 28.64 रुपये के एवरेज रेट पर 1.86 करोड़ शेयर बेचे हैं। रिलायंस पावर के शेयरों में पिछले 6 महीने में ताबड़तोड़ तेजी आई है। कंपनी के शेयर पिछले 6 महीने में 130 पर्सेंट चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर 5 जुलाई 2023 को 14.37 रुपये पर थे, जो कि 5 जनवरी 2024 को बढ़कर 32.99 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले एक महीने में अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों में 47 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है। कंपनी के शेयर इस अवधि में 22.30 रुपये से बढ़कर 32.99 रुपये पर जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 9.05 रुपये है। वहीं, रिलायंस पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 32.99 रुपये है।

## संपत्ति के मामले में मुकेश अंबानी से फिर आगे निकले गौतम अदाणी, बने एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार अदाणी ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरपर्सन गौतम अदाणी एक बार फिर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को पछाड़कर भारत के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। अदाणी विश्व रैंकिंग में शीर्ष 12 में शामिल हो गए हैं, वहीं अंबानी 13वें स्थान के साथ सिर्फ एक पायदान नीचे हैं। अदाणी समूह के मुखिया नेट वर्थ में हालिया वृद्धि के साथ एशिया के भी सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। पिछले साल की तुलना में अदाणी और अंबानी दोनों की रैंकिंग में सुधार हुआ है। पिछले 24 घंटे के दौरान गौतम अदाणी की संपत्ति में 7.6 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। वहीं मुकेश अंबानी की संपत्ति 97 अरब डॉलर है। पिछले 24 घंटे के दौरान इनकी नेटवर्थ में 665 मिलियन डॉलर बढ़ी है। 3 जनवरी 2024 को अदाणी-हिंडनबर्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद गौतम अदाणी की कंपनियों के शेयरों के भाव तेजी से मजबुत हुए है इससे उनकी नेट वर्थ में इजाफा हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने अदाणी-हिंडनबर्ग मामले में सेबी की ओर से हो रही जांच को संतोषप्रद बताते हुए कुल 24 में से बचे 2 और मामले की जांच के लिए मार्केट रेग्यूलेटर सेबी को 3 महीने का अतिरिक्त समय दिया है।

## कनाडा की ब्रूकफिल्ड एटीसी के भारतीय कारोबार का अधिग्रहण करेगी, हुआ समझौता

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कनाडा की ब्रुकफील्ड दो अरब डॉलर के उद्यम मूल्य पर एटीसी (अमेरिकन टावर कॉरपोरेशन) के भारतीय कारोबार का अधिग्रहण करेगी। यह सौदा नियामकीय मंजूरी के अधीन है और 2024 की दूसरी छमाही में संपन्न हो सकती है। कनाडा की ब्रुकफील्ड दो अरब डॉलर के उद्यम मूल्य पर एटीसी (अमेरिकन टावर कॉरपोरेशन) के भारतीय कारोबार का अधिग्रहण करेगी। यह सौदा नियामकीय मंजूरी के अधीन है और 2024 की दूसरी छमाही में संपन्न हो सकती है।

## 9 जनवरी को ओपन होगा आईपीओ, ग्रे मार्केट में कंपनी की धूम

**नई दिल्ली, एजेंसी।** 9 जनवरी को ज्योती सीएनसी ऑटोमेशन आईपीओ पर दांव लगाने का मौका निवेशकों को मिल रहा है। कंपनी का आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 8 जनवरी को ओपन होगा। ग्रे मार्केट में भी कंपनी का प्रदर्शन शानदार है। बता दें, इस आईपीओ का प्राइस बैंड 315 रुपये से 331 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। ज्योति सीएनसी ऑटोमेशन आईपीओ के एक लॉट में 45 शेयर रखे गए हैं। जिस वजह से निवेशकों को कम से कम 14,895 रुपये का दांव लगाना पड़ रहा है। वहीं, कोई भी रिटेल निवेशक अधिक से अधिक 13 लॉट पर एक साथ दांव लगा सकता है। कर्मचारियों के लिए कंपनी ने 15 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से छूट दी है। बता दें, निवेशकों के पास 11 जनवरी तक आईपीओ को सब्सक्राइब करने का मौका रहेगा। ग्रे मार्केट में कंपनी का प्रदर्शन हर दिन बेहतक हो रहा है।

## 1 साल में 243 प्रतिशत का रिटर्न, डिफेंस मिनिस्ट्री से मिला 473 करोड़ रुपये का काम

**नई दिल्ली, एजेंसी।** जुपिटर वैगन्स लिमिटेड के शेयरों में आज 4 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह डिफेंस मिनिस्ट्री से मिला करोड़ों रुपये का नया ऑर्डर है। कंपनी को 473 करोड़ रुपये का कॉन्ट्रैक्ट मिला है। बता दें, बीएसई में कंपनी के शेयर सुबह 11.20 मिनट पर 339.50 रुपये के लेवल पर ट्रेड कर रहे थे।

शुक्रवार की सुबह जुपिटर वैगन्स लिमिटेड के शेयर बीएसई में 338.40 रुपये के लेवल पर ओपन हुआ था। हालांकि, कुछ ही देर बाद कंपनी के शेयर 4.01 प्रतिशत की तेजी के साथ 345.15 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। इस तेजी की वजह से कंपनी का मार्केट कैप 14,007 करोड़ रुपये पहुंच गया। कंपनी ने 4 जनवरी को शेयर बाजारों को बताया था कि 697 बोगी ओपन मिलिट्री वैगन्स बनाने का काम मिला है। इस कॉन्ट्रैक्ट की कुल कीमत 473 करोड़ रुपये की है। बता दें, कंपनी रेलवे वैगन्स और कोच बनाने का करती है। पिछले एक साल के दौरान इस मल्टीबैगर स्टॉक की कीमतों में 243 प्रतिशत की तेजी आई है। यानी पोजीशनल निवेशकों को पैसा इस दौरान दोगुना से अधिक हो चुका है।

# आईआईएसईआर भोपाल शोधकर्ताओं ने मस्टर्ड गैस जैसे रासायनिक युद्ध एजेंटों को नष्ट करने के लिए सामग्री को किया विकसित

**भोपाल, एजेंसी।** भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल (आईआईएसईआर भोपाल) के शोधकर्ताओं ने एक प्रभावी फोटोकैटलिस्ट विकसित किया है, जो प्रयोगशालाओं और उद्योगों में रासायनिक प्रक्रियाओं को तेज करने के लिए सौर ऊर्जा और प्रकाश की एक विस्तृत श्रृंखला को अवशोषित करता है।

यह नया, सतत विकास रासायनिक युद्ध एजेंटों जैसे हानिकारक पदार्थों को डिटॉक्सिफाई करने के लिए एक अक्षय ऊर्जा स्रोत का उपयोग करने में योगदान देता है । रासायनिक युद्ध एजेंटों में2-क्लोरोथाइल एथिल सल्फाइड (सीईईएस) और तंत्रिका एजेंट जैसे मस्टर्ड गैस सिमुलेंट शामिल हैं, जो अत्यधिक जहरीले रसायन हैं जो किसी व्यक्ति के तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करते हैं।

यह शोध फोटोकैटलिसिस के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता हैयह एक ऐसी प्रक्रिया है जहाँ प्रकाश के संपर्क में आने पर किसी पदार्थ (फोटोकैटालिस्ट) का उपयोग रासायनिक प्रतिक्रिया की दर को बदलने के लिए किया जाता है। जबकि विभिन्न उद्योगों में प्रभावी प्रकाश संचयन के

लिए कई तरह के फोटोकैटालिस्ट का उपयोग किया जाता है, वे सभी में दोषहैं कि वे केवल प्रकाश के यूवी या उच्च-ऊर्जा वाले भागों को अवशोषित करते हैं।

लेकिन आईआईएसईआर भोपाल के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित यह नया फोटोकैटलिस्ट इस समस्या का समाधान करता है। यूसी-पीओपी-एयू नामक यह नव-विकसित सामग्री उल्लेखनीय शक्ति और उत्प्रेरक दक्षता प्रदर्शित करती है क्योंकि यह प्रकाश के पूरे स्पेक्ट्रम को अवशोषित करती है जिससे यह रासायनिक प्रक्रियाओं के दौरान अधिक शक्तिशाली उत्प्रेरक बन जाती है।

यह शोध आईआईएसईआर भोपाल के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर अभिजीत पात्रा और उनके शोधार्थियों- सुश्री शिल्पी जायसवाल, डॉ अर्काप्रभा गिरी, डॉ दीपेन्द्रनाथ मंडल और सुश्री मधुरिमा सरकार के सहयोग से किया गया है जिसको हाल ही में प्रतिष्ठित जर्नल एंगेवंड्टे केमी में प्रकाशित किया गया है।

वास्तविक दुनिया में फोटोकैटलिस्ट को कहाँ कहाँ उपयोग किया जा सकता है, इस बारे में बताते हुए आईआईएसईआर भोपाल के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर अभिजीत पात्रा ने कहा,वर्तमान शोध ने उन्नत प्रकाश-संचयन छिद्रपूर्ण कार्बनिक बहुलक नैनोकम्पोजिट सामग्री के विकास में एक नई दिशा का खुलासा किया है, जो प्राकृतिक सूर्य के प्रकाश की स्थिति में रासायनिक युद्ध एजेंटों के खिलाफ स्मार्ट सुरक्षात्मक कोटिंग्स को डिजाइन करने में संभावित अनुप्रयोगों को दर्शाता है। यह शोध एक नया प्रकार का फोटोकैटलिस्ट बनाने का एक तरीका है। यह फोटोकैटलिस्ट सूर्य के प्रकाश को अवशोषित कर सकता है और इसका उपयोग रासायनिक युद्ध एजेंटों को नष्टकरने के लिए कर सकता है। इसका मतलब है कि इसका उपयोग इन एजेंटों को पर्यावरण में छोड़े जाने से रोकने के लिए किया जा सकता है। यह मिश्रित पदार्थ निकट-अवरक्त किरणों को अवशोषित करने वाले अपकन्वर्जन नैनोकणों और दृश्यमान किरणों को अवशोषित करने वाले सोने के नैनोकणों को पराबैंगनी किरणों को अवशोषित करने वाले छिद्रपूर्ण कार्बनिक बहुलक के साथ मिलाकर बनाया गया है। सोने और अपकन्वर्जनके नैनोकणों का उपयोग ही रासायनिक प्रतिक्रिया को इतना तेज़ करता है। इस शोध के तकनीकी पहलुओं पर बोलते हुए, प्रोफेसर अभिजीत पात्रा ने कहा, हमने एक अभिनव डिजाइन दृष्टिकोण को विकसित किया है जिसमें एक संयुग्मित छिद्रपूर्ण कार्बनिक बहुलक के साथ प्लाज्मोनिक और अपकन्वर्जन नैनोकणों का एकीकरण शामिल है, जो कृत्रिम प्रकाश संचयन की दिशा में नए आयाम खोलता है। इस फोटोकैटलिस्ट की प्रयोज्यता का परीक्षण करने के लिए, शोध दल ने एक छोटे से कपड़े के टुकड़े को इस फोटोकैटलिस्ट से ढक दिया और इसे धूप में रख दिया। फिर, उन्होंने कपड़े पर मस्टर्ड गैस जैसा एक रसायन छिड़का। उन्होंने पाया कि फोटोकैटलिस्ट ने रसायन को बहुत जल्दी नष्ट कर दिया। यह एक नियमित फोटोकैटलिस्ट की तुलना में बहुत तेज़ था। इसका मतलब यह था कि यह फोटोकैटलिस्ट रासायनिक युद्ध एजेंटों से बचाने के लिए उपयोगी हो सकता है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि यह फोटोकैटलिस्ट पुन- उपयोग करने योग्य है और इसका उपयोग 5 बार सेअधिक किया जा सकता है। कुछ अन्य उत्प्रेरकों के विपरीत, कई उपयोगों के दौरान उत्प्रेरक गतिविधि में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं देखा गया था, जिसे एकत्र और पुन- उपयोग नहीं किया जा सकता है।

## युवाओं में बढ़ रहा है घूमने-फिरने का शौक, लोन लेकर जा रहे विदेश, कोरोना के बाद बढ़ गया चलन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** नई या पसंदीदा जगहों पर घूमना हर किसी का शौक होता है। लेकिन, युवाओं का यह शौक इस कदर परवान चढ़ रहा है कि अब वे इसके लिए लोन तक ले रहे हैं। हालिया रुझान बताते हैं कि ट्रैवल लोन का दायरा बढ़ा है। बड़ी संख्या में भारतीय युवा ट्रैवल लोन लेकर थाईलैंड, श्रीलंका या वियतनाम जैसे कम दूरी वाली जगहों पर छुट्टियां बिताने जा रहे हैं। जापान, अंटार्कटिका, आर्कटिक और ग्रीनलैंड जैसी जगहों पर जाने वालों की भी कमी नहीं है। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ढ्ढञ्ज पेशेवर 30 साल की उम्र वाले कपल ने शुरुआत में घरेलू छुट्टी पर जाने का फैसला किया और फिर 2 लाख रुपये का लोन लेकर सिंगापुर चले गए। एक अन्य कामकाजी दंपती,

जिनकी उम्र भी 30 वर्ष के करीब है और उनका पांच साल का बच्चा भी है, उन्होंने 6 लाख के ट्रैवल लोन पर अमेरिका में 23 दिनों की यात्रा की। ट्रैवल कंपनियों का कहना है कि यह रुझान 2024 में भी जारी रहने की संभावना है। इससे अनुमानित 25,000 करोड़ के लोन पोर्टफोलियो का और विस्तार हो रहा है। काफी संख्या में युवा बचत से अधिक यात्रा को प्राथमिकता दे रहे हैं। खासकर, यह प्रवृत्ति कोविड के बाद बढ़ी है। कोटक महिंद्रा बैंक के अंबुज चंदना ने कहा, ऐसे लोन की मांग आम तौर पर 25-39 आयु वर्ग में होती है और बैंक ज्यादातर वेतनभोगी वर्ग को लोन देना पसंद करते हैं। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि ईएमआई पर होलिडेज के लिए टॉप सोर्स मार्केट्स में मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, पुणे, हैदराबाद, अहमदाबाद, जयपुर, चंडीगढ़ और लखनऊ शामिल हैं।

## सिम्बायोसिस इंटरनेशनल ने अंडर ग्रेजुएट प्रोग्रामों के लिए आवेदन शुरू किए

**नईदिल्ली, एजेंसी।** सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड युनिवर्सिटी) एसआईयू ने अपनी प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षाओं के लिए आवेदन की तारीखों की घोषणा कर दी है, ये परीक्षाएं युनिवर्सिटी के संस्थानों में विभिन्न अंडरग्रेजुएट प्रोग्रामों के लिए ली जाती हैं। इन परीक्षाओं में शामिल हैं एसईटी- जनरल (सिम्बायोसिस एंट्रेन्स टेस्ट), एसईटी- लॉ जिसे सिम्बायोसिस लॉ एडमिशन टेस्ट (एसएलएटी) कहते हैं और सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग एंट्रेंस एक्ज़ाम (एसआईटीईईई)। इन परीक्षाओं का संचालन देश भर के 76 शहरों में कम्प्यूटर बेस्ट टेस्ट (सीबीटी) मोड में किया जाता है। वे उम्मीदवार जो इन परीक्षाओं में भाग लेना चाहते हैं वे हर टेस्ट के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ नीचे दिए गए ऑफिशियल रजिस्ट्रेशन लिंक को एक्सेस कर सकते हैं। सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड युनिवर्सिटी) ने 13 दिसम्बर 2023 को एसईटी 2024 के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू की। इसके लिए आवेदन तकरीबन चार महीने तक जारी रहेंगे, और महत्वाकांक्षी उम्मीदवार 12 अप्रैल 2024 तक ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। एसईटी का आयोजन रविवार 5 मई 2024 और शनिवार 11 मई 2024 को होगा। सिम्बायोसिस लॉ एडमिशन टेस्ट 2024 या एसएलएटी 2024 का संचालन 5 मई 2024, रविवार और 11 मई 2024 शनिवार को सीबीटी मोड में एसएलएटी 2024 टेस्ट सेंटरों में किया जाएगा। पुणे, नोएडा, हैदराबाद और नागपुर में सिम्बायोसिस के सभी लॉ स्कूलों के लिए सिम्बायोसिस टेस्ट सेक्रेटेरियट ने 13 दिसम्बर 2023 को एसएलएटी आवेदन प्रक्रिया 2024 शुरू कर दी है।

## पत्नी को इंफोसिस में शामिल नहीं होने देने पर नारायणमूर्ति को अफसोस

**नई दिल्ली, एजेंसी।** नारायण मूर्ति ने अपने बारे में एक बड़ा खुलासा किया है। मीडिया से एक बातचीत में उन्होंने कहा है कि अपनी पत्नी सुधा मूर्ति को इंफोसिस से दूर रखना उनका एक गलत फैसला था। उन्होंने कहा कि सुधा उस समय इंफोसिस में मौजूद खुद उनके और अन्य छह लोगों की तुलना में अधिक योग्य थीं। अरबपति व्यवसायी ने बताया, मुझे लगता है कि अच्छे कॉरपोरेट गवर्नेंस का मतलब परिवार को इसमें नहीं शामिल करना है। उन दिनों, केवल परिवार के शासन का चलन था, परिवार के बच्चे आते थे और कंपनी चलाते थे और इससे कानूनों का उल्लंघन होता था। हालांकि इन्फोसिस के पूर्व सीईओ ने स्वीकार किया कि

सुधा मूर्ति को देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी में शामिल नहीं होने देकर उन्होंने गलत किया। यहां गौर करने वाली बात यह है कि सुधा मूर्ति ही वह शख्स थीं जिन्होंने नारायण मूर्ति को इन्फोसिस (नंदन नीलेकणि, क्रिस गोपालकृष्णन, एसडी शिबूलाल, के दिनेश, एनएस राघवन और अशोक अरोड़ा के साथ) की स्थापना के लिए 10,000 रुपये की शुरुआती पूंजी दी थी। इस बीच, मूर्ति ने इंफोसिस के पूर्व उपाध्यक्ष रोहन के लिए भविष्य में इंफोसिस में संभावित भूमिका को जोरदार तरीके से नकारा। उन्होंने कहा कि रोहन के बाद पास अब सोरोको नामक अपना एआई उद्यम है। नारायण मूर्ति ने कहा, मुझे लगता है कि वह इन विचारों (परिवार के सदस्यों को अपनी कंपनी में शामिल होने की अनुमति नहीं देने) में मुझसे भी अधिक सख्त हैं।

# चेन्नई की आईटी कंपनी ने कर्मचारियों को बनाया पार्टनर, गिफ्ट में दी चमचमाती कार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** गुजरात के मशहूर हीरा कारोबारी सावजी ढोलकिया का नाम तो आपने सुना होगा। वह दिवाली पर अपने कर्मचारियों को महंगे गिफ्ट देने के लिए मशहूर हैं। लेकिन आजकल चेन्नई की एक आईटी कंपनी का नाम सुर्खियों में है। इस कंपनी ने अपने 50 कर्मचारियों को महंगी कार गिफ्ट की है। इतना ही नहीं आइडियास्विट टेक्नोलॉजी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेडके मालिक मुरली विवेकानन्दन ने बड़ा दिल दिखाते हुए अपने पुराने कर्मचारियों को कंपनी के 33 प्रतिशत शेयर देने की घोषणा की है। विवेकानन्दन ने साल 2009 में अपनी पत्नी के साथ इस कंपनी की स्थापना की थी। यह कंपनी फेसबुक, ब्लूमबर्ग, माइक्रोसॉफ्ट, ओरेकल, मोटोरोला जैसी कई कंपनियों को सेवाएं देती है। विवेकानन्दन ने कहा कि कुछ कर्मचारी सुखदुख की घड़ी में लगातार उनके

साथ बने रहे और वह उनका अहसान चुकाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, कंपनी के सारे शेयर मेरे और मेरे पार्टनर्स के पास हैं। अब हमने 33 परसेंट शेयर उन कर्मचारियों को देने का फैसला किया है जो लंबे समय से कंपनी में काम कर रहे हैं। साथ ही हमने पैसों को साझा करने का प्रोग्राम भी शुरू किया है। इसके तहत कर्मचारियों को 50 कारें दी जा रही हैं। विवेकानन्दन ने दावा किया कि पिछले साल भी कंपनी ने कर्मचारियों की उनकी मेहनत का इनाम देते हुए 100 कारें गिफ्ट की थीं।

### महंगे गिफ्ट देने वाली कंपनियां

यह पहला मौका नहीं है जब किसी आईटी कंपनी ने अपने कर्मचारियों को कार गिफ्ट की है। पिछले साल फरवरी में अहमदाबाद की आईटी कंपनी ने अपने 13 मेहनती कर्मचारियों को कार गिफ्ट की थी। हरियाणा की एक दवा कंपनी ने भी अपने कर्मचारियों को पिछले साल दिवाली पर टाटा पंच कार गिफ्ट की थी। इसी तरह चेन्नई की कंपनी के मालिक जयंती लाल चयंत ने अपने कर्मचारियों को गिफ्ट देने के लिए 1.2 करोड़ रुपये खर्च किए थे।

## मैडिसन कीज कंधे की चोट के कारण ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटी

**वॉशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिका की टेनिस खिलाड़ी मैडिसन कीज ने कहा कि वह कंधे की चोट के कारण आगामी ऑस्ट्रेलियन ओपन में नहीं खेल पाएंगी। कीज ने गुरुवार को सोशल मीडिया के जरिए इस बात की जानकारी दी।

कीज ने एक्स पर पोस्ट किया, 'सभी को नमस्कार...दुर्भाग्य से मैं कंधे की चोट से जूझ रही हूं और मेरे मेडिकल स्टाफ ने मुझे इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटने की सलाह दी है। यह स्पष्ट रूप से टेनिस सत्र शुरू करने के लिए अच्छी खबर नहीं है, लेकिन मैं यह भी जानती हूं कि मैं अपने शरीर के लिए सही विकल्प चुन रही हूं।

कीज आखिरी बार सत्र के अंत में कोर्ट पर थीं। उन्होंने झुहाई में डब्ल्यूटीए एलीट ट्रॉफी के लिए क्वालीफाई किया था। वह राउंड-रॉबिन चरण में हार गईं। इससे पहले चेक गणराज्य की कैरोलिना मकोवा ने कलाई की चोट का हवाला देते हुए ऑस्ट्रेलियाई ओपन से हटने की घोषणा की थी। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलियन ओपन टूर्नामेंट 14 जनवरी से शुरू हो रहा है।

## फीडे जनवरी शतरंज रेटिंग

### आनंद फिर बने भारत के नंबर एक खिलाड़ी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** विश्व शतरंज संघ द्वारा 1 जनवरी को जारी रेटिंग लिस्ट में भारतीय खिलाड़ियों में विश्वनाथन आनंद पुनः 2748 रेटिंग के साथ देश के नंबर एक खिलाड़ी है जबकि उनके बाद प्रज्ञानन्दा (2743), विदित गुजराती (2742), अर्जुन एरिगासी (2738), डी गुकेश (2725), पेंटाला हरीकृष्णा (2704), एसएल नारायनन (2694), निहाल सरीन (2693), अरविंद चितांबतम (2662), रौनक साधवानी (2654) और अभिमन्यु पौराणिक (2645) अंको के साथ विश्व के टॉप 100 खिलाड़ियों में शामिल है वहीं महिला खिलाड़ियों में कोनेरु हम्पी 2554 अंको शीर्ष भारतीय खिलाड़ी बनी हुई है उनके बाद हरिका द्रोणावल्ली (2500), वैशाली आर (2481), वेलपुला सरायु (2444) और दिव्या देशमुख (2420) रेटिंग के साथ विश्व की शीर्ष 50 खिलाड़ियों में शामिल है। भारत नें इसके साथ ही पुरुष, महिला और मिश्रित वर्ग में विश्व रैंकिंग में दूसरा स्थान बरकरार रखा है।

## आईसीसी वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड

### महिला खिलाड़ियों की सूची में कोई भारतीय शामिल नहीं

**दुबई (एजेंसी)।** आईसीसी ने साल की सर्वश्रेष्ठ वनडे महिला खिलाड़ी पुरस्कार के लिए सूची जारी की है। ऑस्ट्रेलिया की स्टार आलराउंडर एशले गार्डनर और न्यूजीलैंड की अमेलिया केर आईसीसी के साल की सर्वश्रेष्ठ वनडे महिला खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में शामिल हैं लेकिन इस सूची में कोई भारतीय खिलाड़ी मौजूद नहीं है। गार्डनर और केर के अलावा इस सूची में इंग्लैंड की अनुभवी आल राउंडर नैट साइवर ब्रंट और श्रीलंका की चामारी अटापट्टू भी शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की गुरुवार को जारी सूची में 50 ओवर के प्रारूप में चार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। इससे पहले आईसीसी ने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष वनडे क्रिकेटर पुरस्कार के लिए नोमिनेट क्रिकेटरों की घोषणा की।

# वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स टेबल में नंबर-1 बना भारत

## अब इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट की चुनौती, ऑस्ट्रेलिया में सीरीज भी अहम

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज ड्रॉ करने के बाद डब्ल्यूटीसी यानी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में पहले नंबर पर पहुंच गई है। यहां से भारतीय टीम के मिशन डब्ल्यूटीसी 2025 ने जोर पकड़ लिया है। पहले मुकाबले में हार झेलने के बाद टीम इंडिया ने दूसरे टेस्ट में जोरदार वापसी की और 7 विकेट से जीत दर्ज की।

**भारत अब तक 4 में से 2 मैच जीता-** जून 2023 में डब्ल्यूटीसी फाइनल के बाद चैंपियनशिप की नई साइकिल शुरू हो गई थी। भारत ने 2023-25 साइकिल में अब तक वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका का दौरा कर लिया है। दोनों ही देशों में भारत ने 2-2 टेस्ट खेले। भारत को वेस्टइंडीज में एक जीत मिली और एक मैच ड्रॉ रहा। वहीं, साउथ अफ्रीका में टीम को 1 जीत और 1 हार मिली।

**हर जीत पर मिलते है 12 पॉइंट्स, परसेंटेज से तय होती है पोजिशन-** डब्ल्यूटीसी में हर टीम को कम से कम 6 सीरीज खेलनी होती है, लेकिन हर टीम की सीरीज में मैचों की संख्या फिक्स नहीं होती। किसी सीरीज में 2 ही टेस्ट मैच होते हैं, तो किसी सीरीज में 5 टेस्ट मैच। ऐसे में अगर टोटल पॉइंट्स के आधार पर रैंकिंग बनाई जाती तो उन टीमों को ज्यादा फायदा होता, जो ज्यादा टेस्ट मैच खेलती है। इस स्थिति से बचने के लिए आईसीसी रैंकिंग के लिए परसेंटेज पॉइंट्स को अहमियत देती है और इसी से रैंक डिसाइड होती है।

### भारत की अगली चुनौती इंग्लैंड के खिलाफ

इंग्लैंड टीम 3 साल बाद भारत में टेस्ट सीरीज खेलने आएगी। इस बार सीरीज में 5 मुकाबले होंगे। 25 से 29 जनवरी को पहला टेस्ट, 2 से 6 फरवरी तक दूसरा टेस्ट, 15 से 19 फरवरी तक तीसरा टेस्ट, 23 से 27 फरवरी तक चौथा टेस्ट और 7 से 11 मार्च तक पांचवां टेस्ट मैच खेला जाएगा। इंग्लैंड के खिलाफ डब्ल्यूटीसी के लिहाज से भारत को चुनौती मिलेगी। 5 मैचों की सीरीज में मुकाबले टक्कर के होंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच आखिरी टेस्ट सीरीज अगस्त 2021 के दौरान इंग्लैंड में हुई थी। 5 टेस्ट की सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही थी। भारत में दोनों के बीच आखिरी सीरीज फरवरी 2021 में हुई थी, 4 टेस्ट की इस सीरीज को भारत ने 3-1 से जीता था। वहीं, भारत के बाद इंग्लैंड आगे वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट और श्रीलंका के खिलाफ 3 टेस्ट की सीरीज खेलेगा।

### ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज अहम

नवंबर में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। यह सीरीज जीतना टीम के लिए अहम होगा, क्योंकि यह ऑस्ट्रेलिया के घर में होगी जिसमें 5 टेस्ट भी हो सकते है। सेना (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) देशों में ऑस्ट्रेलिया एकमात्र ऐसी टीम है जो पिछले 10 साल से भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाई है।

ऑस्ट्रेलिया को आखिरी जीत 2014 में अपने ही होम ग्राउंड पर मिली थी। तब से भारत ने उसे 4 सीरीज 2-1 के अंतर से हरा दीं। इनमें 2 भारत में और 2 ही ऑस्ट्रेलिया में हुईं। ऐसे में 5 टेस्ट की सीरीज भारत के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया के लिए भी डब्ल्यूटीसी के लिहाज से चैलेंजिंग हो सकती है।

### भारत ने दोनों सीजन के फाइनल खेले

भारतीय टीम ने दोनों डब्ल्यूटीसी सीजन (2019-2021) और (2021-23) के फाइनल खेले। पहले सीजन यानी 2019-21 सीजन में भारत टेबल टॉप पर रहा था। वहीं, 2021-23 सीजन में भारत दूसरे नंबर पर था। पहले भारत का फाइनल में मुकाबला न्यूजीलैंड और फिर दूसरे सीजन में ऑस्ट्रेलिया से हुआ। भारत को दोनों मुकाबलों में हार मिली।

### आमतौर पर भारतीय टीम हर साइकिल में 17-18 मैच खेलती है

डब्ल्यूटीसी की एक साइकिल में भारतीय टीम 17 से 18 मुकाबले खेलती है। पहले सीजन में भारत ने 17 मैच खेले जिसमें से 12 जीते, 4 हारे और एक ड्रॉ किया। वहीं, दूसरे सीजन में टीम को 18 मैचों में से 10 में जीत और 5 में हार मिली, जबकि 3 ड्रॉ रहे।

### साउथ अफ्रीका-न्यूजीलैंड के बीच 2 टेस्ट मैच की सीरीज

साउथ अफ्रीका भारत के खिलाफ सीरीज के बाद अब न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 फरवरी से 2 टेस्ट की सीरीज खेलेगा। वहीं, न्यूजीलैंड साउथ अफ्रीका के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मार्च में 2 टेस्ट खेलेगा।

# अफगानिस्तान-इंग्लैंड सीरीज के लिए हो सकता है टीम इंडिया का एलान

### रोहित-कोहली की टी 20 में वापसी संभव

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत 11 जनवरी से अफगानिस्तान के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलेगा। इसके लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी हो सकती है। रोहित और कोहली एक साल से अधिक समय से इस फॉर्मेट में टीम इंडिया के लिए नहीं खेले हैं।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज समय से पहले ही समाप्त हो गई है। टीम इंडिया केपटाउन में दूसरा टेस्ट दो दिन में ही जीतकर सीरीज को 1-1 से ड्रॉ कराया। अब भारतीय खिलाड़ियों के सामने अफगानिस्तान और इंग्लैंड की चुनौती है। इसके टीम का एलान शुक्रवार (पांच जनवरी) को हो सकता है। साथ ही चयनकर्ता इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट की सीरीज के शुरुआती दो मुकाबलों के लिए टीम घोषित कर सकते हैं। पहला टेस्ट 25 जनवरी से हैदराबाद में खेला जाएगा।

### कोहली और रोहित ने जताई टी20 में खेलने की इच्छा

भारत 11 जनवरी से अफगानिस्तान के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलेगा। इसके लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी हो सकती है। रोहित और कोहली एक साल से अधिक समय से इस फॉर्मेट में टीम इंडिया के लिए नहीं खेले हैं। दोनों खिलाड़ी पिछली बार 2022 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में नजर आए थे। इस दौरान रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में हार्दिक पांड्या और सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी की। अब देखना है कि दोनों खिलाड़ियों की वापसी इस छोटे फॉर्मेट में हो पाती है या नहीं।

चयन समिति की शुक्रवार को बैठक होगी। इस दौरान खिलाड़ियों के नाम पर मुहर लगेगी। टीम की घोषणा शुक्रवार को होगी या नहीं, इस बात की पुष्टि नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कोहली और रोहित दोनों टी20 विश्व कप में खेलने के लिए सबसे छोटे प्रारूप में वापसी के इच्छुक हैं। दोनों की अनुपस्थिति में चयन समिति को यशस्वी जयसवाल, ऋतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल और ईशान किशन जैसी शीर्ष प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद मिली।

### बुमराह और सिराज को मिल सकता है आराम

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज के दौरान शानदार प्रदर्शन करने वाले मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह की जोड़ी को आराम दिए जाने की संभावना है। मोहम्मद शमी की उपलब्धता पर सवालिया निशान बना हुआ है। वह चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका में दो टेस्ट मैचों की सीरीज में नहीं खेल पाए थे।

### हार्दिक और सूर्यकुमार अनुपलब्ध

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में हार्दिक पांड्या और सूर्यकुमार यादव नहीं खेलेंगे। दोनों चोट के कारण अनुपलब्ध हैं। हार्दिक पिछले साल वनडे विश्व कप में चोटिल होने के बाद से पेशेवर क्रिकेट से दूर हैं। वहीं, सूर्यकुमार दक्षिण अफ्रीका दौरे पर चोटिल हो गए थे।

### बुमराह और सिराज ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

# विदेश में 10 साल बाद भारतीय तेज गेंदबाजों ने किया ऐसा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जसप्रीत बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका में तीसरी बार पारी में पांच या उससे अधिक विकेट लिए हैं। इस मामले में उन्होंने जवागल श्रीनाथ की बराबरी कर ली। इसके अलावा वह दक्षिण अफ्रीका में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गए।

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत ने केपटाउन में शानदार जीत हासिल की। उसने दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हराकर सीरीज को 1-1 से ड्रॉ करा दिया। टीम इंडिया के लिए पहली पारी में सिराज ने छह विकेट लिए तो दूसरी पारी में यह जिम्मा बुमराह ने उठाया। उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को टिकने नहीं दिया। भारत के लिए 10 साल बाद किसी टेस्ट में ऐसा हुआ है जब विदेशी मैदान पर टीम के दो तेज गेंदबाजों ने छह-छह विकेट अपने नाम किए।

भारत के लिए इससे पहले सिर्फ एक बार ही दो तेज गेंदबाजों ने विदेशी जमीन पर एक टेस्ट में छह या उससे अधिक विकेट लिए थे। 2014 में इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में भुवनेश्वर कुमार ने पहली पारी में छह और ईशांत शर्मा ने दूसरी पारी में सात विकेट लिए थे। टीम इंडिया उस मैच में 95 रन से जीती थी।

### बुमराह ने की श्रीनाथ की बराबरी

जसप्रीत बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका में तीसरी बार पारी में पांच या उससे अधिक विकेट लिए हैं। इस मामले में उन्होंने जवागल श्रीनाथ की बराबरी कर ली। इसके अलावा वह दक्षिण अफ्रीका में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गए। उनके 38 विकेट हो गए। अनिल कुंबले ने 45 और श्रीनाथ ने 43 विकेट लिए हैं।

### सिराज और बुमराह ने ऐसे बरपाया कहर

सिराज ने पहली पारी में 15 रन देकर छह विकेट लिए थे। उनकी कातिलाना गेंदबाजी के सामने दक्षिण अफ्रीकी टीम 55 रन पर ही ढेर हो गई थी। सिराज ने एडेन मार्करम, डीन एल्गर, टोनी डि जोर्जी, डेविड बेडिंघम, कायेल वेरेयेन और मार्को यानसेन को आउट किया था। दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष सात में छह बल्लेबाज उन्होंने ही आउट किया थे। वहीं, बुमराह ने दूसरी पारी में 61 रन देकर छह विकेट हासिल किए थे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के मध्यक्रम और निचले क्रम को तहस-नहस कर दिया। बुमराह ने ट्रिस्टन स्टब्स, बेडिंघम, वेरेयेन, यानसेन, केशव महाराज और लुंगी एंगिडी को आउट किया।

# आईसीसी वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड, इन 3 भारतीयों ने पाया नोमिनेशन

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** आईसीसी ने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष वनडे क्रिकेटर पुरस्कार के लिए नोमिनेट क्रिकेटरों की घोषणा कर दी है। भारतीय प्रशंसकों के लिए खुशी की बात यह है कि 3 भारतीयों ने अंतिम कट में जगह बना ली है। यह भारतीय हैं- विराट कोहली, शुभमन गिल और मोहम्मद शमी। इसके अलावा न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल भी प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुने गए चार खिलाड़ियों में से एक हैं। सभी क्रिकेटरों के लिए 2023 सीजन यादगार रहा। कोहली, गिल और मिशेल ने जहां बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया तो वहीं, मोहम्मद शमी ने अपनी गेंदबाजी कौशल का जादू दिखाया। ऐसे में यह रेस रोचक हो गई है।

विश्व कप में शमी के प्रभावशाली प्रदर्शन का मुख्य आकर्षण टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 7/57 का शानदार रिकॉर्ड था। शमी ने आईसीसी विश्व कप 2023 में सिर्फ

8 पारियों में 24 विकेट लिए और टूर्नामेंट को अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में समाप्त किया। गिल की बात करें तो उन्होंने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 को 44.25 की औसत से कुल 354 रनों के साथ समाप्त किया। बहरहाल, उनके लिए यह साल बहुत अच्छा रहा क्योंकि वह साल 2023 को सभी प्रारूपों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने।

विराट कोहली के लिए 2023 उल्लेखनीय रहा, जहां उन्होंने वनडे में शीर्ष स्थान हासिल किया और आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता। विश्व कप के दौरान कोहली अपनी 11 पारियों में 765 रन बनाने में सफल रहे। यह विश्व कप में किसी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन हैं। सचिन तेंदुलकर ने इससे पहले 2003 विश्व कप में 673 रन बनाए थे। वहीं, डेरिल मिशेल के लिए वनडे में 2023 का साल शानदार रहा, उन्होंने 1204 रन बनाए, जो इस प्रारूप में एक कैलेंडर वर्ष में न्यूजीलैंड के किसी खिलाड़ी द्वारा बनाया गया तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है।

# केपटाऊन की पिच पर रोहित शर्मा ने आईसीसी मैच रैफरी को घेरा, बोले- अगर ऐसा भारत में होता तो...

**केप टाउन (एजेंसी)।** भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने न्यूलैंड्स की उछाल भरी पिच पर अब तक के सबसे छोटे टेस्ट मैच में अपनी टीम को जीत दिलाने के बाद आईसीसी मैच रैफरी से भारतीय उपमहाद्वीप के बाहर की पिचों की रेटिंग पर अधिक 'तटस्थ' रुख अपनाने का आग्रह किया। भारत ने केवल 106.2 ओवर तक चले मैच में दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हरा दिया और 92 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया जब ऑस्ट्रेलिया ने 1932 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर दक्षिण अफ्रीका को हराया था और यह मैच 109 ओवर से कुछ अधिक समय चला था।

भारतीय कप्तान के दाहिने बाजू पर एक बाउंसर लगने के बाद सूजन आ गई थी और उन्होंने कहा कि वह विदेशों में तीखी पिच के पक्ष में हैं लेकिन केवल तभी जब पहले की दिन के पहले घंटे में पिच से टर्न मिलने पर लोग पाखंडी रवैया नहीं अपनाएं। रोहित ने सवाल के जवाब में कहा कि हम सभी ने देखा कि इस टेस्ट में क्या हुआ और पिच कैसा खेल रही थी। ईमानदारी से कहूं तो मुझे इस तरह की पिचों पर खेलने में कोई आपत्ति नहीं है। जब तक कि हर कोई भारत आने पर अपना मुंह

बंद रखेगा। उन्होंने कहा कि हां, यह खतरनाक है, यह चुनौतीपूर्ण है। जब वे भारत आते हैं तो वह भी चुनौतीपूर्ण होता है। उनका मानना है कि अब समय आ गया है कि लोग यह समझें कि जहां तक पिचों का सवाल है तो हर देश का अपना चरित्र होता है।

रोहित ने कहा कि जब आप टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए यहां आते हैं तो आप टेस्ट क्रिकेट को सर्वोच्च पुरस्कार और शिखर के बारे में बात करते हैं और फिर आपको इस पर कायम रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपको इसका सामना करना चाहिए। भारत में पहले दिन पिच टर्न लेना शुरू करती है और वे 'धूल का गुबार, धूल का गुबार' बोलना शुरू कर देते हैं। यहां भी पिच पर दरार थीं। इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज क्रिस ब्रॉड दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए आईसीसी मैच रैफरी थे और रोहित का मानना है कि वैश्विक संस्था के पैनल में शामिल रैफरी को 'तटस्थ' होना चाहिए।

रोहित ने आक्रामक होते हुए कहा कि तटस्थ रहना महत्वपूर्ण है, विशेषकर मैच रैफरी का। कुछ मैच रैफरी को इस बात पर नजर रखने की जरूरत है कि वे पिचों का मूल्यांकन कैसे करते हैं। अहमदाबाद में एकदिवसीय विश्व कप फाइनल के लिए इस्तेमाल की गई पिच के लिए आईसीसी मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट का 'औसत' रेटिंग देना भी रोहित और उनकी टीम को पसंद नहीं आया।

### यह हमारी सर्वश्रेष्ठ टेस्ट जीत में से एक है, केप टाउन में विजयी होकर बोले रोहित

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुरुवार को श्रृंखला बराबर करने वाली सात विकेट की जीत को भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टेस्ट प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ में से एक करार दिया और इसे 2021 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ गाबा में मिली ऐतिहासिक जीत के बराबर रखा। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने मिलकर दक्षिण अफ्रीका के 20 में से 15 विकेट झटके जिससे भारत ने पांच सत्र के अंदर मेजबानों को हराकर शानदार वापसी की। भारत को पहले टेस्ट में सेंचुरियन में पारी और 32 रन से हार मिली थी। टेस्ट इतिहास के सबसे छोटे मैच के खत्म होने के बाद रोहित ने कहा, 'यह हमारी सर्वश्रेष्ठ टेस्ट जीत में से एक है। हम यहां कभी नहीं जीते थे, यह हमारी सभी जीत के साथ सबसे ऊपर है। वह किसी अन्य टेस्ट की जीत से इसकी तुलना नहीं करना चाहते लेकिन रोहित को लगता है कि ब्रिसबेन में मिली जीत भी इतनी ही महत्वपूर्ण थी क्योंकि 33 साल में आस्ट्रेलिया को दौरा करने वाली टीम वहां नहीं हरा सकी थी। रोहित ने कहा, 'कहीं और मिली टेस्ट जीत से तुलना करना मुश्किल है।

## संक्षिप्त समाचार

### राममंदिर को धीरेंद्र शास्त्री ने बताया हिंदुओं की सबसे बड़ी जीत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अयोध्या में राममंदिर निर्माण को सनातन धर्म और हिंदुओं के लिए अब तक की सबसे बड़ी जीत बताया है। 22 जनवरी को अयोध्या जाने की पुष्टि करते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि कोई अभागा ही होगा जिसे इस दिन का इंतजार नहीं। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में बसे भारतीय मूल के लोगों को इसका इंतजार था। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि राममंदिर बन गया लेकिन अभी ज्ञानवापी और मथुरा बाकी है। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, आज तक की समस्त सनातनियों की, हिंदुओं की सबसे बड़ी जीत है। यह उत्सव दीपावली से बहुत खास है। निश्चित ही कोई अभागा होगा जिसे इस दिन का इंतजार ना हो, हम को तो है, रामभक्तों को भी है, सिर्फ भारतीयों को नहीं भारतीय मूल के विदेशों में रहने वाले लोग हैं उनको भी है। हमारा यही कहना है कि उस दिन दीपावली मनाएं, उत्सव का उत्साह है, पूछो मत वाणी कम बोलती हैं आंखें बोलती हैं, ठुमका लगाने को जी चाहता है, अयोध्या जी जाने को जी चाहता है। एक टीवी चैनल से बातचीत करते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि जो लोग भगवान राम का सम्मान नहीं कर सकते, वे अपमान भी ना करें। शास्त्री ने कहा, हमने उनकी आस्था, उनके भगवान को बुरा कहा नहीं, उनके भगवान के सबूत मांगे नहीं। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि हमने मक्का-मदीना पर कभी अंगुली नहीं उठाई, अजमेर पर कभी अंगुली नहीं उठाई। हम उनकी भावनाओं का कितना ख्याल कर रहे हैं। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा पहली बार पूरे विश्व की मीडिया इसको कवर करेगी, यही हिंदू राष्ट्र की जीत है। उन्होंने कहा कि हमारे राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं, जातिवाद से ऊपर हैं, संपूर्ण विश्व की एकता पर विश्वास करते हैं, अधर्म करने वालों को ठिकानों लगाते हैं, राम झूठे बेर सबरी के खाते हैं, नर होकर वानर का मान बढ़ाते हैं।

### एक भाई ने थामा तिरंगा तो दूसरा बन बैठा खूंखार आतंकवादी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी दिल्ली में गुरुवार को एक मोस्ट वांटेड आतंकवादी को पकड़ा गया है। खूंखार आतंकी की पहचान जावेद अहमद मट्टू के रूप में हुई है। जावेद हिजबुल मुजाहिदीन का गुर्गा है। उसपर दस लाख रुपए का इनाम घोषित था। पिछले 14 सालों से वो दहशतगर्दी फैला रहा है। हैरानी की बात तो यह है कि जावेद के भाई का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वो तिरंगा फहराता हुआ नजर आया था। उसने खुद को अपने भाई से अलग बताया था। आइए जानते हैं जावेद मट्टू की पूरी क्राइम कुंडली... दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने जांच एजेंसियों के साथ मिलकर जावेद मट्टू को निजामुद्दीन फ्लाईओवर के पास पकड़ा है। जावेद कई आतंकी घटनाओं में वांछित था। जानकारी के मुताबिक, जावेद के पास पिस्टल, मैगजीन और चोरी की कार मिली है। जावेद पर जम्मू-कश्मीर में कई आतंकवादी गतिविधियों को संचालित करने का आरोप है। वो जांच एजेंसियों के टॉप 10 टारगेट में से एक था। जावेद मट्टू सोपोर के खुशाल इलाके का रहने वाला है। उसके सिर पर 10 लाख रुपए का इनाम था। वह कथित तौर पर कई बार पाकिस्तान जा चुका है। वह जम्मू-कश्मीर में साल 2010 से एक्टिव है। यानी करीब 14 सालों से वो आतंकवाद की दुनिया में सक्रिय है। रिपब्लिक वर्ल्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जावेद मट्टू आतंकी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन का ए++ श्रेणी का कमांडर है। आतंक की दुनिया में वो मुनसैब और फैसल नाम से काम करता है। पिछले साल स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में जावेद मट्टू का भाई रईस मट्टू था। वो जम्मू-कश्मीर के सोपोर में तिरंगा लहराते हुए देखा गया था। किराने की दुकान चलाने वाले रईस ने भारतीय होने पर गर्व जताया और आतंकवादी गतिविधियों में अपने भाई की संलिप्तता से खुद को दूर रखा। वीडियो में उसने जावेद से हिंसा छोड़ने की अपील भी की थी। 2019 में जावेद मट्टू को जम्मू-कश्मीर के 10 सर्वाधिक वांछित आतंकवादियों की लिस्ट में शामिल किया गया था। लिस्ट में हिजबुल मुजाहिदीन कमांडर रियाज अहमद नाइकू, लश्कर-ए-तैयबा के शोपियां जिला कमांडर वसीम अहमद उर्फ ओसामा, हिजबुल के अनंतनाग जिला कमांडर मोहम्मद अशरफ खान और बारामूला जिला कमांडर मेहराज-उद-दीन सहित अन्य शीर्ष आतंकवादी भी शामिल थे।

### आईआईटी बांबे के 85 छात्रों को एक करोड़ का पैकेज, कुल 1188 छात्रों को मिली नौकरी

**मुंबई एजेंसी।** प्रतिष्ठित आइआइटी बांबे के 85 छात्रों ने कैंपस प्लेसमेंट में एक करोड़ रुपये का पैकेज हासिल किया है। इस बैच को 63 अंतरराष्ट्रीय आफर भी मिले हैं। संस्थान ने कहा कि इस सीजन में बड़े पैमाने पर भर्ती के लिए कैंपस का दौरा करने वाली कंपनियों में एसेंचर, एयरबस, एयर इंडिया, एपल, आर्थर डी.लिटिल, बजाज, बार्कलेज, कोहेसिटी, दा विंची, डीएचएल, फुलर्टन, फ्यूचर फ?र्स्ट, जीई-आइटीसी, ग्लोबल इनर्जी एंड एन्वायरन और गूगल रहीं। इनके अलावा हांडा आर एंड डी, आइसीआइसीआइ-लोम्बार्ड, आइडियाफोर्ज, आइएमसी ट्रेडिंग, इंटेल, जगुआर लैंड रोवर, जेपी मार्गन चेस, जेएसडब्ल्यू, कोटक सिक्योरिटीज, मार्श मैक्लेनन, महिंद्रा ग्रुप, माइक्रोन, माइक्रोसाफ्ट, मार्गन स्टेनली, मर्सिडीज-बेंज, एलएंडटी, एन सिक्योरिटी ने भी भर्तियां कीं। जिन क्षेत्रों में सबसे अधिक आफर दिए गए वे इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, आइटी / साफ्टवेयर, वित्त / बैंकिंग / फिनटेक, प्रबंधन परामर्श, डेटा विज्ञान और एनालिटिक्स, अनुसंधान और विकास और डिजाइन हैं। संस्थान ने कहा कि इस बार 63 अंतरराष्ट्रीय आफर मिले जो जापान, ताइवान, दक्षिण कोरिया, नीदरलैंड, सिंगापुर और हांगकांग के थे। प्रति वर्ष एक करोड़ रुपये से अधिक सीटीसी के 85 आफर मिले।

### नेल्लोर में बड़ा सड़क हादसा, एक शख्स की मौत; एमएलसी पर्वतारेड्डी चंद्रशेखर रेड्डी समेत दो घायल

**नेल्लोर (आंध्र प्रदेश) एजेंसी।** आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में शुक्रवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। इस हादसे में एक शख्स की मौत हो गई और एमएलसी पर्वतारेड्डी चंद्रशेखर रेड्डी समेत दो अन्य लोग घायल हो गए हैं। पुलिस घटनास्थल पर पहुंच चुकी है और आगे की जांच कर रही है। नेल्लोर पूर्व रायलसीमा एमएलसी की कार विजयवाड़ा से नेल्लोर जा रही थी, उसी दौरान वह दगडर्थी में एक लॉरी से टकरा गई। एमएलसी के सहायक वेंकटेश्वरलू की मौके पर ही मौत हो गई और कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद ही आस-पास मौजूद लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी और घायलों की मदद की। गंभीर रूप से घायल एमएलसी को तुरंत नेल्लोर अपोलो अस्पताल में एडमिट कर दिया गया। डॉक्टरों ने बताया है कि फिलहाल उनकी जान को कोई खतरा नहीं है। इंस्पेक्टर श्रीनिवास राव ने कहा कि एमएलसी की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई, उनके सचिव की मौके पर ही मौत हो गई।

# मोहल्ला क्लीनिक पर मचा बवाल, उसकी सीबीआई जांच पर खुश हुई आप? मंत्री ने बताई वजह

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक को लेकर सियासी बवाल जारी है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने फर्जी लैब टेस्ट और मरीजों से जुड़ी कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच का आदेश दिया। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब कुछ दिन पहले ही उपराज्यपाल ने तीन सरकारी अस्पतालों से लिए गए घटिया दवा के नमूनों की सीबीआई जांच का आदेश दिया था। ये दोनों कथित अनियमितताएं 2023 में राज्य के सतर्कता और स्वास्थ्य विभागों द्वारा की गई जांच के जरिए सामने आई हैं।

अगस्त में, राज्य के सतर्कता और स्वास्थ्य विभाग की एक जांच से पता चला कि मोहल्ला क्लीनिक के डॉक्टर फर्जी तरीके से उपस्थिति दर्ज कर रहे थे। कुछ क्लीनिक में डॉक्टर मौजूद नहीं थे और यहा अनधिकृत कर्मचारी दवाएं लिखते थे। एक अन्य जांच में पाया गया कि निजी लैब के 24,399 रेफरल पेपर्स में अमान्य मोबाइल नंबर दर्ज थे, जिसे लेकर एलजी ने कहा कि यह फर्जी मरीजों के संभावित सबूत की ओर इशारा करता

है। इन लैब्स ने आर्थिक रूप से वंचित रोगियों के लिए सरकार द्वारा मुफ्त में दी जाने वाली जांच की।

उपराज्यपाल के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि जांच में फर्जी (घोस्ट) मरीजों पर किए गए हजारों फर्जी पैथोलॉजी और रेडियोलॉजी टेस्ट का खुलासा हुआ है। इन कथित नकली टेस्ट को निजी लैब्स में रेफर किया गया था, और सरकार द्वारा इसका भुगतान किया गया। जांच के निष्कर्षों पर एलजी ने कहा, प्रथम दृष्टया फर्जी मरीजों के लिए हजारों टेस्ट रेफर किए गए। फर्जी मोबाइल नंबरों की एंट्री/फर्जी मरीजों के ब्लैंक (रिक्त स्थान) मोबाइल नंबर, डॉक्टरों की फर्जी उपस्थिति और मरीजों के फर्जी डेटा से व्यापक भ्रष्टाचार, दस्तावेजों में हेराफेरी, सरकारी खजाने को लूटने और कुछ लोगों को अनुचित लाभ पहुंचाने के एकमात्र इरादे से रिकॉर्ड की गई जालसाजी सामने आई है। इससे पता चला है कि निजी लोग एएएमसी के साथ-साथ दिल्ली सरकार की डिस्पेंसरी, पॉलीक्लीनिक और अस्पतालों का संचालन कर रही हैं।

दिल्ली की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने जांच का स्वागत करते हुए दावा किया कि इससे उसके द्वारा जताई गई आशंकाएं सही साबित हुई हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने इसका दोष नौकरशाही पर मढ़ा और कहा कि पिछले साल उन्होंने कई मामलों पर जांच की सिफारिश की थी। भारद्वाज ने कहा, जहां तक स्वास्थ्य विभाग का सवाल है, चाहे वह मोहल्ला क्लीनिक में कर्मचारियों की उपस्थिति हो या दवाओं की गुणवत्ता, इन मामलों की निगरानी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा की जानी है। कुल मिलाकर, डीजीएचएस स्वास्थ्य सचिव के साथ इन मामलों को देखता है। इन अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे अपने स्तर पर आकस्मिक (रैंडम) जांच करें। डीजीएचएस की नियुक्ति किसने की है? स्वास्थ्य सचिव किसके द्वारा नियुक्त किया गया है? हमने उन्हें नियुक्त नहीं किया है। उनके द्वारा चुने गए अधिकारी गड़बड़ी करने में लगे हुए हैं और वे सीबीआई जांच की सिफारिश कर रहे हैं। वे अपने चुने हुए लोगों के खिलाफ जांच शुरू कर रहे हैं, हमारे खिलाफ नहीं।

## जेल में बंद संजय सिंह को फिर राज्यसभा सांसद बनाएगी आप साइन के लिए कोर्ट से मांगी इजाजत

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
कथित शराब घोटाले में जेल में बंद वरिष्ठ नेता संजय सिंह को आम आदमी पार्टी एक बार फिर राज्यसभा भेजने की तैयारी में जुटी है। पार्टी ने उन्हें दोबारा उच्च सदन में भेजने के लिए नामित किया है। कोर्ट में दिए गए एक आवदेन से यह जानकारी सामने आई है। संजय सिंह का मौजूदा कार्यकाल 27 जनवरी को खत्म हो रहा है।

दिल्ली की राऊज एवेन्यू अदालत में एक आवदेन देकर संजय सिंह का हस्ताक्षर लेने की अनुमति मांगी गई है। आवेदक को राज्यसभा से एनओसी लेनी होती है, जिस पर संजय सिंह के हस्ताक्षर की आवश्यकता है। वह 2018 में दिल्ली से राज्यसभा सांसद चुने गए थे। आंदोलन के दौर से ही अरविंद केजरीवाल के साथी रहे संजय सिंह का पार्टी में बड़ा कद है। वह राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के संसदीय दल के नेता भी हैं।

दिल्ली में राज्यसभा की तीन सीटें हैं और सभी का कार्यकाल एक साथ 27 जनवरी को खत्म हो रहा है। 19 जनवरी को इन तीनों सीटों के लिए

चुनाव होंगे। इसके लिए नामांकन की प्रक्रिया 3 जनवरी से शुरू हो चुकी है। दिल्ली की तीन सीटों में से एक पर संजय सिंह का नाम तय हो चुका है। आम आदमी पार्टी के दो अन्य उम्मीदवारों के नाम सामने नहीं आए हैं। संजय सिंह को पिछले साल 4 अक्टूबर को कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। 8 दिन तक ईडी कस्टडी में रहने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया था। तब से वह तिहाड़ में ही हैं। जमानत के लिए उन्होंने अब दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की है।

## एनसीआरटीसी गृहणियों को फ्री में सिखाएगा ड्राइविंग; इन्हें मिलेगा मौका

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली से सटे गाजियाबाद की महिलाओं के लिए गुड न्यूज है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) गाजियाबाद में घरों में रहने वाली महिलाओं की आजीविका और आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए उन्हें फ्री में ड्राइविंग प्रशिक्षण प्रदान करेगी। एनसीआरटीसी ने गुरुवार को इस बारे में जानकारी दी। एनसीआरटीसी ने कहा कि कार्यक्रम के तहत, 18 से 35 वर्ष की आयु की लगभग 500 महिलाओं को अलग-अलग बैचों में ड्राइविंग की ट्रेनिंग दिया जा रही है। बयान में कहा गया है, यह पहल महिला प्रतिभागियों को सक्षम बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है ताकि वे अपनी आजीविका बढ़ा सकें और आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो सकें।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम भारत सरकार और हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दिल्ली राज्यों की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है। इससे पहले, सर्वे के माध्यम से गाजियाबाद के विभिन्न इलाकों में महिलाओं के लिए एक जागरूकता अभियान भी चलाया गया था, जिसमें गाड़ी चलाना सीखकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के विचार पर जोर दिया गया था। इस सर्वे के आधार पर गाड़ी चलाना सीखने में रुचि रखने वाली महिलाओं की एक सूची तैयार की गई। महिलाओं को मारुति मोटर ट्रेनिंग सेंटर के सहयोग से प्रशिक्षित किया जाएगा। बयान में कहा गया है कि यह 21 दिनों (प्रतिदिन एक घंटा) में चार चरणों में आयोजित किया जाएगा। शुरुआती चरण में, लगभग चार से पांच दिनों तक महिलाओं को ड्राइविंग के नियमों और ड्राइविंग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों से परिचित कराने के लिए क्लासरूम ट्रेनिंग दी जाती है। इसके बाद दूसरे चरण में 2-3 दिनों तक वाहनों के बारे में तकनीकी जानकारी दी जाती है। इसके बाद तीसरे चरण में उन्हें चार से पांच दिनों तक सिमुलेटर के माध्यम से गाड़ी चलाते समय नियंत्रण बनाए रखना सिखाया जाता है। बयान में कहा गया, आखिरकार, अंतिम चरण में, महिलाओं को नियंत्रित वातावरण में सड़कों पर ड्राइविंग का अभ्यास करने के लिए निर्देशित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, एनसीआरटीसी इन महिला प्रतिभागियों को ड्राइविंग के लिए लर्निंग लाइसेंस प्राप्त करने में सहायता कर रहा है।

### मोबाइल में गेम खेल रही मां से फोन देने की जिद करने लगी बेटी, नाराज होकर लगा ली फांसी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली से सटे हरियाणा के फरीदाबाद में कथित तौर पर आठ साल की बेटी द्वारा गेम खेलने के लिए मोबाइल फोन मांगने से नाराज 27 वर्षीय महिला द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। मृतका अपने पति से अलग हो गई थी और पिछले आठ साल से अपने माता-पिता के साथ रह रही थी। पुलिस प्रवक्ता ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि घटना बुधवार रात ओल्ड फरीदाबाद की बसेलवा कॉलोनी में घटी।

## गुरुग्राम में फिर गरजे बुलडोजर, अलीमुद्दीनपुर में 44 अवैध निर्माण ढहाए; अरावली में 32 फार्म हाउसों को नोटिस

**गुरुग्राम, एजेंसी।**
गुरुग्राम में जिला नगर योजनाकार प्रवर्तन का अवैध कॉलोनियों के खिलाफ पिछले तीन दिनों से तोड़फोड़ अभियान जारी है। गुरुवार को प्रवर्तन टीम ने फर्रुखनगर के अलीमुद्दीनपुर गांव में दो अवैध कॉलोनियों में 44 निर्माण को ध्वस्त कर दिया। तोड़फोड़ के दौरान लोगों ने विरोध भी किया, लेकिन किसी की एक नहीं चली। एटीपी दिनेश कुमार को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया। उनकी निगरानी में डीटीपी सुमित मलिक, जेई और बिजली निगम के लाइनमैन के साथ गुरुवार दोहपर अलीमुद्दीनपुर गांव पहुंचे। यहां पर आठ एकड़ जमीन पर काटी गई दो अवैध कॉलोनी में बने मकानों की पहले बिजली काटी गई। इसके बाद जेसीबी मशीन ने तोड़ना शुरू कर दिया गया। मौके पर 32 डीपीसी, 12 निर्माणाधीन मकान समेत सड़क नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया गया। वहीं, सोहना नगर परिषद प्रशासन ने रायसीना और सोहना से लगती अरावली पहाड़ी में चल रहे अवैध निर्माण कार्यों को चिह्नित करने की कवायद शुरू कर दी है। गुरुवार को परिषद की तरफ से 32 फार्म हाउस मालिकों को अवैध निर्माण के नोटिस दिए गए हैं। परिषद का अवैध निर्माणों को चिह्नित और नोटिस देने के बाद जल्द ही ध्वस्त करने की कार्रवाई को अंजाम दिया जाएगा। नगर परिषद प्रशासन ने अरावली पहाड़ी में जमीन अधिकारी साजिद खान के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया है। उक्त टीम ने अरावली पहाड़ी में अवैध निर्माणों को चिह्नित करने का कार्य शुरू कर दिया है। अभी तक करीब 32 फार्म हाउसों को चिह्नित किया है। इन्हे नोटिस देने के प्रक्रिया शुरू हो गई है। चिह्नित किए गए फार्म हाउसों के गेट पर उक्त नोटिस चस्पा किए गए हैं। नगर परिषद द्वारा जारी किए गए नोटिस में फार्म हाउस मालिक को सात दिन के अंदर जमीन की रजिस्ट्री से लेकर उसका दर्ज रिकार्ड के कागजात तथा निर्माण कार्य किसकी अनुमति से किए जाने का सवाल पूछा गया है।

इसके लिए फार्म हाउस मालिक का परिषद के कार्यालय में आकर लिखित में जवाब देना होगा।

## उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर की भारी गोलाबारी, तोप से बरसाए 200 से ज्यादा गोले

**प्योंगयांग, एजेंसी।**
उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच का विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है और कोरियाई प्रायद्वीप में जंग की स्थिति बनती दिख रही है। दक्षिण की सेना लगातार हमले का अभ्यास कर रही है। इसी को लेकर शुक्रवार को दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरियाई सीमा के पास येओनप्योंग द्वीप के निवासियों को जल्द जगह खाली करने को कहा।

दक्षिण कोरिया की सेना ने बताया कि उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को 200 से ज्यादा तोप के गोले दागे। गोले उत्तरी सीमा रेखा (एनएलएल) के उत्तर में गिरे, जो दोनों कोरियाई देशों के बीच वास्तविक समुद्री सीमा है। हालांकि, किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। दक्षिण कोरिया की सेना के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा है कि बफर जोन में बमबारी कर उत्तर कोरिया ने दोनों देशों के बीच साल 2018 में किए गए समझौते का उल्लंघन किया है। आपको बता दें कि, पिछले कुछ घंटे में दोनों देशों के बीच का तनाव काफी बढ़ गया है। दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया के इस अभ्यास को उकसाने वाला बताया।

उत्तर कोरिया ने अपनी रक्षा क्षमता मजबूत करने के लिए तोप से गोले दागने का अभ्यास किया। सरकारी मीडिया ने कहा है कि यह कदम नए हथियारों की जांच के तहत उठाया गया है। अमेरिका एवं दक्षिण कोरिया पर प्योंगयांग अपने अपने खिलाफ अपनाई जा रही दुश्मनी की नीति त्यागने का दबाव बनाए हुए है। येओनप्योंग गांव के एक अधिकारी ने बताया कि दक्षिण कोरियाई सेना ने बताया था कि उत्तर कोरिया येओंगप्योंग द्वीप पर समुद्री हमला करने वाला है, जल्द लोगों को वहां से निकाल दिया जाए। सेना के अनुरोध के बाद निकासी आदेश जारी किया गया था। इसलिए लोगों से जल्द जगह खाली करने को कहा गया। गौरतलब है, इससे पहले भी कई बार उत्तर कोरिया ने हमला किया है।

# जावा में दो ट्रेनों की भीषण टक्कर, पटरी से उतरे डब्बे, हादसे में तीन लोगों की मौत

**जकार्ता, एजेंसी।**
इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा पर शुक्रवार को दो रेलगाड़ियां आपस में टकरा गईं। अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में ट्रेन के डब्बे पलट गए, जिसमें अब तक तीन लोगों की मौत हो गई है।

अब तक तीन लोगों की मौत

राष्ट्रीय रेलवे पीटी केरेटा एपी इंडोनेशिया के प्रवक्ता अयेप हनापी ने कहा कि यह दुर्घटना पश्चिम जावा के बांडुंग शहर में सिकलेंग्का ट्रेन स्टेशन से लगभग 500 मीटर की दूरी पर हुई। उन्होंने कहा कि पूर्वी जावा प्रांत की राजधानी सुरबाया से बांडुंग जा रही एक ट्रेन ने सिसलेंग्का स्टेशन से पदालारंग की ओर जा रही एक कम्यूटर ट्रेन को टक्कर मार दी। पश्चिम जावा पुलिस के प्रवक्ता इब्राहिम टोम्पो ने कहा, लगभग तीन लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

घायलों को अस्पताल में किया गया भर्ती

इस घटना का वीडियो सामने आया है। उसमें दिखाया गया कि कई गाड़ियां पलट गईं और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। एम्बुलेंस घायलों को निकाल के अस्पताल ले जाती हुई नजर आई रही थी। एक गाड़ी पास के खेत में जा गिरी। दुर्घटना के कारणों की

जांच की जा रही है। इंडोनेशिया के पुराने रेल नेटवर्क पर अक्सर ट्रेन दुर्घटनाएं होती हैं।

**न्यूयॉर्क में दो सबवे ट्रेनों के बीच टक्कर, हादसे में 24 लोग घायल: न्यूयॉर्क।** न्यूयॉर्क में एक सबवे ट्रेन पटरी से उतर जाने के कारण 24 लोगों के घायल होने की खबर सामने आई है। मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्टेशन अथॉरिटी के अधिकारियों के मुताबिक लगभग 300 लोगों को ले जा रही एक सबवे ट्रेन गुरुवार दोपहर मैनहट्टन में वेस्ट 96वीं स्ट्रीट के पास एक वर्क ट्रेन से टकरा गई, जिससे वह ट्रेन पटरी से उतर गई। ब्रुकलिन से अपने घर जा रही 19 वर्षीय एवलिन एगुइलर ने न्यूयॉर्क डेली न्यूज को बताया कि यह वास्तव में डरावना था। लोगों का सामान ट्रेन में उड़ गया। मेरा सिर दरवाजे की खिड़की से टकराया। फिर मेरा सिर खंभे से टकराया। हालांकि मेरे ज्यादा गंभीर चोट नहीं आई।

साथ ही एमटीए के लिए न्यूयॉर्क सिटी ट्रांजिट के अध्यक्ष रिचर्ड डेवी ने कहा कि आउट-ऑफ-सर्विस ट्रेन फंस गई थी क्योंकि किसी ने कई आपातकालीन स्टॉप कॉर्ड खींच दिए थे और कर्मचारी ब्रेक कॉर्ड को रीसेट करने के लिए ट्रेन में थे। डेवी ने कहा कि शुक्र है कि कोई गंभीर चोट नहीं आई। जाहिर तौर पर, दो ट्रेनों को एक-दूसरे से नहीं टकराना चाहिए। हम इसकी तह तक जाने वाले हैं।

# चीन की बूढ़ी होती आबादी से परेशान राष्ट्रपति जिनपिंग, महिलाओं पर मढ़ा सारा दोष

**बीजिंग, एजेंसी।**
चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग देश की बूढ़ी होती आबादी से परेशान हैं और इसका सारा दोष महिलाओं पर मढ़ रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार नवजात शिशुओं की संख्या में गिरावट के कारण चीन की आबादी लगातार घटती जा रही है। 2022 में चीन में नवजात शिशुओं की संख्या 10 मिलियन से भी कम रही, जबकि 2012 में यह संख्या लगभग 16 मिलियन थी। कुछ अनुमानों के अनुसार, चीन की वर्तमान जनसंख्या लगभग 1.4 बिलियन वर्ष 2100 तक घटकर लगभग 500 मिलियन हो सकती है। इस स्थिति का दोष महिलाओं पर मढ़ा जा रहा है कि वह बच्चे पैदा करने को तैयार नहीं है। हालांकि जिनपिंग सरकार विभिन्न विवाह कार्यक्रम आयोजित

कर रही है और सैन्य परिवारों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक कार्यक्रम लागू कर रही है। जिसके बाद चीन में सैनिक अभी भी दूसरे और तीसरे बच्चे को जन्म देने व राष्ट्रीय प्रजनन नीति को लागू करने में अग्रणी हैं।

दरअसल, चीन की घटती आबादी की समस्या का एक बड़ा कारण इसकी एक बच्चे वाली नीति है। चीन में पहले की तुलना में कम युवा लोग हैं और उनमें महिलाएं भी शामिल हैं।हालांकि अब चीन में कुछ स्थानीय सरकारें उन जोड़ों को नकद प्रोत्साहन देती हैं, जिनके पास दूसरा या तीसरा बच्चा है. झेजियांग प्रांत की एक काउंटी 25 साल की उम्र से पहले शादी करने वाले हर जोड़े को 1,000 युआन का नकद इनाम दे रही है। अक्टूबर में एक भाषण के दौरान चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने सरकार समर्थित ऑल-चाइना महिला फेडरेशन से महिलाओं से इस समस्या को हल करने का आग्रह किया था। कमजोर अर्थव्यवस्था और उच्च बेरोजगारी का सामना करने की वजह से कई युवा चीनी निराश हैं और अपने माता-पिता की पीढ़ी की तुलना में एक अलग जीवन शैली की तलाश कर रहे हैं।

कई महिलाओं को लगता है कि शादी और बच्चे पैदा करने का स्थापित मॉडल अनुचित है। जिन बुजुर्गों की एक ही संतान है और वो भी सिर्फ लड़की तो वह उनकी देखभाल के लिए मुश्किल से समय निकाल पाती है। ऐसे में उसको लगता है कि अगर वह शादी करेगी तो अपने पति और बच्चे को समय नहीं दे पाएगी, इसलिए चीन में बड़ी तादाद में महिलाएं शादी भी नहीं कर रही है।चीनी सरकार ने 2015 में अपनी 35 साल पुरानी एक बच्चे नीति को समाप्त करने की घोषणा की थी तो अधिकारियों को बेबी बूम की उम्मीद थी। इसके लिए सरकार की तरफ से नवनिर्मित प्रसूति वार्ड खोले गए, लेकिन वह कुछ ही वर्षों में बंद हो गए। शिशुओं पर ध्यान केंद्रित करने वाले व्यवसाय अब वृद्ध आयु समूहों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

नए किंडरगार्टन में छात्रों की कमी के कारण इनमें से कई बंद हो गए हैं। 2022 में चीन में प्रीस्कूल शिक्षा संस्थानों की संख्या में 2त्न की कमी आएगी, जो 15 वर्षों में पहली गिरावट है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि 2023 में चीन में जन्मों की संख्या 9 मिलियन से कम हो जाएगी। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि 2023 में भारत में जन्मों की संख्या 23 मिलियन तक पहुंच जाएगी और चीन को पछाड़कर दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि 2023 में संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 3.7 मिलियन बच्चों का जन्म होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129